जबलपुर

मंगलवार 22 सितंबर 2026

भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष–11

वर्ष : 21, अंक : 140

पृष्ठ : 14 मूल्य : 3 .00 *

मौसम

अधि. 29

न्यून. 22

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

आज बेंगलुरु में रहेंगे सीएम डॉ. यादव

टेलीकॉम उद्योग के प्रमुख निवेशकों से संवाद करेंगे

- ग्वालियर टीएमजेड की संभावनाओं और नीतिगत सहयोग पर होगी चर्चा
- इन्वेस्टर्स राउंड टेबल में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी रहेंगे मौजूद

डॉ. मोहन यादव

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार 22 सितंबर को बेंगलुरु में टेलीकॉम क्षेत्र के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों के साथ इन्वेस्टर्स राउंड टेबल में ग्वालियर में विकसित किए जा रहे टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। डॉ. यादव इस संवाद में निवेशकों को ग्वालियर टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन में उपलब्ध निवेश अवसरों, राज्य की औद्योगिक नीतियों और निवेश के लिए राज्य सरकार की ओर से दिए जा रहे सहयोग की जानकारी देंगे। टेलीकॉम उपकरणों के विनिर्माण के साथ इस क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और इससे जुड़े उद्योगों के विस्तार की संभावनाओं पर भी चर्चा होगी। इन्वेस्टर्स राउंड टेबल में केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी शामिल होंगे।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए 20 अक्टूबर से होगा लागू, 2030 तक व्यापार दोगुना करने की प्रतिबद्धता

भारतीय उत्पादों को न्यूजीलैंड के बाजार में मिलेगा शुल्क मुक्त प्रवेश

- केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के लिए नए अवसर खोलेगा
- न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन ने जताई खुशी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 20 अक्टूबर 2026 यानी विजयदशमी के दिन लागू होगा। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने समझौते के लागू होने की तारीख पर खुशी जताते हुए इसे दोनों देशों के कारोबार और अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी सोमवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह समझौता दोनों देशों के लिए नए अवसर खोलेगा। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर एफटीए के लागू होने पर उत्साह जताया। उन्होंने कहा कि करीब तीन साल पहले उन्होंने वादा किया था कि यदि उनकी नेशनल पार्टी सत्ता में आती है तो अपने पहले कार्यकाल में ही भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब यह समझौता पूरा हो चुका है और अगले महीने से लागू हो जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि समझौते के लागू होने से निर्यातकों के लिए नए अवसर खुलेंगे।

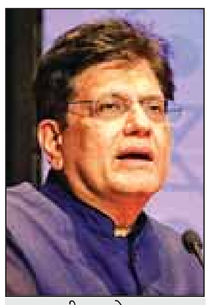

पीयूष गोयल

क्रिस्टोफर लक्सन

करीब 140 सेवा क्षेत्रों में अवसर

समझौते के तहत न्यूजीलैंड का बाजार भारत के लिए लगभग 140 सेवा क्षेत्रों में खुलने की बात कही गई है। इसके अलावा शिक्षा, खेल, संस्कृति, कृषि उत्पादकता और तकनीकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में भी दोनों देशों के बीच साझेदारी बढ़ाने का प्रावधान है। इससे पहले न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले ने आईएएनएस के साथ एक विशेष बातचीत में कहा था कि भारत-न्यूजीलैंड एफटीए के एक महीने के भीतर लागू होने की उम्मीद है।

पाठक सूचना

हरिभूमि सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार 2026 का सामान्य कूपन कल के अंक में देखें।

inh

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

हरिभूमि सहेली आज के अंक के साथ

पटवारियों की मांग सरकार ने मानी

स्वामित्व योजना के तहत मप्र सरकार का बड़ा फैसला

निः शुल्क रजिस्ट्री मामले में मप्र सरकार का एक और अहम फैसला

48.32 लाख निजी संपत्तियों की रजिस्ट्री अब शासन के नाम

मप्र में निजी संपत्तियों के मामले में वैधानिक जवाबदारी शासन की होगी, रजिस्ट्री के लिए पटवारी पदेन होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में स्वामित्व योजना के तहत 48.32 लाख निजी (आबादी की जमीन) संपत्तियों की निः शुल्क रजिस्ट्री मामले में सरकार एक और फैसला लेने जा रही है। राजस्व मंत्री करन सिंह वर्मा ने कहा कि पटवारियों की मांगों को मानते हुए शासन के नाम पर रजिस्ट्री करने का फैसला लिया गया है। अब रजिस्ट्री पटवारी के बजाए शासन के नाम पर होगी। राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव ई. रमेश कुमार ने कहा कि समस्त वैधानिक जवाबदारी शासन की होगी।

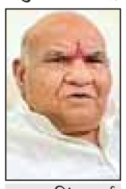

करन सिंह वर्मा

किसी भी कानूनी मामले में पटवारी की तरफ से शासकीय अधिवक्ता पैरवी करेंगे

फाइल फोटो

- **पटवारियों ने यह कहते हुए रजिस्ट्री करने से मना कर दिया था कि विवाद होने की स्थिति में कौन जिम्मेदार होगा?**
- **पिछले 4 दिन से प्रदेश भर में रजिस्ट्री का काम ठप पड़ा**

रजिस्ट्री सॉफ्टवेयर में फोटो पदेन अधिकारी का, इस वजह से भ्रम

प्रमुख सचिव ई. रमेश कुमार ने 'हरिभूमि' से कहा कि पटवारियों को कोई कानूनी दिक्कतें नहीं आएगी। विभाग इस पर ठोस निर्णय लेने जा रहा है। सरकारी संपत्तियों के मामले में शासन का स्पष्ट आदेश है।

करीब 3,800 करोड़ रु सरकार वहन करेगी

मप्र सरकार के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश के 55 जिलों के आबादी गांवों में ड्रोन फ्लाई का काम पूरा हो चुका था। लक्षित 42,055 आबादी ग्रामों में से 39,916 में सर्वे का कार्य पूरा हो गया था। करीब 94.9 प्रतिशत काम पूरा हो चुका था। सर्वे में करीब 72.67 लाख प्लॉट शामिल किए गए, जिनमें से 64.89 लाख प्लॉट के अधिकार अभिलेख तैयार किए जा चुके थे। इसमें 48.32 लाख निजी संपत्तियों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा।

प्रेमी शादी के लिए डाल रहा था दबाव

आरटीओ इंस्पेक्टर की हथौड़े से हत्या, पेड़ पर लगाई प्रेमी ने फांसी

मीनाक्षी दोस्त के साथ रिलेशन में थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित लेकपर्ल कॉलोनी में आरटीओ इंस्पेक्टर की हथौड़े से हत्या करने के बाद प्रेमी ने घर के पास ही पेड़ पर फांसी लगा ली।

सोमवार सुबह आरटीओ इंस्पेक्टर की लाश सामने वाले कमरे में फर्श पर खून से लथपथ पड़ी देख उनकी सहेली ने पुलिस को सूचना दी थी। इस दौरान पता चला कि घर से कुछ दूरी पर आरटीओ इंस्पेक्टर के प्रेमी ने भी पेड़ पर फांसी लगाई है। पुलिस के अनुसार मीनाक्षी गोखले (45) मूलतः इंदौर की रहने वाली थीं। वह दतिया में आरटीओ इंस्पेक्टर थी। करीब दो साल पहले उनका तलाक हो गया। उनकी 3 साल की बेटी है। लेकपर्ल कॉलोनी में मीनाक्षी का दोस्त पवन कुमार द्विवेदी रहता है। मीनाक्षी पवन कुमार के साथ रिलेशन में थी। वह अक्सर इंदौर और दतिया से मिलने पवन के पास आती थी। रविवार शाम भी वह पवन से मिलने भोपाल आई थी। इस दौरान मीनाक्षी की दोस्त कृतिका और 3 साल की बेटी भी थी। रात में कृतिका और बेटी ने खाना खाया और अंदर वाले कमरे में सोने चली गई। कमरे में कूलर चल रहा था।

खबर संक्षेप

रतनजोत का बीज खाकर 10 बच्चों की तबीयत बिगड़ी

ग्वालियर। मुरार ब्लॉक के सिरसौद गांव में रतनजोत का फल खाने से 10 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। बच्चे भागवत कथा और भंडारे से लौट रहे थे। रास्ते में खेत किनारे लगे रतनजोत के पौधे के फल को ड्रायफ्रूट समझकर उन्होंने आपस में बांटकर खा लिया। कुछ देर बाद बच्चों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत हुई। उन्हें मुरार ले जाया गया, जहां इलाज जारी है।

मंदिर से लौट रहीं महिलाओं को कार ने मारी टक्कर

मंदसौर। पिपलियामंडी थाना क्षेत्र के सुपरा गांव में रविवार रात तेज रफ्तार कार ने मंदिर से प्रसादी लेकर निकल रहीं महिलाओं को टक्कर मार दी। रात करीब 11:30 बजे हुए हादसे में छह महिलाएं और 13 वर्षीय बच्ची घायल हो गईं। चार महिलाओं की हालत गंभीर है। एक महिला के दोनों पैर बुरी तरह जख्मी हुए हैं। घायलों को पिपलियामंडी अस्पताल से मंदसौर जिला अस्पताल रेफर किया गया।

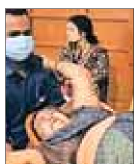

इलाज के दौरान तोड़ दिया दम

कूनो में नामीबिया से आए 10 साल के चीते गौरव की मौत

12 सितंबर को जंगल में कमजोर हालत में मिला था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाए गए चीते गौरव की सोमवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। पार्क प्रबंधन के अनुसार गौरव की उम्र 10 साल से अधिक थी। उसे 12 सितंबर को जंगल में कमजोर और सुस्त हालत में पाया गया था। रेस्क्यू कर इलाज शुरू करने के बाद उसे पालपुर के क्वारेंटाइन बोमा में रखा गया था। लगातार निगरानी और उपचार के बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ।

72वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह

केवड़िया में सजेगा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का मंच

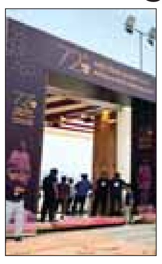

राष्ट्रपति देंगी 'आर्टिकल 370' फिल्म और यामी गौतम को पुरस्कार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सिनेमा के प्रतिष्ठित 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का भव्य समारोह 22 सितंबर को गुजरात के एकतानगर (केवड़िया) में आयोजित होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करेंगी। समारोह में केंद्रीय मंत्री, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के अलावा बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा के कई कलाकारों के शामिल होने की संभावना है।

टेबल टेनिस में भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से हराया

4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज के साथ भारत की झोली में 6 मेडल

एशियन गेम्स में भारत के 6 पदक शूटिंग में छाए भारतीय निशानेबाज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जापान के आइची-नगोया में चल रहे एशियन गेम्स में भारत ने दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए पदकों की संख्या 6 पहुंचा दी। भारत के खाते में अब 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज हैं। सोमवार को भारत ने चार पदक जीते, जिनमें 3 शूटिंग और एक मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स से आया। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में हिमांशु ढिल्लों ने सिल्वर और रुद्रांक्ष पाटिल ने ब्रॉन्ज जीता। हिमांशु ने 252.4 अंक हासिल किए, जबकि रुद्रांक्ष के 230.9 अंक रहे।

रुद्रांक्ष

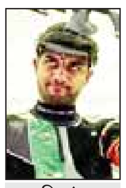

हिमांशु

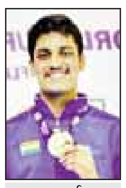

पार्थ

सुचिका

सनातनियों को एकजुट करने का संदेश

11 अक्टूबर से शास्त्री 500 किमी की रथ यात्रा निकालेंगे

- बुंदेलखंड के 5 जिलों से गुजरेगी यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खजुराहो

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री नवरात्र के दौरान बुंदेलखंड में करीब 500 किलोमीटर लंबी रथ यात्रा निकालेंगे। प्रस्तावित यात्रा की शुरुआत 11 अक्टूबर से होगी और 19 अक्टूबर तक चलेगी। यात्रा छतरपुर, पन्ना, सागर, दमोह और टीकमगढ़ जिलों से होकर गुजरने की बात कही गई है। बागेश्वर धाम के कार्यक्रम कैलेंडर में भी 11 से 19 अक्टूबर तक 'श्री आश्विन नवरात्र रथ यात्रा' का उल्लेख है।

पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

सुप्रीम कोर्ट ने तय किए नियम

किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी का कारण लिखित में बताना जरूरी

- अनुच्छेद 22(1) के उल्लंघन पर तत्काल रिहाई का अधिकार
- दोबारा गिरफ्तारी के लिए मजिस्ट्रेट की मंजूरी अनिवार्य

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय उसे गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप में और ऐसी भाषा में बताना जरूरी है, जिसे वह समझ सके। ऐसा नहीं करने पर गिरफ्तारी असंवैधानिक मानी जाएगी और व्यक्ति को रिहा किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत मौलिक अधिकार है। जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस अतुल चंद्रकुर की पीठ ने जसकरनजीत सिंह देओल की याचिका पर यह फैसला सुनाया।

राजस्थान निकाय चुनावः 4 निगमों पर भाजपा की फतह

बीकानेर में जीती कांग्रेस, अजमेर और पाली में दिखा भाजपा का फ्लोर मैनेजमेंट

एजेंसी ▶▶ जयपुर

राजस्थान में निकाय चुनावों के बाद सोमवार को नगर निकायों के मेयर, सभापति और अध्यक्ष के चुनाव हुए। अजमेर, अलवर, उदयपुर और पाली में भाजपा को जीत मिली है, वहीं बीकानेर में कांग्रेस की जीत हुई है। भरतपुर और भीलवाड़ा में भाजपा निर्विरोध जीती। जयपुर, जोधपुर और कोटा नगर निगम व सुकेत नगर पालिका के कुछ वार्डों में दोबारा मतदान होने के कारण इन जगहों पर अध्यक्ष पद का चुनाव अब 25 सितंबर को होगा।

खास बातें

- भाजपा ने अजमेर, अलवर, उदयपुर, पाली में मेयर पद जीते
- भरतपुर और भीलवाड़ा में भाजपा निर्विरोध जीती
- बीकानेर नगर निगम में कांग्रेस ने मेयर पद पर जीत हासिल की।

भाजपा और कांग्रेस के बीच चुनाव की शुरुआत से ही कांटे की टक्कर दिखी

जयपुर, जोधपुर और कोटा नगर निगम व सुकेत नगर पालिका के कुछ वार्डों में दोबारा मतदान होने के कारण इन जगहों पर अध्यक्ष पद का चुनाव अब 25 सितंबर को होगा।

ऐसा भी हुआ- 37 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई

अजमेर नगर निगम

सबसे बड़ा उलटफेर अजमेर में देखने को मिला, यहां 37 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई, वहीं 32 सीटें जीतने वाली भाजपा ने निर्दलीयों की मदद और कांग्रेस में सेंधमारी करके 43 वोट हासिल किए। नतीजा ये रहा कि भाजपा की अनामिका शर्मा ने कांग्रेस की किरण गढ़वाल को 6 वोट से हरा दिया।

अलवर नगर निगम

अलवर में किसी भी पार्टी को बहुमत न मिलने के कारण यहां त्रिशंकु की स्थिति है। भाजपा को 28 और कांग्रेस को 23 सीटों पर जीती, वहीं 13 सीटों पर निर्दलीय को विजयी बनाया। यही 13 निर्दलीय पार्षद अलवर में भाजपा खेवनहार बने और 42 सीटों के साथ भाजपा प्रत्याशी सुमनलता ने बहुमत साबित कर दिया।

पाली नगर निगम

पाली नगर निगम के 65 सदस्यों वाले बोर्ड में कांग्रेस को 29 सीटें मिली थीं, जो बहुमत से महज 4 सीट कम थीं। लेकिन कांग्रेस का बगावत का फायदा उठाते हुए भाजपा ने फ्लोर मैनेजमेंट का ऐसा कौशल दिखाया कि 21 सीटे जीतने के बावजूद 33 सीटों का जादुई आंकड़ा जुटा लिया। नमिता बुबकिया पाली की महापौर बनीं।

उदयपुर नगर निगम

उदयपुर नगर निगम में भाजपा शुरू से ही बड़ी बढ़त बना ली। 80 वार्डों वाले इन निगम में भाजपा ने 53 सीटें जीतकर ही स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया। भाजपा प्रत्याशी पारस सिंघवी ने उदयपुर मेयर पद पर एक आसान जीत हासिल की।

बीकानेर नगर निगम

बीकानेर नगर निगम में कांग्रेस को जीत मिली है। 80 में से 42 सीटें जीतकर कांग्रेस ने बहुमत का आंकड़ा पार कर किया। कांग्रेस उम्मीदवार अनिल कल्ला को 50 वोट मिले, अब अनिल कल्ला बीकानेर के नए मेयर होंगे।

खबर संक्षेप

मुंबई के 5 स्टार होटल में खाने की टेबल पर कॉकरोच

मुंबई। मुंबई के लग्जरी 5 स्टार होटल जेडब्ल्यू मैरियट का प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट और फोर्टिस हेल्थकेयर के चेयरमैन डॉ. अशोक सेठ ने सोशल मीडिया पर होटल के रेस्टोरेंट को लेकर एक चौंकाने वाला अनुभव शेयर किया है जिसमें उनके डिनर टेबल पर एक छोटा कॉकरोच घूम रहा था इस घटना ने देश के सबसे मशहूर लग्जरी होटलों में से एक में साफ-सफाई को लेकर चिंता पैदा कर दी है। डॉ. सेठ ने इस फाइव स्टार होटल के रोमानो रेस्टोरेंट में खाना खा रहे थे, तभी उन्हें टेबल पर बर्तनों के बीच कॉकरोच दिखा।

रोकने के बाद भी भाजपा ने गाया पूरा वंदे मातरम

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा के तीन दिवसीय विशेष सत्र के पहले दिन सोमवार को वंदे मातरम को लेकर विवाद खड़ा हो गया। सदन में बज रही वंदे मातरम की रिकॉर्डिंग सिर्फ दो पैरा के बाद रोक दी गई। इस पर भाजपा विधायकों ने विरोध जताया और बाकी चार पैरा खुद गाए। भाजपा विधायक अपने साथ वंदे मातरम की लिखित प्रतियां लेकर पहुंचे थे। विधान परिषद में भी भाजपा सदस्यों ने पूरा गीत गाया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। दरअसल, कांग्रेस ने दो पैरा गाने का आदेश दिया है।

राज पर रील बनाने वाले के सिर पर रखवाई चप्पल

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे पर टिप्पणी वाली रील के मामले में इन्फ्लुएंसर महेश मोटे से माफी मंगवाने का वीडियो सोमवार को सामने आया। आरोप है कि एमएनएस कार्यकर्ताओं ने उनका चेहरा काली स्याही से पोता, राज ठाकरे की तस्वीर के सामने दंडवत करवाया और सिर पर चप्पल रखकर उठक-बैठक कराई। वीडियो में मोटे रोते हुए हाथ जोड़कर बिना शर्त माफी मांगते और आगे ऐसी गलती न करने की बात कहते दिख रहे हैं।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी करेगी बड़े खुलासे

चोरी के 105 मामले सीसीटीवी कैमरे में कैद एसआईटी की 'चार्जशीट' में होंगे बड़े खुलासे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जांच अब अहम मोड़ पर पहुंच गई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम यानी एसआईटी दो दिन के भीतर चार्जशीट दाखिल करेगी। एसआईटी की स्टेटस रिपोर्ट में कहा गया है कि सीसीटीवी फुटेज की जांच के दौरान चढ़ावे की चोरी से जुड़ी 105 घटनाओं की पहचान की गई है। ऐसे में अब चार्जशीट के जरिए जांच से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने आने की उम्मीद है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट की पीठ को बताया कि पहली गिरफ्तारी की तारीख से 90 दिन की अवधि 25 सितंबर को पूरी हो जाएगी। अगर इससे पहले चार्जशीट दाखिल नहीं की गई तो आरोपियों को डिफॉल्ट जमानत मिलने का आधार बन सकता है। इसी वजह से सरकार ने अदालत को बताया कि एसआईटी दो दिन में चार्जशीट दाखिल करेगी। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने की। एसआईटी ने जांच से जुड़ी स्टेटस रिपोर्ट भी अदालत में पेश की, जिसका पीठ ने अवलोकन किया। मामले में 25 सितंबर की तारीख इसलिए अहम है क्योंकि पहली गिरफ्तारी के बाद 90 दिन की अवधि उस दिन पूरी हो रही है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अगर इस अवधि के भीतर चार्जशीट दाखिल नहीं की गई तो आरोपियों को डिफॉल्ट जमानत मिल सकती है। इसी वजह से उन्होंने अदालत में कहा कि चार्जशीट दो दिन के भीतर दाखिल कर दी जाएगी। एसआईटी की ओर से जांच पूरी होने और स्टेटस रिपोर्ट सौंपे जाने की जानकारी भी अदालत को दी गई है।

> सुप्रीम कोर्ट की पीठ को बताया कि पहली गिरफ्तारी की तारीख से 90 दिन की अवधि 25 सितंबर को पूरी हो जाएगी। अगर इससे पहले चार्जशीट दाखिल नहीं की गई तो आरोपियों को डिफॉल्ट जमानत मिलने का आधार बन सकता है।

चढ़ावा चोरी में यूपी सरकार ने बताया है कि एसआईटी दो दिन में चार्जशीट दाखिल करेगी

जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज से चंदे की चोरी की 105 घटनाओं की पहचान की गई

चार्जशीट दाखिल करने के लिए दो दिन की समय सीमा अहम

जांच पूरी होने की बात कही गई, पहली गिरफ्तारी के 90 दिन 25 सितंबर को पूरे होंगे

एआई इमेज

चोरी की घटनाओं का खुलासा

एसआईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। इसी फुटेज के आधार पर चढ़ावे की चोरी से जुड़ी 105 घटनाओं की पहचान की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन घटनाओं की जांच पूरी हो चुकी है। एसआईटी के अनुसार अब जांच का अगला चरण चार्जशीट दाखिल करना है। हालांकि, इन 105 घटनाओं में कितनी रकम की चोरी हुई या किन लोगों की भूमिका सामने आई, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। इन विवरणों का खुलासा चार्जशीट में होने की बात कही गई है।

सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई

सुप्रीम कोर्ट में अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच को लेकर दाखिल कई याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इन याचिकाओं में स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल ने एसआईटी की जांच की स्थिति अदालत के सामने रखी। पीठ ने एसआईटी की स्टेटस रिपोर्ट भी देखी। अब दो दिन के भीतर चार्जशीट दाखिल होने के बाद मामले की जांच में सामने आए तथ्यों और आरोपों की विस्तृत तस्वीर सामने आने की उम्मीद है।

वोटर लिस्टः सोनिया गांधी को झटका

कोर्ट ने रद्द किया मजिस्ट्रेट का आदेश, अगली सुनवाई 29 को

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नागरिकता मिलने से तीन साल पहले 1980 में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के मामले में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश से इनकार करने वाले मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को रद कर दिया है। सोनिया गांधी पर आरोप है कि उन्होंने भारतीय नागरिकता मिलने से तीन साल पहले, 1980 में जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाया था। इसी मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई थी। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट का आदेश बिना किसी ठोस कारण के दिया गया था और उसमें उचित वजहें नहीं बताई गई थीं। अदालत ने मामले को वापस एडिशनल चीफ मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट के पास भेज दिया। विशेष अदालत ने निर्देश दिया कि दोनों पक्षों की बात सुनने और मामले की जांच करने के बाद विस्तृत और तर्कपूर्ण आदेश जारी किया जाए। अदालत ने संबंधित पुलिस अधिकारी का पक्ष जानने के लिए भी कहा है। अब मामले की आगे की सुनवाई 29 सितंबर को होगी।

वोटर लिस्ट से हटे लाखों लोगः मौजूदा रफ्तार से फैसले में लगेंगे 12 साल

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए लाखों लोगों के लिए मताधिकार वापस पाना बड़ी चुनौती बन गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित अपीलीय ट्रिब्यूनल में मामलों के निपटारे की मौजूदा गति से सभी लंबित आवेदनों का फैसला होने में 12 साल से अधिक, यानी करीब 146 महीने लग सकते हैं। चुनाव आयोग के हलफनामे के मुताबिक अप्रैल के मध्य से अब तक पांच महीनों में ट्रिब्यूनल ने सिर्फ 1,26,194 मामले निपटाए हैं। यानी हर महीने औसतन 25,238 मामलों का ही फैसला हो पा रहा है। 16 सितंबर तक ट्रिब्यूनल के पास कुल 37,05,235 मामले लंबित थे। इस स्थिति को देखते हुए आयोग ने तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओ'ब्रायन की याचिका के जवाब में सुप्रीम कोर्ट से राहत मांगी है।

अपीलीय ट्रिब्यूनल की संख्या बढ़ाने की मांग

आयोग ने राज्य में अपीलीय ट्रिब्यूनल की संख्या 24 से बढ़ाकर 42 करने की मांग की है, जो पश्चिम बंगाल के संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या के बराबर होगी। इसके अलावा आयोग ने प्रस्ताव रखा है कि न्यायिक अधिकारियों को वर्क फ्रॉम होम और डिजिटल सुनवाई की अनुमति दी जाए। आयोग के अनुसार इससे अधिकारियों के आने-जाने का समय बचेगा और अपीलों के निपटारे में तेजी आएगी।

रोहिणी जेल में मर्डरःवार्ड-3 में खूनी संघर्ष

गैंगवार का नतीजा..तंबाकू के लिए कैदी को मार डाला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की रोहिणी जेल के अंदर एक अंडरट्रायल कैदी की हत्या का मामला सामने आया है। आर्म्स एक्ट के मामले में जेल में बंद प्रमोद नामक कैदी की आपसी रंजिश के चलते हत्या कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, मृतक प्रमोद जेल के अंदर तंबाकू बेचने का काम करता था। आशंका जताई जा रही है कि इसी बात को लेकर कैदियों के बीच कहासुनी और विवाद हुआ था, जिसके बाद यह खौफनाक कदम उठाया गया। जेल के अंदर साथी कैदियों भोला और मुकेश ने प्रमोद पर धारदार हथियार से हमला करने का गंभीर आरोप लगा है। हमले के बाद गंभीर रूप से घायल प्रमोद को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जेल के भीतर हुई इस वारदात से सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। गैंग के बीच जेल में तंबाकू को लेकर रंजिश बताई गई है।

चुनाव चिन्ह फ्रीज मामला सुको पहुंचा

बीच चुनाव में फ्रीज कर दिया सिंबल,जल्द सुनवाई को राजी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी को सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को राहत मिली। चुनाव आयोग ने उनकी पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह फ्रीज कर दिया था। इस आदेश के खिलाफ दाखिल याचिका पर कोर्ट जल्द सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। ममता की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ के सामने मामले का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आयोग अधिसूचना जारी करता है और प्रक्रिया के बीच में ही चुनाव चिन्ह फ्रीज कर देता है। सिब्बल के मुताबिक कार्यवाही जून में शुरू हुई थी और जुलाई में जवाब दाखिल किया गया था। इसके बाद अधिसूचना आई और बीच में ही चिन्ह फ्रीज हो गया, इसलिए वे तुरंत सुनवाई और आदेश पर रोक चाहते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मामला सूचीबद्ध होने पर दोनों पक्षों को दलीलें रखने का मौका मिलेगा।

आईआईटी-बॉम्बे छात्र सुसाइड मामला

पहले कहा- छात्र नकल करते पकड़ा गया था फिर माफी मांगी और डीन को सस्पेंड किया

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आईआईटी बॉम्बे ने बीटेक स्टूडेंट साहिल वाकोडे की मौत मामले में प्रोफेसर सूर्यनारायण दूल्ला को डीन पद से सस्पेंड कर दिया है। हालांकि वे अभी प्रोफेसर पद पर बने रहेंगे। वहीं, संस्थान ने साहिल की मौत को लेकर पहले कही गईं अपनी बातों के लिए माफी भी मांगी है। 22 साल के साहिल आईआईटी बॉम्बे के एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में सेकेंड ईयर के स्टूडेंट थे। 18 सितंबर की रात वे पवई कैंपस स्थित हॉस्टल के कमरे में मृत मिले थे। आईआईटी बॉम्बे ने 19 सितंबर को अपने ऑफिशियल बयान में कहा था कि घटना वाले दिन साहिल को मिड-सेमेस्टर एग्जाम में फोन का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था। संस्थान ने दावा किया था साहिल ने चैट जीपीटी पर क्वेश्चन पेपर अपलोड करने

आरोपी प्रोफेसर

20 साल में आईआईटी में 160 छात्र कर चुके हैं आत्महत्याएं

मृतक छात्र

की कोशिश की। फिर हॉस्टल जाकर सुसाइड कर लिया। इस साल आईआईटी बॉम्बे में सुसाइड का यह तीसरा और देश का 9वां मामला है। पिछले 6 साल के दौरान 2025 में सबसे ज्यादा 16 आईआईटी छात्रों ने सुसाइड किया था। ग्लोबल आईआईटी एलुमनाई सपोर्ट ग्रुप के मुताबिक, पिछले 20 साल में आईआईटी के कुल 160 छात्रों ने आत्महत्या की हैं। आईआईटी ने डायरेक्टर प्रो. शिरीष केदारे के इस्तीफे को लेकर भी सफाई दी।

सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा, 18 नवंबर को अगली सुनवाई

अर्धसैनिक बलों में आईपीएस अफसरों की तैनाती जारी रहेगी, कोर्ट में बताया जरूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में सीएपीएफ में आईपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति को सही ठहराया है। सोमवार को दिए गए इस शपथ पत्र में कहा गया है कि आतंकवाद, उग्रवाद और विद्रोह से निपटने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य पुलिस और केंद्रीय बलों के बीच तालमेल जरूरी है। सरकार के मुताबिक सीएपीएफ की अलग पहचान और ऑपरेशनल क्षमता बनाए रखने के लिए आईपीएस की मौजूदगी आवश्यक है। यह हलफनामा दो सितंबर के आदेश के अनुपालन में दाखिल हुआ। तब कोर्ट ने कैडर अफसरों के 'संगठित समूह ए सेवा' (ओजीएएस) मामले में अवमानना केस की सुनवाई करते हुए 23 मई 2025 के फैसले को लागू करने का रोडमैप मांगा था। उस फैसले में आईपीएस प्रतिनियुक्ति को एसएजी स्तर तक चरणबद्ध तरीके से घटाने का निर्देश था। सुनवाई में सामने आया था कि फैसले के बाद भी पांच बलों में 46 आईपीएस अधिकारी भेजे गए। गृह सचिव का तर्क है कि आदेश में प्रतिनियुक्ति पर पूर्ण रोक नहीं, बल्कि धीरे-धीरे कमी की बात थी। उनके अनुसार प्रतिनियुक्ति कानूनी भर्ती नियमों के दायरे में हो रही है।

आतंकवाद की लगाम कसने के लिए आईपीएस जरूरी

पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के बयान पर भाजपा का हमला

कहा- कांग्रेस अब पूरी तरह बन चुकी है मुस्लिम लीग-माओवादी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के विचारों का हवाला देने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। भाजपा ने आरोप लगाया कि हामिद अंसारी के बयान से मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस का मुस्लिम लीग-माओवादी चरित्र पूरी तरह उजागर हो गया है। शनिवार को इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में दिवंगत संविधान विशेषज्ञ व लेखक ए.जी. नूरानी की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हामिद अंसारी ने नूरानी की 2019 की पुस्तक द आरएसएसः ए मेनेस टू इंडिया का जिक्र किया था।

भाजपा ने कहा-राहुल नेता प्रतिपक्ष के लायक नहीं

नेता प्रतिपक्ष के पद को मजाकिया विदूषक बना दिया

उन्होंने कहा कि नेहरू का मानना था कि भारत के लिए असली खतरा साम्यवाद (कम्युनिज्म) नहीं, बल्कि हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता है। सोमवार को नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति के बयान ने यह साबित कर दिया है कि कांग्रेस अब पूरी तरह से मुस्लिम लीग-माओवादी कांग्रेस" में बदल चुकी है। त्रिवेदी ने तर्क दिया कि पूर्व उपराष्ट्रपति की टिप्पणी से यह भी संकेत मिलता है।

राहुल गांधी पर जमकर साधा निशाना

इंदौर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में सुधांशु त्रिवेदी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इस पद पर बने रहने के योग्य हैं या नहीं, यह एक यक्ष प्रश्न है। राहुल गांधी के रवैये पर टिप्पणी करते हुए त्रिवेदी ने कहा, उन्होंने नेता प्रतिपक्ष के पद की गरिमा और गंभीरता से समझौता करते हुए इसे एक मजाकिया विदूषक जैसा बना दिया है। अगर सरल हिंदी में कहें तो वे जोकराई पर उतर आए हैं। उल्लेखनीय है कि शनिवार को इंदौर में युवाओं से संवाद के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा था कि देश से नफरत को सिर्फ छात्र ही उखाड़ फेंक सकते हैं, न कि अंधभक्त।

नतीजों में 'यूनाइटेड रशिया' के उम्मीदवार 208 सीटों पर आगे रहे

रूस के चुनाव में पुतिन का जलवा, बंपर बहुमत, पार्टी ने रिकॉर्ड 355 सीटें जीतीं, फिर भी सरकार के लिए बज रही खतरे की घंटी

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समर्थन वाली युनाइटेड रशिया पार्टी ने बंपर बहुमत हासिल किया है। पुतिन की पार्टी ने संसद की 450 सीटों में से रिकॉर्ड 355 सीटें जीती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक सेंट्रल इलेक्शन कमीशन के अनुसार, 95 प्रतिशत से ज़्यादा पोलिंग स्टेशनों के नतीजों से पता चला कि क्रेमलिन की 'यूनाइटेड रशिया' पार्टी को पार्टियों के लिए तय 225 सीटों में से 58 प्रतिशत से कुछ कम वोट मिले। बाकी 225 सांसद सिंगल-बैलेट मुकाबलों में चुने गए और नतीजों में 'यूनाइटेड रशिया' के उम्मीदवार इनमें से 208 सीटों पर आगे रहे।

> रूस में संसदीय चुनाव रविवार को खत्म हो गए। व्लादिमीर पुतिन की पार्टी यूनाइटेड रशिया ने चुनावों में बहुमत हासिल किया है।

चुनाव में पार्टी का रहा दबदबा

भारी बहुमत से जीत हासिल की

355 सीटें पार्टी के लिए अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन

सेंट्रल इलेक्शन कमीशन की चेयरपर्सन एला पमफिलोवा ने कहा कि शुरुआती नतीजों से संकेत मिला है कि 'यूनाइटेड रशिया' को 450 में से 355 सीटें जीतीं, जो पार्टी के लिए अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा होगा। यह चुनाव यूक्रेन के ड्रोन हमलों के बीच संपन्न हुए। रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन रविवार को यूक्रेन ने मास्को और आसपास के इलाकों में कथित तौर पर 1,600 से ज्यादा ड्रोन भेजे। मास्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने दावा किया कि राजधानी को निशाना बनाकर 450 ड्रोन भेजे गए थे।

2021 में मिली थीं 324 सीटें

यह फरवरी 2022 में यूक्रेन के साथ शुरू हुए संघर्ष के बाद पहला संसदीय चुनाव है। पुतिन ने चुनाव को यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के समर्थन से जोड़कर पेश किया था। 2021 के पिछले संसदीय चुनाव में यूनाइटेड रशिया ने स्टेट ड्यूमा 450 में से 324 सीटों पर कब्जा किया था।

जीत के बावजूद पुतिन के लिए खतरा क्यों?

रूस में संसदीय चुनाव के शुरुआती नतीजों ने एक तरफ राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की पार्टी यूनाइटेड रशिया की पकड़ को फिर सामने रखा है, तो दूसरी तरफ इन्हीं नतीजों में क्रेमलिन के लिए कुछ चिंता के संकेत भी बताए जा रहे हैं। 90 फीसदी से ज्यादा वोटों की गिनती के बाद यूनाइटेड रशिया बड़ी बढ़त के साथ आगे है। लेकिन बर्लिन स्थित थिंक टैंक एनईएसटी का आकलन है कि आर्थिक दबाव और रूस-यूक्रेन युद्ध के असर के बीच कुछ मतदाताओं का रुख सिस्टम विपक्षी दलों की तरफ जाना पुतिन सरकार के लिए असहज संकेत हो सकता है।

पुतिन की पार्टी की जीत को पहले से तय माना जा रहा था?

यूनाइटेड रशिया के पास चुनाव में मजबूत स्थिति थी और उसके सामने राष्ट्रपति की नीतियों का विरोध करने वाले विकल्प सीमित थे। इन परिस्थितियों में शुरुआती नतीजों में पार्टी का आगे रहना अप्रत्याशित नहीं माना गया। क्रेमलिन ने चुनाव को यूक्रेन में युद्ध और आर्थिक मुश्किलों के बीच लोगों को अपनी राय रखने के मौके के तौर पर पेश किया था। हालांकि, युद्ध का विरोध करने वाले ज्यादातर उम्मीदवारों को मतपत्र से बाहर रखा गया। उदारवादी याब्लोको पार्टी से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों ने भी अपनी स्वतंत्रता को लेकर डर जताया था।

खबर संक्षेप

अहमद बिन राशिद अल मकतूम का निधन

अबूधावी। संयुक्त अरब अमीरात के प्रधानमंत्री और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के छोटे भाई शेख अहमद बिन राशिद अल मकतूम का निधन हो गया। सोमवार को शेख मोहम्मद ने इसकी पुष्टि की। उनके निधन पर दुबई में 10 दिन के शोक की घोषणा हुई है। फिलहाल उनकी मौत की वजह नहीं बताई गई है। मकतूम के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि ईश्वर की अनुमति से, वे आज सोमवार सुबह अपने प्रभु की शरण में चले गए हैं।

चीन की कपड़ा फैक्ट्री में आग से 8 की मौत

बीजिंग। दक्षिण चीन में एक कपड़ा फैक्ट्री में आग लगने के बाद कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया, चीनी स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को बताया। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार घटना प्रांत के फोशान शहर में एक कपड़ा फैक्ट्री में हुई। बचाव कार्य अभी भी जारी है। 28 जुलाई को, शिनजियांग में एक फैक्ट्री में आग लगने के बाद लोग मारे गए।

भारतीय सेना के टैंकों की ताकत बढ़ाएगा स्वदेशी एपीयू, 586 करोड़ की डील

टी-72 और टी-90 टैंक इंजन बंद होने पर भी दागेंगे गोला, सरकार ने की बड़ी डील

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने टी-72 और टी-90 टैंकों के लिए सहायक विद्युत इकाइयों (एपीयू) की खरीद के लिए एक्यूरेट इंडस्ट्रियल कंट्रोल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 586 करोड़ रुपए के एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अनुबंध 21 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया।

बता दे कि एपीयू टैंक के फायर कंट्रोल सिस्टम, फायरिंग सर्किट, गन स्टेबिलाइजेशन सिस्टम और अन्य सहायक उपकरणों के लिए विद्युत शक्ति उत्पादन का एक वैकल्पिक स्रोत है। स्वदेशी रूप से विकसित एपीयू को शामिल करने से भारतीय सेना की मशीनीकृत इकाइयों की संचालन तत्परता, विश्वसनीयता और स्थायित्व और अधिक मजबूत होगी। यह खरीद बख्तरबंद प्लेटफार्मों के महत्वपूर्ण उप-प्रणालियों के स्वदेशीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और उद्योग के नेतृत्व में किए गए अनुसंधान और विकास (मेक-2) को दर्शाती है। यह स्वदेशी नवाचार को उत्पादन और कार्यान्वयन में बदलने की प्रक्रिया की प्रभावशीलता को भी प्रदर्शित करती है। यह अनुबंध सरकार के 'विकसित भारत @2047' के विजन के अनुरूप है और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने और एक मजबूत, आत्मनिर्भर और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारतीय रक्षा उद्योग के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

रक्षा मंत्रालय ने 586 करोड़ रुपए के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

टी-90 टैंकों के लिए सहायक विद्युत इकाइयों की खरीद

इस करार से भारतीय सेना को होगा फायदा

मंत्रालय के मुताबिक, स्वदेशी एपीयू को टैंकों में शामिल करने से भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड फॉर्मेशन की ऑपरेशनल रेडिनेस मजबूत होगी। साथ ही टैंकों की विश्वसनीयता और सस्टेनेबिलिटी यानी लंबे समय तक प्रभावी तरीके से काम करने की क्षमता में सुधार होगा। एपीयू का स्वदेशी विकास होने से महत्वपूर्ण सिस्टम के लिए घरेलू तकनीक और उत्पादन क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। यह करार सेना की जरूरतों को देश में विकसित तकनीक के जरिए पूरा करने की दिशा में भी अहम कदम है।

टी-72 और टी-90 टैंकों में एपीयू का काम क्या होगा?

एपीयू टैंक में बिजली पैदा करने का एक वैकल्पिक स्रोत है। इसका इस्तेमाल फायर कंट्रोल सिस्टम, फायरिंग सर्किट और गन स्टेबलाइजेशन सिस्टम जैसी महत्वपूर्ण प्रणालियों के लिए किया जाता है। इसके अलावा टैंक की दूसरी सहायक प्रणालियों को भी एपीयू से बिजली मिल सकती है। इन प्रणालियों के लगातार और भरोसेमंद तरीके से काम करने के लिए बिजली की जरूरत होती है। ऐसे में एपीयू टैंक की संचालन क्षमता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता भी

रक्षा मंत्रालय ने इस करार को सरकार के विकसित भारत@2047 के विजन से जोड़ा है। मंत्रालय के मुताबिक, यह कदम रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और एक मजबूत घरेलू रक्षा उद्योग तैयार करने की दिशा में है। स्वदेशी एपीयू की खरीद से महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों के लिए भारतीय तकनीक और उद्योग की भूमिका बढ़ेगी। मंत्रालय ने इसे एक ऐसे रक्षा उद्योग के निर्माण की दिशा में अहम मील का पत्थर बताया है, जो आत्मनिर्भर होने के साथ वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता भी रखता है।

पीयूष गोयल ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा

रूसी तेल खरीदारों पर प्रतिबंध से जुड़े नए अमेरिकी कानून का अध्ययन कर रहा है भारत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत पहले रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर नए अमेरिकी कानून के तहत लगाए जा सकने वाले टैरिफ के विवरण का अध्ययन करेगा। इसके बाद इस मामले पर उचित समय पर चर्चा की जाएगी।

भारत और चीन रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदारों में से हैं। ये उन्हें संभावित टैरिफ जोखिम के केंद्र में रखता है। कानून उन देशों का नाम नहीं बताता है जिन्हें आखिरकार टारगेट किया जाएगा। ट्रंप प्रशासन को यह तय करने के लिए छोड़ दिया जाएगा कि कौन से देश योग्य हैं और उन्हें किस टैरिफ दरों का सामना करना पड़ सकता है। भारत के लिए यह उपाय अमेरिका के साथ पहले से ही करीब से देखे जा रहे व्यापार संबंधों में अनिश्चितता की एक और परत जोड़ता है।

गोयल जी20 में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि से चर्चा करेंगे

पीयूष गोयल ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, इसके विवरण अब सामने आ रहे हैं। हम उनका अध्ययन करेंगे और उचित समय पर इस मामले पर चर्चा करेंगे। 100 प्रतिशत टैरिफ कोई स्वचालित शुल्क नहीं है, इस बीच, भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत जारी रखे हुए हैं और दोनों पक्ष इस मुद्दे पर नियमित संपर्क में हैं। गोयल इस महीने के अंत में मिल्वौकी में होने वाली जी20 व्यापार मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीयर के साथ द्विपक्षीय चर्चा कर सकते हैं।

ट्रंप को मिली 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की ताकत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट 2026 पर हस्ताक्षर करके इसे कानून बना दिया है। इससे ट्रंप प्रशासन को उन देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की ताकत मिल गई है जो रूसी तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं। इन उपायों के कारण भारत और चीन जैसे रूसी तेल के प्रमुख खरीदारों को अमेरिका में उनके निर्यात पर ऊंचे टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है। 18 सितंबर को इस कानून पर हस्ताक्षर हुए। यह कानून रूस के ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों पर प्रतिबंधों का विस्तार करता है।

लाइव फायरिंग का किया ऐलान नोटम जारी

भारतीय युद्धपोत से टक्कर के बाद बौखलाई पाकिस्तानी नौसेना

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

उत्तर-पूर्वी अरब सागर में भारत और पाकिस्तान की नौसेनाओं के बीच बढ़ते तनाव ने एक बार फिर दक्षिण एशिया में हलचल बढ़ा दी है। पिछले हफ्ते दोनों देशों के नौसैनिक जहाजों के बीच हुई टक्कर की खबरों के महज कुछ ही दिनों बाद पाकिस्तान ने आनन-फानन में इस क्षेत्र में लाइव नेवल फायरिंग एक्सरसाइज का आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

ये नोटम किसी मिसाइल टेस्ट का नहीं है बल्कि इस दौरान पाकिस्तान अंधाधुंध फायरिंग करेगा। पाकिस्तान की तरफ से जारी इस नोटम और नेविगेशनल चेतावनी के बाद अरब सागर के इस

एआई फोटो
अरब सागर में टकराए पाकिस्तान भारत के युद्धपोत

संवेदनशील जलक्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि समुद्र में हुई इस टक्कर के तुरंत बाद पाकिस्तान का यह आक्रामक सैन्य अभ्यास महज एक इत्तेफाक नहीं बल्कि वो अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान की नौसेना भारत के मुकाबले काफी कमजोर मानी जाती है ।

अरब सागर में टकराए थे भारत-पाक के युद्धपोत

इसके अलावा पाकिस्तानी नौसेना के अभ्यास क्षेत्र के पास भारतीय नौसेना के फ्रिगेट्स और नौसैनिक ड्रोन लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं ताकि किसी भी अप्रत्याशित दुस्साहस का तुरंत जवाब दिया जा सके। वहीं 15 सितंबर को हुए टक्कर को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि आईएनएस कोलकाता अपने नियमित गश्ती अभियान पर था तभी पाकिस्तानी जहाज पीएनएस हुनैन ने बेहद खतरनाक और गैर-पेशेवर तरीके से ओवरटेक करने की कोशिश की जिससे यह टक्कर हुई।

30 घायल, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

सूडान में सोने की खदान ढहने से 11 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ खार्तूम

सूडान के उत्तर-पूर्वी में सोने की एक खदान ढह गई। जिसमें कम से कम 11 खनिकों की मौत हो गई और 30 लोग घायल हो गए। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार मलबे के नीचे दबे लोगों की तलाश अभी जारी है। बता दे कि रविवार तक 11 शव बरामद किए गए हैं और 30 लोगों को बचाया गया है।

मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार लापता लोगों की तलाश जारी है। कंपनी ने एक बयान में खदान ढहने से हुई मौतों पर दुख जताया, लेकिन हताहतों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। सोना पैदा करने वाले देश सूडान में खदान

ढहने से मौत के पीछे का मुख्य कारण सुरक्षा मानकों का बड़े पैमाने में पालन नहीं होना है। एक हफ्ते के अंदर सूडान में अनौपचारिक सोने की खदान ढहने की ये दूसरी घटना है। पिछले रविवार को देश के पश्चिमी हिस्से में सोने के एक और खदान की कई सुरंगे ढहने से कम से कम 82 लोगों की मौत हो गई थी।

यह इलाका पैरामिलट्री रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के नियंत्रण में है।

एआई के माध्यम से लाखों भारतीयों को होगा बिजनेस शुरू करने में फायदा

भारत की डिजिटल ताकत और इंजीनियरिंग प्रतिभा एआई इनोवेशन को दे सकती है नई ऊंचाईः इंडस्ट्री

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मजबूत डिजिटल आधार और इंजीनियरिंग टैलेंट का बड़ा पूल भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई आधारित इनोवेशन में ग्लोबल लीडर बनने और साथ ही उद्यमियों की एक नई पीढ़ी तैयार करने की मजबूत स्थिति में लाता है। यह जानकारी टेक्नोलॉजी एग्जीक्यूटिव्स की ओर से सोमवार को दी गई। सीएटल में दिए अलग-अलग इंटरव्यू में, रिदम के सीईओ और को-फाउंडर वेट्री वलोर और वीम के सीईओ आनंद ईश्वरन ने कहा कि देश को सिर्फ नौकरियां पैदा करने पर ही नहीं, बल्कि एक ऐसा इनोवेशन-आधारित इकोसिस्टम बनाने पर भी ध्यान देना चाहिए, जिससे लाखों भारतीय अपना बिजनेस शुरू कर सकें और उसे बढ़ा सकें। ईश्वरन ने कहा कि भारत ने अपनी डिजिटल पहचान और डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए बड़े पैमाने पर तकनीकी बदलाव के लिए जरूरी आधार पहले ही तैयार कर लिया है। उन्होंने कहा, अभी भारत के पास एआई का इस्तेमाल करने और ऐसे नतीजे दिखाने का मौका है, जिनका इस्तेमाल करके दुनिया मानवता के भले के लिए एआई के फायदे हासिल कर सकती है।

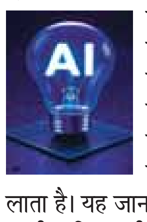

भारत को तकनीकी बदलावों को समझने और अपनाने में मदद मिलेगी

वलोर के अनुसार, भारतीय-अमेरिकी समुदाय इस बदलाव में अहम भूमिका निभा सकता है। वे अपनी तकनीकी विशेषज्ञता साझा कर सकते हैं, फाउंडर्स को मेंटरिंग दे सकते हैं और ऐसे पॉलिसी आइडिया दे सकते हैं जो भारत को उभरते तकनीकी बदलावों को समझने और अपनाने में मदद करें। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी के अलावा, अमेरिका में भारतीयों के एंटरप्रेन्योरशिप सफर से मिली सीख भारत में पॉलिसी बनाने वालों और नए फाउंडर्स के लिए उपयोगी जानकारी दे सकती है।

पिथौरागढ़ में भारत-मंगोलिया की सेनाओं का युद्धाभ्यास शुरू, 90 जवान ले रहे हिस्सा

3 अक्टूबर तक चलेगा 'नोमैडिक एलिफेंट', बढ़ेगी क्षमता

एजेंसी ▶▶ पिथौरागढ़

18वां भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलिफेंट' सोमवार को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ स्थित विदेशी प्रशिक्षण केंद्र में प्रारंभ हुआ। यह भारत और मंगोलिया में बारी-बारी से आयोजित होने वाला वार्षिक प्लाटून स्तरीय अभ्यास है, जो 21 सितंबर से 3 अक्टूबर, 2026 तक चलेगा। पिछला अभ्यास मई-जून 2025 में मंगोलिया के उलानबटार में आयोजित किया गया था। भारतीय सेना और मंगोलियाई सशस्त्र बलों की ओर से 45-45 जवान इस अभ्यास में भाग ले रहे हैं। इस अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के तहत अर्ध-शहरी और पर्वतीय इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाने के लिए दोनों पक्षों की संयुक्त सैन्य क्षमता को बढ़ाना है।

- **अभ्यास का उद्देश्य दोनों पक्षों की संयुक्त सैन्य क्षमता को बढ़ाना**
- **सशस्त्र बलों की ओर से 45-45 जवान इस अभ्यास में भाग ले रहे**

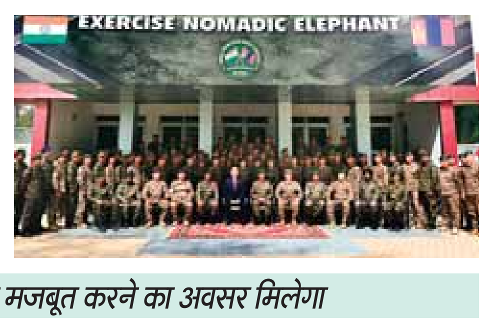

क्षमता को मजबूत करने का अवसर मिलेगा

संयुक्त प्रशिक्षण में सामरिक स्तर के अभियानों, सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान, संचालन अभ्यासों को अत्याधुनिक बनाने और दोनों सेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में घेराबंदी और तलाशी अभियान, कक्ष गतिविधि अभ्यास, विशेष हेलीकॉप्टर अभियान, साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण और ड्रोन तथा ड्रोन-रोधी प्रणालियों का उपयोग आदि गतिविधियां शामिल होंगी। इन अभ्यासों से दोनों सेनाओं के सैनिकों को वास्तविक संचालन परिदृश्यों में एक साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने और संयुक्त रूप से कार्य करने की उनकी क्षमता को मजबूत करने का अवसर मिलेगा। एक्सरसाइज नोमैडिक एलिफेंट 2026 भारत और मंगोलिया के बीच रक्षा सहयोग को और बढ़ाएगा और दोनों मित्र राष्ट्रों के बीच दीर्घकालिक मित्रता और आपसी विश्वास के बंधन को मजबूत करेगा।

भारत-अमेरिका के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास युद्ध अभ्यास जारी

औली। भारत और अमरीका के बीच उत्तराखंड के औली में संयुक्त सैन्य अभ्यास युद्ध अभ्यास 2026 जारी है। यह अभ्यास सिर्फ प्रशिक्षण तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह दोनों देशों की सेनाओं के बीच आपसी भाईचारे, समझ और मजबूत रिश्तों को भी बढ़ावा दे रहा है। इस अभ्यास के दौरान दोनों सेनाओं के जवान न सिर्फ युद्ध कौशल साझा कर रहे हैं बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और हिमालय की खूबसूरती का भी अनुभव कर रहे हैं। अमरीकी सैनिकों ने बद्रीनाथ में

आयोजित सांस्कृतिक उत्सव में 'देवभूमि' की जीवंत परंपराओं का अनुभव किया और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक देखी। गोरसों बुग्याल के खूबसूरत और प्राकृतिक इलाकों में ट्रेकिंग के दौरान उन्हें हिमालय की भव्य सुंदरता और वहां के प्राकृतिक परिवेश से भी रूबरू होने का मौका मिला।

भारतीय दूतावास शवों को भारत लाने में कर रहा मदद

कनाडा में ट्रेनिंग के दौरान विमान क्रैश, दो भारतीय छात्रों की मौत

एजेंसी ▶▶ ओटावा

कनाडा में फ्लाइट ट्रेनिंग के दौरान एक दुखद हवाई दुर्घटना में 2 भारतीय छात्रों की मौत हो गई। घटना की पुष्टि कनाडा स्थित भारतीय दूतावास कंसुलेट जनरल ऑफ इंडिया वैंकूवर ने की है। घटना में जान गवांने वाले भारतीय छात्रों की पहचान तमिलनाडु के मनोज शिवकुमार और पुडुचेरी के श्रीसरन तिरुज्ञानसंबंधम के तौर पर हुई है।

विमान हादसे पर वैंकूवर स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने रविवार को शोक व्यक्त किया। दूतावास ने सोशल साइट एक्स पर पोस्ट कर लिखा, वैंकूवर स्थित

भारत का महावाणिज्य दूतावास तमिलनाडु के मनोज शिवकुमार और पुडुचेरी के श्रीसरण तिरुग्नानसंबंथम की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त करता है। दोनों भारतीय छात्रों की कनाडा में उड़ान प्रशिक्षण के दौरान हुए एक दुखद विमान हादसे में मौत हो गई। दूतावास ने आगे कहा इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं शोकसंतप्त परिवारों और उनके प्रियजनों के साथ है।

दुपहिया 2 का ट्रेलर जारी, सामाजिक मुश्किलों का कराता है सामना

नई दिल्ली। वेब सीरीज 'दुपहिया सीजन 2' का ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। 'धड़कपुर' गांव की आम सी परेशानियों को ट्रेलर में दिखाया गया है। ट्रेलर में दिग्गज और नई कास्ट साथ में अभिनय करती नजर आएगी। दुपहिया सीजन 2 का ट्रेलर आपको मनोरंजन के साथ कई सामाजिक मुश्किलों का सामना कराता है। यह ट्रेलर अंजान मोड़ों और उथल-पुथल से भरी कहानी की एक झलक पेश करता है, जो इस बार भी यहां के लोगों का पीछा छोड़ने वाली नहीं हैं। पिछले सीजन की तरह इस बार फिर बनवारी का परिवार किसी बड़ी मुसीबत में फंसने वाला है। दुपहिया सीजन 2 की कहानी में धड़कपुर गांव में बनवारी के बंजर जमीन में टॉवर लगना है।

लाइफ Style

जेनिफर विलियम संग की दूसरी बार शादी

जेनिफर विंगेट और विलियम इश्माइल ने यूके में एक प्राइवेट क्रिश्चियन वेडिंग के कुछ हफ्ते बाद गोवा में फिर से शादी की। साथ ही इस खास दिन का जश्न अपने करीबी दोस्तों के साथ मनाया।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जेनिफर विंगेट और विलियम इश्माइल ने यूके के बाद गोवा में क्रिश्चियन वेडिंग की है, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। फैंस को कपल के सेलिब्रेशन की कुछ खास झलक भी देखने को मिली, जो गोवा की थी। इस कपल ने जुलाई में यूके में एक छोटी सी सेरेमनी में शादी की थी और अपने दोस्तों को एक रंगीन सेलिब्रेशन का हिस्सा बना लिया, जिसमें टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री के कई जाने-पहचाने चेहरे शामिल थे। इस गैदरिंग के वीडियो और फोटो ऑनलाइन सामने आए हैं, जिसमें जेनिफर, करण वाही, रितेश देशमुख, जेनेलिया देशमुख, मंदिरा बेदी, शब्बीर अहलूवालिया और दूसरों के साथ सेलिब्रेशन का मजा लेते नजर आ रही है। जेनिफर विंगेट ने अपने सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की गोवा वेडिंग की, जो झलक शेयर की है। उसमें वह जेनिफर और विलियम एक-दूसरे पर जमकर प्यार लुटाते दिख रहे हैं। यह पार्टी यूके में जेनिफर विंगेट और विलियम इश्माइल की वेडिंग के दो महीने बाद हुई। मंदिरा बेदी ने गोवा में सेलिब्रेशन करवाया, जबकि हरलीन सेठी ने जश्न के दौरान गुलदस्ता पकड़ा। गोवा सेलिब्रेशन की तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन सामने आए हैं, जिसमें जेनिफर और विलियम अपने दोस्तों के साथ खूब मस्ती करते दिख रहे हैं।

हॉलीवुड मसाला

परिवार और दोस्तों ने छोड़ दिया अकेला

लॉस एंजिल्स। ब्रिटिश सिंगर एड शीरन हालिया फिलाडेल्फिया कॉन्सर्ट में फफक कर कई बार स्टेज पर ही रो पड़े। उन्होंने वहां पहुंचे 50 हजार फैंस से कहा कि ये दुनिया बहुत डरावनी जगह है। पिछले एक हफ्ते में उन्हें पता चला है कि असली रिश्ते क्या होते हैं। सिंगर ने कहा- परिवार और दोस्तों ने मुझे अकेला छोड़ दिया। परफॉर्मेंस के बीच में टेलीप्रॉम्प्टर से बयान पढ़ते हुए सिंगर को भावुक देख जहां फैंस की आंखें भी नम हो गईं, वहीं उन्होंने खुलासा किया कि उनके परिवार और दोस्तों ने भी उनका साथ छोड़ दिया है।

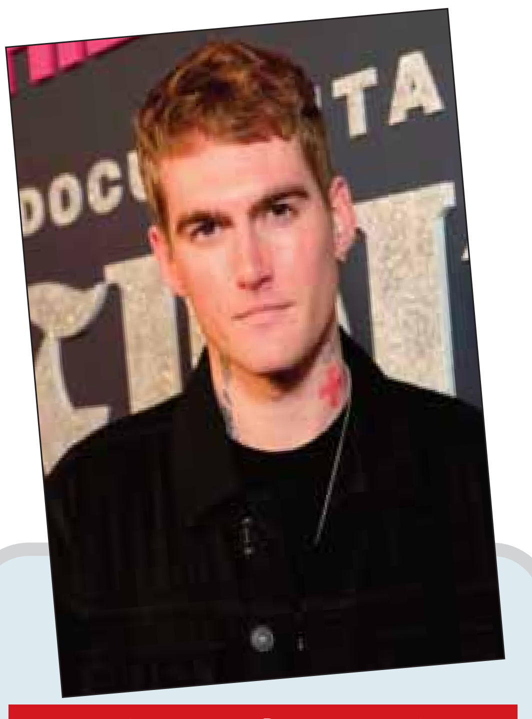

15 की उम्र में शुरू किया था मॉडलिंग कॅरियर

लॉस एंजिल्स। सुपरमॉडल सिंडी क्रॉफर्ड और बिजनेसमैन रैंडे गेरबर के बेटे प्रेस्ली गेरबर नहीं रहे। महज, 27 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। प्रेस्ली गेरबर का जन्म साल 1999 में कैलिफोर्निया के बेवर्ली हिल्स में हुआ था। 15 साल की उम्र में आईएमजी मॉडल्स के साथ साइन करने के बाद उन्होंने टीनएजर के तौर पर अपना मॉडलिंग कॅरियर शुरू किया। प्रेस्ली ने लॉस एंजिल्स में मोस्किनो शो से अपना रनवे डेब्यू किया था। इसके बाद मिलान में डोल्से एंड गब्बाना जैसे शो में भी हिस्सा लिया। उन्होंने केल्विन क्लाइन के एक कैंपेन में भी काम किया। अपनी छोटी बहन काइया के साथ काम करने वाले गेरबर ने हाल के वर्षों में मेंटल हेल्थ, अवसाद और नशीले पदार्थों की लत से जुड़ी अपनी मुश्किलों के बारे में खुलकर बात की थी।

'ये प्रेम मोल लिया' का टाइटल ट्रैक रिलीज

मुंबई। पारिवारिक फिल्में बनाने के लिए मशहूर सूरज बड़जात्या नई फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। उनकी आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' है। इसमें आयुष्मान खुराना और शरवरी लीड रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म 27 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सूरज की फिल्मों में परिवार, परंपरा और इमोशंस होते हैं। नई फिल्म में भी दर्शक ऐसी उम्मीद कर सकते हैं। फिलहाल इसका टाइटल ट्रैक रिलीज हो गया है और इसने महफिल लूट ली है। 'ये प्रेम मोल लिया' के टाइटल ट्रैक में भव्य शादी दिखाई गई है। शादी की रस्मों और परिवार के प्यार ने इसमें चार चांद लगा दिए हैं। दूसरी, तरफ इसमें रीति-रिवाजों की भी वाइब है। गाने में त्योहार के पलों की झलक दिखाई गई है। शरवरी और आयुष्मान खुराना को छठ पर्व मनाते दिखाया गया है।

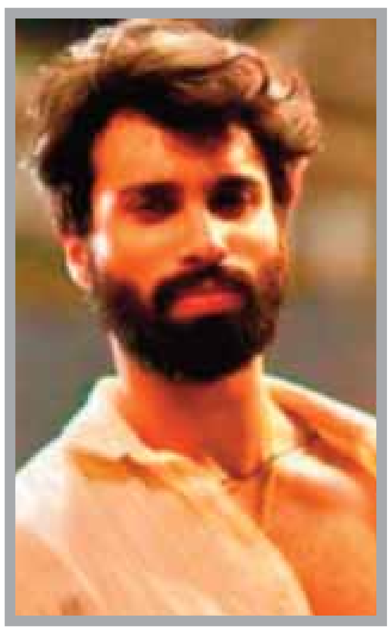

द मॉन्स्टर माइंड्स से होगा डेब्यू...

नई दिल्ली। बिहार की राजधानी पटना के रहने वाले आदित्य सिंह सुदर्शन अब फिल्मी दुनिया में अपनी नई पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। आध्यात्मिक और सामाजिक परिवार से ताल्लुक रखने वाले आदित्य फिल्म 'द मॉन्स्टर माइंड्स' से बतौर लीड हीरो एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। उनके दादा आचार्य सुदर्शन जी महाराज हैं। वहीं, आदित्य के पिता पूर्व राज्यमंत्री अमिताभ गुंजन चुन्नू हैं। आदित्य एक्टिंग की दुनिया में अपनी पहली पारी शुरू करने जा रहे हैं। फिल्म 'द मॉन्स्टर माइंड्स' मोशन पल्स के बैनर तले बनी है। यह साइकोलॉजिकल सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म है। इसमें दर्शकों को रहस्य, रोमांच, एक्शन और कई ऐसे विजुअल्स देखने को मिलेंगे, जो कहानी को और खास बनाने वाले हैं। आदित्य की पहचान सिर्फ उनके परिवार की वजह से नहीं है।

टीवी मसाला

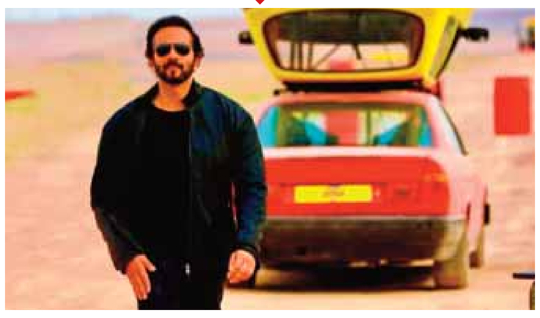

खतरों के खिलाड़ी 15 के सेमी फिनाले की डेट का ऐलान

नई दिल्ली। रोहित शेट्टी ने 'खतरों के खिलाड़ी 15' के सेमी फाइनल की तारीख का ऐलान कर दिया है। 'खतरों के खिलाड़ी 15' का सेमी फिनाले अगले हफ्ते 26 और 27 सितंबर होगा। सेमी फाइनल सभी आठ कंटेस्टेंट के लिए एक अहम पड़ाव होगा, क्योंकि मुकाबले में सिर्फ पांच कंटेस्टेंट ही आगे बढ़ पाएंगे। आने वाले चैलेंज में उनकी हिम्मत, ताकत, सहनशक्ति और दबाव में शांत रहने की क्षमता की परीक्षा होगी। टॉप 5 में जगह बनाने के बाद फाइनलिस्ट ग्रैंड फिनाले में ट्रॉफी के लिए मुकाबला करेंगे। 'खतरों के खिलाड़ी 15' की ट्रॉफी जीतने के लिए 5 टॉप फाइनलिस्ट में कड़ा मुकाबला होगा, जिसके बाद रोहित शेट्टी अपने शो के विनर का खुलासा करेंगे। सेमी फिनाले में दर्शक जबरदस्त एक्शन, चौंकाने वाले ट्विस्ट और इमोशनल पलों की उम्मीद कर सकते हैं, क्योंकि कंटेस्टेंट फाइनल रेस में अपनी जगह बनाने के लिए मुकाबला करेंगे। रोहित शेट्टी के सबसे पॉपुलर टीवी शो में अब 8 कंटेस्टेंट्स करण वाही, रुबीना दिलैक, ऋत्विक धनजानी, अविनाश मिश्रा, हर्ष गुजराल, फराना भट्ट, ओरी और रूहानिका धवन में जंग होगी। इनमें से कोई 5 ही 'खतरों के खिलाड़ी 15' के फिनाले की रेस में शामिल होंगे। शो से विशाल आदित्य सिंह, गौरव खन्ना, शगुन शर्मा, अविका गौर और जैस्मीन भसीन बाहर हो चुके हैं। खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 के 'रिवेंज वीक' ने खूब सुर्खियां बटोरीं, क्योंकि इसमें कंटेस्टेंट्स ने कई तरह के स्टंट किए। ऊंचाई वाले चैलेंज से लेकर इलेक्ट्रिक स्टंट तक, सेलिब्रिटीज ने केप टाउन में टास्क करते हुए अपना डेयरडेविल अंदाज दिखाया।

'बिग बॉस 20' से रोहेद का सफर खत्म

नई दिल्ली। 'बिग बॉस 20' में रोहेद खान का सफर खत्म हो गया है। ऑस्ट्रियाई-अफगान एक्टर को रविवार, 20 सितंबर को 'वीकेंड का वार' एपिसोड के दौरान सलमान खान के रियलिटी शो से बाहर कर दिया गया। वे बिग बॉस सीजन 20 से बाहर होने वाले पहले कंटेस्टेंट बन गए। रोहेद खान को आसिफ खान और तन्मय सिंह के साथ एलिमिनेशन के लिए नॉमिनेट किया गया था। इन तीनों को पब्लिक वोट का सामना करना पड़ा था, क्योंकि कैप्टन यंग डीएसए के साथ मिलकर नॉमिनेशन की रणनीतियों पर चर्चा करके घर के नियम का उल्लंघन करने का आरोप उन पर लगा था। यंग डीएसए अपनी कप्तानी की वजह से नॉमिनेशन से बच गए थे। नॉमिनेट हुए तीन कंटेस्टेंट में से रोहेद को सबसे कम वोट मिले और इसके बाद उन्हें शो से बाहर कर दिया गया। रोहेद खान के बाहर होने की एक वजह इस सीजन का 'एक्स्ट्रा जीवनदान' ट्विस्ट भी रहा। कप्तानी के एक टास्क के दौरान कनिका मान ने रोहेद की एक 'लाइफलाइन' छीन ली, जिससे भविष्य में एलिमिनेशन से बचने के लिए उनके पास एक मौका कम हो गया।

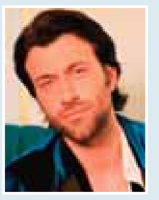

स्पाई मास्टर की कहानी पर्दे पर उतारेंगे करण

मुंबई। 21 सितंबर 1968 को भारत की बाहरी खुफिया एजेंसी, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) की स्थापना की गई थी। 'रॉ' के सफर को 58 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस खुफिया एजेंसी की स्थापना महान जासूस रामेश्वर नाथ काव (आर एन काव) ने की थी। उन पर फिल्म का एलान किया गया है। यह फिल्म करण जौहर बनाएंगे। करण जौहर ने सोमवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट साझा करते हुए भारत की बाहरी खुफिया एजेंसी रॉ के संस्थापक रामेश्वर नाथ काव पर आधारित फिल्म का ऐलान किया है। यह फिल्म साल 2028 में अगस्त में रिलीज होगी। करण जौहर ने लिखा है, 'काव ने पर्दे के पीछे रहकर काम किया और उस संस्था को दुनिया के सामने लाए जिसे आज हम रॉ के नाम से जानते हैं'। करण जौहर ने बताया कि उनकी यह फिल्म नितिन गोखले की किताब 'जेंटलमैन स्पाईमास्टर' पर आधारित है। यह फिल्म 11 अगस्त, 2028 को बड़े पर्दे पर आएगी। भारत के महान जासूस रामेश्वर नाथ काव का जन्म 10 मई, 1918 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में हुआ था। भारत के आजाद होने के समय काव ने खुफिया एजेंसी की दुनिया में कदम रखा था। 1947 में उनकी इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) में नियुक्ति हुई थी और उनका प्रशिक्षण लीजेंडरी भोला नाथ मुल्लिक की निगरानी में हुआ था। उन्होंने कुछ बहुत से अहम मामलों पर काम किया। इसमें 1950 के मध्य में कश्मीर प्रिंसेस मामले की जांच और 1971 में बांग्लादेश की मुक्ति में योगदान शामिल है।

टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में बजा 'अंग' का डंका ऑस्कर 2027 के लिए हुई क्वालीफाई

मुंबई। नागालैंड की पृष्ठभूमि पर बनी भारतीय फिल्म 'अंग' ने टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2026 में बड़ा सम्मान हासिल किया है। नागालैंड के निर्देशक तेजा रियो की इस फिल्म ने 'प्लेटफॉर्म प्राइज' अपने नाम किया है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि इस अवॉर्ड के साथ फिल्म ने 2027 के ऑस्कर अवॉर्ड्स की 'बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म' कैटेगरी में सीधे जगह बना ली है। टीआईएफएफ की जूरी ने 'अंग' को उसके नए नजरिए, शानदार सिनेमैटोग्राफी और एक अनोखी दुनिया को गहराई और खूबसूरती से पर्दे पर उतारने के लिए प्लेटफॉर्म प्राइज दिया है। जूरी ने फिल्म के निर्देशक तेजा रियो की सोच, हिम्मत और साहस की भी तारीफ की।

ऑस्कर में कैसे मिली सीधे एंट्री?

इस साल से टीआईएफएफ का प्लेटफॉर्म प्राइज उन चुनिंदा फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स में शामिल हो गया है, जिन्हें जीतने वाली फिल्मों को ऑस्कर की इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में सीधी एंट्री मिलती है।

क्या है अंग की कहानी?

अंग की कहानी 1960 के दशक के नागालैंड की है, जहां एक पिता और उसका बेटा अपनी जिंदगी जी रहे हैं। कहानी में एक मिशनरी के आने के बाद बेटे का उनके रहन-सहन और तौर-तरीकों से प्रभावित होना दिखाया गया है। इसके साथ ही फिल्म धर्म परिवर्तन के दौर में नागा समाज और उसकी संस्कृति में आए बदलावों को भी सामने लाती है। फिल्म यह दिखाती है कि कैसे उस समय स्थानीय परंपराओं और संस्कृति को पिछड़ा मानकर देखने की सोच बढ़ने लगी थी।

कोन्याक भाषा में बनी है फिल्म

अंग की सबसे खास बात इसकी भाषा है। फिल्म लगभग पूरी तरह कोन्याक भाषा में शूट की गई है। कोन्याक नागालैंड के कोन्याक समुदाय की प्रमुख भाषाओं में से एक है और भारतीय सिनेमा में इस भाषा का इस्तेमाल बेहद कम देखने को मिलता है।

शॉर्ट फिल्म से बनी फीचर फिल्म

तेजा रियो ने साल 2021 में एक शॉर्ट फिल्म बनाई थी 'अंग'। उसकी शॉर्ट फिल्म के आधार पर उन्होंने 'अंग' नाम की फीचर फिल्म बनाई। बता दें, उनकी शॉर्ट फिल्म को क्लेरमोंट-फेरैंड इंटरनेशनल शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल में स्पेशल जूरी अवॉर्ड मिला था।

इस हफ्ते ओटीटी पर दस्तक देंगी ये फिल्में और सीरीज

इंसाफ मांगेंगी अनीत, बच्चे की खोज में निकलेंगी परिणीति

नई दिल्ली। जो दर्शक किसी वजह से सिनेमाघरों तक नहीं जा पाते, उनके लिए इस हफ्ते ओटीटी पर बहुत कुछ खास है। इस हफ्ते कई फिल्में सिनेमाघरों के बजाय सीधे ओटीटी पर रिलीज होने वाली हैं। ओटीटी के लिहाज से आने वाला हफ्ता बहुत शानदार होने वाला है। इस हफ्ते कई बेहतरीन फिल्में और सीरीज ओटीटी पर दस्तक देने वाली हैं। यही नहीं रियलिटी शो भी ओटीटी पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। इस हफ्ते जो फिल्में और सीरीज रिलीज होने वाली हैं, उनमें बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों शामिल हैं।

हुंकार

अनीत पड्डा और फातिमा सना शेख की अदाकारी से सजी वेब सीरीज 'हुंकार' इस हफ्ते रिलीज होने वाली है। यह कोर्टरूम ड्रामा एक टीनएजर लड़की के इर्द-गिर्द घूमता है, जो एक मशहूर आध्यात्मिक गुरु पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाती है। यह 25 सितंबर को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

शकः ट्रस्ट नो वन

परिणीति चोपड़ा 'शकः ट्रस्ट नो वन' से ओटीटी में डेब्यू कर रही हैं। रेनसिल डी'सिल्वा के निर्देशन में बनी इस सीरीज की कहानी एक मां की अपने खोए हुए बच्चे की 9 साल की खोज के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें सोनी राजदान, अनूप सोनी और जेनिफर विंगेट भी होंगे। यह 24 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

डोंट बी शाय

आलिया भट्ट के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'डोंट बी शाय' 25 सितंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है। इसमें ऐसी लड़की की कहानी है, जिसे लगता है कि उसने अपनी जिंदगी को पूरी तरह समझ लिया है। मगर उसकी प्लान की गई जिंदगी में अचानक एक मोड़ आता है और सब कुछ उसके कंट्रोल से बाहर होने लगता है।

राइज एंड फॉल 2

रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' का सीजन 2 ओटीटी पर आ रहा है। इस नए सीजन के होस्ट पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग हैं। खबरों के मुताबिक इसमें स्वरा भास्कर, करण पटेल, प्रियंका चहर चौधरी और शहजाद पूनावाला हिस्सा ले सकते हैं। इसे अमेजन प्राइम वीडियो और एमएक्स प्लेयर पर 26 सितंबर 26 से देखा जा सकता है।

मिनर्वा एकेडमी

वेब सीरीज 'मिनर्वा एकेडमी' 22 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। इसकी कहानी एक ऐसे स्कूल के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां बहुत सख्त शासन है। बच्चे प्रतिस्पर्धा करते हुए दबाव में पढ़ाई करते हैं। कहानी में मोड़ तब आता है जब एक बच्चा अपने लापता हुए दोस्त को ढूंढने के लिए हदें पार करता है।

हैबियस कॉर्पस

लीगल ड्रामा वेब सीरीज 'हैबियस कॉर्पस' 23 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली है। सीरीज की कहानी कानून के एक प्रोफेसर पर आधारित है। वह छात्रों के साथ मिलकर एक ऐसे शख्स को निर्दोश साबित करने का जिम्मा उठाते हैं, जो सजा काट रहा है। सीरीज में कई चौंकाने वाले मोड़ आते हैं।

द फाइनल प्रॉब्लम

इस हफ्ते नेटफ्लिक पर मर्डर मिस्ट्री सीरीज 'द फाइनल प्रॉब्लम' रिलीज हो रही है। सीरीज की कहानी एक ऐसे शख्स पर आधारित है जो पर्दे पर जासूज का रोल प्ले कर चुका है। कहानी में मोड़ तब आता है, जब एक होटल में एक मर्डर हो जाता है। वहां पुलिस नहीं होती है। ऐसे में शख्स अपना रील लाइफ वाला टैलेंट इस्तेमाल करता है।

ये फिल्में भी होंगी रिलीज : हॉरर थ्रिलर फिल्म 'हाउस एट द एंड ऑफ द स्ट्रीट' 24 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है।

अवमानना नोटिस के बाद भी कोर्ट में जवाब पेश न करने पर बरती सख्ती

हाई कोर्ट ने एसपी छिंदवाड़ा के खिलाफ जारी किया गैर-जमानती वारंट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अवमानना प्रकरण में छिंदवाड़ा के पुलिस अधीक्षक अजय पांडे के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है।आदेश के पालन की रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करने और नोटिस मिलने के बावजूद न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होने पर यह कदम उठाया गया है।जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच ने एसपी को एक अक्टूबर 2026 को हाईकोर्ट के समक्ष पेश कराने के निर्देश दिए हैं। वारंट की तामी आइजी पुलिस, जबलपुर के माध्यम से कराने को कहा गया है।

यह मामला सुहागी जबलपुर निवासी सीता तिवारी की अवमानना याचिका से संबंधित है। उनकी ओर दलील गई दी कि अवमानना याचिकाकर्ता के पति संतोष पांडे छिंदवाड़ा में पुलिस कर्मी थे। सेवानिवृत्ति उपरांत उनका निधन हो गया। इसके बावजूद दो लाख 24 हजार की रिकवरी निकाली गई। जिसके विरुद्ध हाई कोर्ट से राहतकारी आदेश पारित हो गया। लेकिन विभाग ने पालन नहीं किया। इसीलिए अवमानना याचिका दायर की गई है। कोर्ट ने कहा कि छह नवंबर 2025 को अवमानना नोटिस जारी किए जाने के बावजूद अब तक आदेश के पालन की रिपोर्ट पेश नहीं की गई। रिकार्ड के अनुसार एसपी छिंदवाड़ा ने 11 फरवरी 2026 को गृह विभाग के अवर सचिव को पत्र लिखकर अवमानना याचिका का नोटिस प्राप्त होने तथा आवश्यक मंजूरी के लिए विभाग को पत्र भेजे जाने की जानकारी दी थी। हाई कोर्ट ने कहा कि इससे स्पष्ट है कि एसपी और संबंधित अधिकारी अवमानना प्रकरण के लंबित होने से परिचित थे। इसके बावजूद रजिस्ट्रार को केवल नोटिस प्राप्त होने की सूचना देना पर्याप्त समझा गया। न अधिवक्ता नियुक्त किया गया और न ही पालन रिपोर्ट पेश की गई। कोर्ट ने अधिकारियों के रवैये को अत्यंत निंदनीय बताते हुए कहा कि यह आदेश का पालन नहीं करने और अवमानना नोटिस के बावजूद न्यायालय में उपस्थित नहीं होने की हठधर्मिता दर्शाता है। परिस्थितियों से ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकारी ने जानबूझकर अवमानना क्षेत्राधिकार से बचने का प्रयास किया। इन्हीं आधारों पर गैर-जमानती वारंट जारी किया गया।

विवाह का झांसा देकर दुष्कर्म व मारपीट के आरोपी को जमानत नहीं

जबलपुर। विवाह का झांसा देकर युवती को अपने साथ ले जाकर दुष्कर्म और मारपीट करने के आरोपी जबलपुर निवासी आकाश काछी को कोर्ट से राहत नहीं मिली। अपर सत्र न्यायाधीश की कोर्ट ने आरोपी का नियमित जमानत आवेदन निरस्त कर दिया। अभियोजन के अनुसार अधारताल थाने में दर्ज प्रकरण में आरोपित ने पीड़िता को विवाह का झांसा देकर अपने साथ ले गया और सुहागी व हरियाणा में रखकर उसका शारीरिक शोषण व मारपीट की। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 व 351(3) के तहत अपराध दर्ज है। जमानत आवेदन का पीड़िता की ओर से अधिवक्ता विवेक तिवारी ने विरोध किया। उन्होंने अपराध की गंभीरता, विवेचना लंबित होने व पीड़िता और उसके स्वजनों को प्रभावित किए जाने की आशंका बताई। बचाव पक्ष ने आरोपी के पूर्व विवाह संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किए। कोर्ट ने कहा कि दस्तावेजों की प्रामाणिकता और उनका प्रभाव विचारण के दौरान साक्ष्यों के आधार पर तय होगा। प्रकरण की परिस्थितियों और साक्षियों को प्रभावित किए जाने की आशंका को देखते हुए कोर्ट ने जमानत आवेदन निरस्त कर दिया।

चीफ जस्टिस ने हाईकोर्ट बार में किया भगवान गणपति का पूजन

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट बार एसोसिएशन परिसर में प्रतिष्ठापित भगवान गणपति की नीलाभ प्रतिमा के समक्ष सोमवार को आस्था और न्याय की भावना का सुंदर संगम देखने को मिला। चीफ जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे व जस्टिस विवेक जैन ने भगवान गणपति का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर महाआरती की। इस अवसर पर चीफ जस्टिस ने अधिवक्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनके निराकरण के लिए विचार करने का आश्वासन दिया। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष मृगेन्द्र सिंह, सचिव असीम त्रिवेदी, उपाध्यक्ष सत्येन्द्र ज्योतिषी, कार्यकारिणी सदस्य वरुण दुबे और अभिजीत सोनी ने ऋग्वेद में वर्णित भगवान गणपति की आराधना के विशेष मंत्रों से अभिमंत्रित श्रीफल और शाल भेंट कर चीफ जस्टिस का अभिनंदन किया। जस्टिस विवेक जैन का वरिष्ठ उपाध्यक्ष विश्वास पलिया, महिला उपाध्यक्ष अनुराधा चौबे, सहसचिव रूपेश पटेल, लाइब्रेरी सचिव अजय शुक्ला और कार्यकारिणी सदस्य अतुल द्विवेदी ने स्वागत किया। महिला कार्यकारिणी की कोषाध्यक्ष सुशीला पालीवाल, विभा पाठक, शांति तिवारी और आरती शर्मा ने अतिथियों की अगवानी की। बार सचिव असीम त्रिवेदी ने स्वागत संबोधन में कहा कि मां नर्मदा के पावन तट पर चीफ जस्टिस का स्वागत करना बार के लिए गौरव का अवसर है। महाआरती के दीपों का प्रकाश न्याय, आस्था और लोकमंगल की भावना का प्रतीक है। अध्यक्ष मृगेन्द्र सिंह ने मुख्य न्यायमूर्ति को सहज, सरल और आत्मीय व्यक्तित्व का धनी बताते हुए कहा कि वे न्याय व्यवस्था को सुचारू बनाने के प्रति संवेदनशील हैं। कार्यक्रम के अंत में उपाध्यक्ष सत्येन्द्र ज्योतिषी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार जनरल और हाईकोर्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन के सचिव निखिल तिवारी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता शामिल रहे।

करमेता की जर्जर सड़क के निर्माण की मांग

जबलपुर। वार्ड क्रमांक 73 के करमेता क्षेत्र स्थित रेवा नगर में करीब 100 मीटर सड़क का निर्माण अधूरा पड़ा है। जर्जर एवं अधूरी सड़क के कारण क्षेत्रवासियों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों के अनुसार सड़क की खराब स्थिति के चलते आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। बारिश के दौरान सड़क पर कीचड़ एवं जलभराव होने से स्थिति और गंभीर हो जाती है। इससे पैदल राहगीरों के साथ वाहन चालकों को भी परेशानी होती है। क्षेत्रवासियों ने नगर निगम प्रशासन से जनहित में सड़क का शीघ्र निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की है, ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगने के साथ रहवासियों को आवागमन में राहत मिल सके। मांग करने वालों में बृजेश यादव, अमय पटेल, एम.एल. पटेल, त्रिलोक सिंह, संदीप पटेल, राजेश अहिरवार, मोहित, विपिन यादव एवं समर सिंह लोधी सहित क्षेत्र के अन्य रहवासी शामिल हैं।

हत्या के मामले में बहुजन चेतना विकास मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का नाम, 2012 में दर्ज हुआ था प्रकरण

शहपुरा। बहुजन चेतना विकास मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम झरिया के खिलाफ वर्ष 2012 में हत्या के आरोप से जुड़ा प्रकरण दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार शहपुरा थाने में अपराध क्रमांक 214/12 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और 34 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। प्रकरण में राधेश्याम झरिया का नाम आरोपी के रूप में दर्ज है। पुलिस अभिलेखों के मुताबिक मामले की विवेचना के बाद आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया था। प्रकरण में झरिया के अलावा अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया था। हालांकि, इस मामले की वर्तमान न्यायालयीन स्थिति क्या है, इसकी स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।

प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर उठे सवाल

राधेश्याम झरिया के प्रदेश अध्यक्ष पद पर होने के बीच वर्ष 2012 के इस आपराधिक प्रकरण की जानकारी सामने आने के बाद पार्टी के संगठनात्मक स्तर पर सवाल उठ रहे हैं। राजनीतिक दलों में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति से पहले पदाधिकारी के आपराधिक रिकॉर्ड और न्यायालयीन मामलों की जानकारी की जांच को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

अब पार्टी नेतृत्व से यह स्पष्ट किए जाने की अपेक्षा है कि प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के समय उनके खिलाफ लंबित अथवा पूर्व में दर्ज आपराधिक मामलों की जानकारी संगठन के संज्ञान में थी या नहीं। साथ ही, संबंधित प्रकरण में वर्तमान में न्यायालयीन स्थिति क्या है, यह भी स्पष्ट होना बाकी है।

प्रजापति समाज की महापंचायत में नये पदाधिकारी चुने गए

जबलपुर। प्रजापति समाज की महापंचायत में समाज को एकजुट और संगठित करने लालमाटी गोपाल होटल सिंधी धर्मशाला जबलपुर में भव्य आयोजन किया गया। इस महापंचायत में जबलपुर सहित आसपास के कई जिलों- उमरिया, सिवनी, नरसिंहपुर, पिपरिया, इटारसी, गोटेगांव, गढ़ा, गुप्तेश्वर, परसवारा, पनागर आदि से सदस्य उपस्थित हुए। महापंचायत में प्रजापति समाज के नये पदाधिकारियों का चुनाव किया गया, जिनमें प्रकाश प्रजापति (चौधरी), पुरुषोत्तम प्रजापति बाबू, सरपंच नेमचंद प्रजापति कोषाध्यक्ष सर्वसम्मति से चुने गए। अंत में आभार प्रदर्शन सोनी मास्टर ने किया।

गौरीघाट के साहसी माझी नाविकों, गोताखोरों को किया सम्मानित

जबलपुर। नर्मदा नदी में बरगी डेम से पानी छोड़े जाने के बाद जलस्तर बढ़ने से जबलपुर के कई घाट जलमग्न हो गए थे, इसी दौरान होमगार्ड की एक टीम बोट ने निगरानी एवं चेकिंग कर रही थी, जो बोट पलटने से उसमें सवार जवान पानी में फंस गए। ऐसे कठिन समय में माझी समाज के साहसी नाविकों एवं गोताखोर युवाओं ने अदम्य साहस और मानवता का परिचय दिया। इस युवाओं ने लगभग आधा किलोमीटर तैरकर राहत कार्य में भाग लिया और पानी में फंसे होमगार्ड जवानों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की। लेकिन इन जाबांज बहादुरों को आज तक किसी भी राजनीतिक दल, जनप्रतिनिधि, न ही प्रशासनिक अधिकारियों ने सम्मानित किया, जिससे निषाद वंशीय समाज ने शासन, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी जताई है। इसी साहस और सेवा भावना को सम्मानित करने आपका गणतंत्र पार्टी, मप्र द्वारा रविवार को गौरीघाट जबलपुर में सम्मान कार्यक्रम आयोजित कर जगदीश बर्मन, अशोक बर्मन, लालू बर्मन, बिशन बर्मन, श्याम बर्मन, साहिल बर्मन, मनोज बर्मन, बड्डु बर्मन, अनिल बर्मन तथा विशेष सम्मान राजा बर्मन का किया गया। कार्यक्रम में हेतराम बर्मन, जितेन्द्र माझी, गिरिजाशंकर केवट लल्ला भैया, विष्णु बर्मन, गुल्ला ढीमर, कटनी से प्रकाश बर्मन, गौरीघाट नाविक संघ अध्यक्ष किशन मल्लाह, महिला अध्यक्ष सविता केवट, सीता रायकवार, गंगा सोंधिया, नम्रता रायकवार सहित अन्य उपस्थित रहे।

सही जानकारी, समय पर मार्गदर्शन और परिवार की स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रखकर शुरू हुई पहल

घर-घर तक पहुंचेगी स्वास्थ्य सलाह 'घर आरोग्यम कार्यक्रम' का शुभारंभ

जबलपुर। स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी, समय पर उचित सलाह और परिवार की स्वास्थ्य जरूरतों के लिए भरोसेमंद मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'घर आरोग्यम कार्यक्रम' की शुरुआत सोमवार को ग्रैंड समदरिया होटल में की गई। अभिषेक बेहरे एवं प्रिया बेहरे द्वारा शुरू किए गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को केवल बीमारी के समय अस्पताल पहुंचने तक सीमित न रखते हुए रोजमर्रा की स्वास्थ्य जरूरतों के लिए भी लोगों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम के तहत फोन के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न जरूरतों में सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इसमें 'सारथी' के माध्यम से स्वास्थ्य परामर्श एवं मार्गदर्शन, दवाओं और सरल प्रिस्क्रिप्शन को समझने में सहायता तथा 'पोषण' के माध्यम से खान-पान और पोषण संबंधी सलाह शामिल है।

मानसिक स्वास्थ्य को भी कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। 'उमंग' के अंतर्गत क्लिनिकल काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। वहीं 'स्मृति' सुविधा के माध्यम से बुजुर्गों और नियमित दवा लेने वाले लोगों को अपनों की आवाज में दवा लेने की याद दिलाने की व्यवस्था की गई है।

कार्यक्रम में 'सखा' नाम से Panic Button जैसी सुविधा भी शामिल की गई है। इसका उद्देश्य जरूरत के समय संबंधित लोगों तक तत्काल सूचना पहुंचाने में सहायता करना है। आयोजकों के अनुसार यह सुविधा विशेष रूप से उन परिवारों के लिए उपयोगी हो सकती है, जिनके बुजुर्ग सदस्य अकेले रहते हैं या जिनकी स्वास्थ्य जरूरतों पर दूर रहकर निगरानी रखनी पड़ती है।

दूर रहकर भी माता-पिता के स्वास्थ्य से जुड़ाव

'घर आरोग्यम कार्यक्रम' का एक प्रमुख उद्देश्य परिवार के सदस्यों के बीच स्वास्थ्य संबंधी सहयोग को मजबूत करना है। इसके माध्यम से दूर रहने वाले बच्चे भी अपने माता-पिता की स्वास्थ्य जरूरतों से जुड़े रह सकेंगे और आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त करने में उनकी मदद कर सकेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत फिलहाल जबलपुर, कटनी, रीवा और सतना से की जा रही है। इसके बाद इसे देश के अन्य हिस्सों तक विस्तार देने की दिशा में काम किया जाएगा। पहल का फोकस विशेष रूप से छोटे और मध्यम शहरों के परिवारों तक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और मार्गदर्शन को सहज तरीके से पहुंचाने पर है।

स्वास्थ्य और तकनीक का समन्वय

'घर आरोग्यम कार्यक्रम' को आगे बढ़ाने में 11T1 DRISHTI (इंदौर) का फंडिंग पार्टनर के रूप में सहयोग प्राप्त होने की जानकारी दी गई। आयोजकों के अनुसार स्वास्थ्य और तकनीक के समन्वय से इस पहल को अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

संस्थापकों ने कहा

कार्यक्रम के संस्थापक अभिषेक बेहरे एवं प्रिया बेहरे ने कहा कि स्वास्थ्य केवल बीमारी के समय इलाज कराने तक सीमित विषय नहीं है। सही समय पर सही जानकारी, उचित सलाह और परिवार का सहयोग भी स्वास्थ्य देखभाल का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी सोच के साथ 'घर आरोग्यम कार्यक्रम' शुरू किया गया है, ताकि स्वास्थ्य संबंधी सही सलाह और मार्गदर्शन लोगों को उनके घर से ही उपलब्ध हो सके।

बेजुबानों की सुरक्षा के लिए युवाओं की अनूठी पहल, दो माह में एक सैकड़ा से ज्यादा गोवंश को पहनाए रिफ्लेक्टिव पट्टे

चार दोस्तों से शुरू हुआ कारवां 40 युवाओं तक पहुंचा

अनुरोध पटेरिया

जबलपुर। सड़क पर अचानक सामने आई काली गाय से टकराते-टकराते बची गाड़ी और फिर मन में उठे सवाल ने चार युवाओं को ऐसी पहल के लिए प्रेरित किया, जिसका कारवां अब बढ़ता जा रहा है। बीकॉम छात्र देवांशु पटेरिया ने साथियों समर्थ, आर्यन, प्रिंस,ऋषभ और लावण्या के साथ मिलकर सड़क पर घूमने वाले गोवंश को हादसों से बचाने के लिए रिफ्लेक्टिव पट्टे पहनाने का अभियान शुरू किया। दो महीने पहले शुरू हुई यह मुहिम अब करीब 40 युवाओं तक पहुंच चुकी है और एक सैकड़ा से ज्यादा गायों-बैलों के गले में रात में चमकने वाले पट्टे लगाए जा चुके हैं।

देवांशु के सामने जब सड़क पर अचानक काली गाय आई तो दुर्घटना होते-होते बची। घटना के बाद उन्होंने दोस्तों से चर्चा की कि रात के समय सड़क पर बैठे या घूमते पशु वाहन चालकों को दिखाई नहीं देते। ऐसे में यदि उनके गले में रिफ्लेक्टिव पट्टा हो तो वाहन की हेडलाइट पड़ते ही वह चमक उठेगा और चालक को दूर से ही पशु की मौजूदगी का पता चल सकेगा। विचार सभी को पसंद आया और दोस्तों ने अपने जेब खर्च से पट्टे खरीदकर अभियान शुरू कर दिया।

चार से चालीस हुए साथी

शुरुआत में चार-पांच दोस्त ही रात में सड़कों पर निकलते थे। कॉलेज के साथियों और सोशल मीडिया पर पहल की जानकारी पहुंची तो दूसरे युवा भी जुड़ने लगे। अब करीब 40 बच्चे और युवा अलग-अलग क्षेत्रों में अभियान का हिस्सा बन चुके हैं। कोई अपने स्तर पर रिफ्लेक्टिव पट्टे खरीदकर देता है तो कोई इन्हें गोवंश को पहनाने के लिए टीम के साथ निकलता है। इसी सामूहिक प्रयास को 'जीवसाथी' नाम दिया गया है।

पांच समूह, शहर के अलग-अलग हिस्से

अभियान को शहर के अधिक से अधिक हिस्सों तक पहुंचाने के लिए युवाओं ने पांच समूह बनाए हैं। अधारताल में प्रिंस, तिलहरी में आर्यन, दीनदयाल क्षेत्र में समर्थ, सिविल लाइन में देवांशु पतेरिया और सदर क्षेत्र में लावण्या अपने-अपने साथियों के साथ अभियान की कमान संभाल रहे हैं। इससे एक ही समय में शहर के अलग-अलग हिस्सों में गोवंश को पट्टे पहनाए जा रहे हैं।

कोहरे में भी दिखेगा गोवंश

आने वाले ठंड और कोहरे के मौसम को देखते हुए युवाओं ने इस अभियान को और महत्वपूर्ण माना है। रात में कम दृश्यता के कारण सड़क पर बैठे या घूमते पशु वाहन चालकों को देर से दिखाई देते हैं। रिफ्लेक्टिव पट्टे हेडलाइट पड़ने पर चमकेंगे, जिससे वाहन चालक को पशु की मौजूदगी का पहले पता चल सकेगा और वह वाहन की गति नियंत्रित कर सकेगा।

हर महीने चलेगा अभियान

युवाओं ने तय किया है कि यह पहल केवल एक बार तक सीमित नहीं रहेगी। हर महीने अभियान चलाया जाएगा और हर बार नए युवाओं को इससे जोड़ने का प्रयास होगा। इंस्टाग्राम के माध्यम से भी लोगों को इस मुहिम से जोड़ने और पशु सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। चार दोस्तों से शुरू हुई यह छोटी-सी पहल अब शहर के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंच रही है। युवाओं का कहना है कि सड़क पर सुरक्षा केवल इंसानों की नहीं, बल्कि उन बेजुबान पशुओं की भी जिम्मेदारी है, जो अपनी सुरक्षा के लिए खुद कुछ नहीं कर सकते।

इनका संदेश

"सड़क पर सुरक्षित इंसान के साथ बेजुबान पशु भी सुरक्षित रहें, यही हमारी जिम्मेदारी है।"

चार से चालीस

- 4 युवाओं से हुई शुरुआत
- 40 तक पहुंचा कारवां
- 100+ गोवंश को लगाए रिफ्लेक्टिव पट्टे
- 5 समूहों में बांटकर शहर में अभियान
- हर माह दोहराने का संकल्प
- 'जीवसाथी' नाम से युवाओं की पहल

कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

जनसेवा अभियानों, स्वास्थ्य, छात्रावास, गौशाला और सीएम हेल्पलाइन की हुई समीक्षा

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर सभाकक्ष में समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में अपर कलेक्टर नीता राठौर, शैलेंद्र सिंह, अखिलेश सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान और सेवा से संकल्प अभियान की गतिविधियों की जानकारी लेते हुए संवाद संपर्क केंद्र पोर्टल पर फोटो, वीडियो और कार्यक्रमों की प्रविष्टियां नियमित रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनसेवा और शासकीय योजनाओं से लाभान्वित लोगों की प्रेरक कहानियां तैयार करने को कहा। बैठक में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता तथा विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में प्रस्तावित गतिविधियों की भी समीक्षा हुई। कलेक्टर ने इसके लिए गतिविधि कैलेंडर तैयार करने के निर्देश दिए। वन ग्राम और राजस्व ग्राम से जुड़े मामलों का नियमानुसार परीक्षण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की कार्ययोजना और प्रगति रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत करने को भी कहा।

छात्रावासों की व्यवस्थाओं पर विशेष निगरानी

कलेक्टर ने छात्रावासों में विद्यार्थियों की उपस्थिति, भोजन की गुणवत्ता और अन्य सुविधाओं का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावास अधीक्षकों और छात्र नायकों के साथ बैठक कर विद्यार्थियों की समस्याएं जानने को कहा। स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों को विद्यालयों और छात्रावासों में सुविधाओं तथा भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाओं और गौशालाओं की भी समीक्षा

एल्गिन अस्पताल में जलापूर्ति, पाइपलाइन, जनरेटर, बिजली और साफ-सफाई की व्यवस्था पर चर्चा करते हुए नर्मदा जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा बिजली कटौती से होने वाली परेशानी दूर करने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में 108 एम्बुलेंस के रिस्पॉन्स टाइम में सुधार के निर्देश दिए गए। वहीं जिले में गौशालाओं के पंजीयन और संचालन की स्थिति की जानकारी लेकर अधूरी गौशालाओं का निर्माण पूरा कराने तथा तैयार गौशालाओं को शुरू कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी, राजस्व प्रकरणों और अन्य लंबित मामलों की समीक्षा भी हुई। कलेक्टर ने पुराने प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाने तथा प्रत्येक मामले में आवश्यक दस्तावेज, जांच और नियमानुसार कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए। बैठक की शुरुआत में जनगणना एवं निर्वाचन कार्यों की प्रगति की जानकारी दी गई। अधिकारी ने बताया कि जनगणना का पहला चरण पूरा हो चुका है और दूसरे चरण की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।

त्योहारों से पहले गड्ढामुक्त होंगी शहर की प्रमुख सड़कें

जबलपुर। आगामी त्योहारों को देखते हुए शहर की सड़कों को दुरुस्त करने की कवायद तेज कर दी गई है। महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने नगर निगम लोककर्म विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर प्रमुख सड़कों की मरम्मत, नई सड़कों के निर्माण और विकास कार्यों को तय समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

महापौर ने कहा कि बारिश थमते ही क्षतिग्रस्त सड़कों को प्राथमिकता से गड्ढामुक्त किया जाए। सड़क निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा। बेहतर फिनिशिंग के लिए नगर निगम द्वारा 2 हैंड रोलर और 2 मिनी रोलर की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने तकनीकी अधिकारियों को स्वयं मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए। महापौर ने बताया कि सड़कों की मरम्मत एवं नई सड़कों के निर्माण के लिए करीब 13 करोड़ 50 लाख रुपये के दो टेंडर दो दिन में जारी किए जाएंगे। बार-बार खराब होने वाली डामरीकृत सड़कों के स्थान पर आवश्यकतानुसार आरसीसी सड़क निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी। गौरीघाट रोड पर अमृत योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के बाद री-स्टोरेशन कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए। पाइपलाइन का काम पूरा होते ही सड़क को तत्काल मूल स्वरूप में लाने को कहा गया, ताकि आमजन और श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। महापौर ने बताया कि धूल प्रदूषण कम करने और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए शहर की करीब 80 प्रतिशत सड़कों के किनारे पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य पूरा हो चुका है। वहीं महापौर, निगम अध्यक्ष एवं पार्षदों की अनुशंसा से स्वीकृत वार्ड स्तरीय विकास कार्य भी प्रगति पर हैं। इन कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में लोकनिर्माण विभाग प्रभारी एवं एमआईसी सदस्य विवेक राम सोनकर, अपर आयुक्त व्ही.एन. बाजपेयी, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री जागेन्द्र सिंह, सौलेन्द्र कौरव, श्रीमती चेतना चौधरी सहित सभी सहायक यंत्री एवं संभागीय यंत्री उपस्थित रहे।

ब्लॉक कांग्रेस की संगोष्ठी में संगठनात्मक विषयों पर हुई चर्चा

सिहोरा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में होटल परिणिता पैलेस में संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री कमलेश्वर पटेल मुख्य अतिथि तथा जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण जबलपुर के अध्यक्ष संजय यादव अध्यक्षता में मौजूद रहे। आयोजन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के संयोजक बिहारी पटेल के संयोजन में हुआ। संगोष्ठी में संगठनात्मक गतिविधियों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान अर्जुन वाजपेई को नगर अध्यक्ष मंझगवां नियुक्त किए जाने का प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में रूपेंद्र पटेल, राजेश पटेल, विवेक पटेल, विक्रम सिंह लोधी, राजेश तिवारी, प्रदीप पटेल, लक्ष्मीकांत शुक्ला, रुक्मणी गोटिया, जितेंद्र श्रीवास्तव, राजेश चौबे, सुरेंद्र मिश्रा, प्रकाश कुररिया, राहुल श्रीवास्तव, संदीप व्यौहार, प्रमोद पटेल, संतोष पांडे, केके कुररिया एवं मुकेश पटेल सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में कांग्रेसजनों ने सहभागिता की।

रादुविवि की परीक्षा व्यवस्था को लेकर एनएसयूआई का प्रदर्शन

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में परीक्षा कार्यक्रम, परिणामों में देरी और अकादमिक सत्र प्रभावित होने के मुद्दे को लेकर सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) की जिला इकाई ने प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष सचिन रजक के नेतृत्व में कार्यकर्ता परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पहुंचे और नारेबाजी कर प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराया।
प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने परीक्षा नियंत्रक कार्यालय की मेज पर सब्जी-भाजी रखी तथा प्रतीकात्मक रूप से चूड़ी और साड़ी भेंट कर परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए परीक्षा नियंत्रक के इस्तीफे की मांग की। संगठन ने आरोप लगाया कि परीक्षा कार्यक्रम और परिणामों में देरी के कारण विद्यार्थियों का अकादमिक सत्र प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष सचिन रजक, नीलेश माहर, राहुल रजक, अर्पित सोनकर, पुष्पेन्द्र गौतम, अंश गुजराल, आयुष पहारिया, यश सविता, रितिक जैन, दिव्यराज ठाकुर, नयन जायसवाल, यश सोनी, श्रीयांश, वरुण तिवारी एवं पीयूष राव सहित छात्र उपस्थित रहे।

रानीताल स्टेडियम में 70वीं राज्य शालेय खेल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

जबलपुर। 70वीं राज्य शालेय खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत पांच दिवसीय राज्य स्तरीय कुश्ती एवं वुशु प्रतियोगिताओं का शुभारंभ सोमवार को रानीताल स्टेडियम में हुआ। प्रतियोगिता कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की जा रही है। इसमें प्रदेश के नौ संभागों से लगभग 790 खिलाड़ी एवं ऑफिशियल्स भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की। नगर निगम अध्यक्ष रिंकूज बिज, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोंटिया तथा संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, जबलपुर संभाग घनश्याम सोनी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भोपाल से नियुक्त ऑब्जर्वर मनोज दुबे एवं अनिल गुप्ता भी मौजूद रहे। जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे ने बताया कि

प्रतियोगिता 21 से 25 सितंबर 2026 तक आयोजित होगी। इसमें 17 वर्ष बालक-बालिका फ्री स्टाइल कुश्ती, 17 वर्ष बालक ग्रीको-रोमन कुश्ती तथा 17 एवं 19 वर्ष बालक-बालिका वुशु की स्पर्धाएं होंगी। कुश्ती प्रतियोगिताएं शासकीय एमएलबी विद्यालय और वुशु स्पर्धाएं रानीताल स्टेडियम के बैडमिंटन इंडोर हॉल में आयोजित की जा रही हैं। उद्घाटन अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। नन्हे बच्चों की वुशु प्रस्तुति ने भी दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। अतिथियों ने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करते हैं। संयुक्त संचालक घनश्याम सोनी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल में हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास हैं। राष्ट्रीय वुशु खिलाड़ी निष्ठा सोनी ने प्रतिभागियों को खेल भावना एवं अनुशासन की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में सहायक संचालक सोनम कटारे, सहायक संचालक खेल आशा सिसोदिया, जिला क्रीड़ा अधिकारी मधुमिता हाजरा, विधि प्रभारी कृष्णकांत शर्मा, अजय रजक, रुक्मणि कनोजिया, आशीष पंड्या, डी.के. गुप्ता, आलोक शर्मा सहित शिक्षा एवं खेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, खिलाड़ी और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम में महिलाओं ने लिया सशक्त समाज का संकल्प

सिहोरा। नगर के गोल्डन वूमेन क्लब द्वारा हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस दौरान महिलाओं ने विभिन्न प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में महिलाओं ने नारी शक्ति को बढ़ावा देने तथा बच्चों और समाज के उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि संध्या दुबे ने कहा कि जिस प्रकार एक नारी को शिक्षित करने से पूरा परिवार शिक्षित होता है, उसी प्रकार महिला को सशक्त बनाने से पूरा परिवार सशक्त होता है। कार्यक्रम में सोनाली साहू, शिवांगी साहू, शकुंतला साहू, रोशनी मिश्रा, मोना बहलानी, कल्पना, राखी, प्रियंका, सरिता, माया व्यौहार, निशा, ममता, ज्योति, सविता, रूबी साहू एवं स्वीटी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

डॉ. जे.एन. कांजीलाल का 118वां जन्मदिवस मनाया

जबलपुर। होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (HMAI) की नर्मदा खंड इकाई द्वारा संस्था के जनक डॉ. जे.एन. कांजीलाल का 118वां जन्मदिवस प्रांतीय कार्यालय में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आर.के. चतुर्वेदी ने डॉ. कांजीलाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए वर्ष 1975 में HMAI के गठन के कारणों और संगठन की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. आर.के. गुप्ता ने मध्यप्रदेश में संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। डॉ. अवधेश भट्ट ने 19-20 दिसंबर को जबलपुर में आयोजित होने वाले 24वें अखिल भारतीय साइंटिफिक सेमिनार को सफल बनाने के प्रयासों पर चर्चा की। इकाई अध्यक्ष डॉ. आशुतोष सोलंकी ने आयोजन की जानकारी देते हुए गीत की प्रस्तुति दी। सचिव डॉ. अमित खत्री ने डॉ. कांजीलाल के जीवन एवं योगदान पर प्रकाश डाला तथा कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. एस.सी. चांदवानी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. जी.सी. आत्मा, डॉ. टी.एन. पांडे, डॉ. रीता आहूजा, डॉ. विभूति, डॉ. कविता पटेल, डॉ. लोकेश, डॉ. निलेश साहू, प्रकाश, संदीप, प्रतीक, राहुल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बंद टेलीकॉम फैक्ट्री में सेमी कंडक्टर चिप निर्माण की मांग

जबलपुर। फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने जबलपुर में लंबे समय से बंद पड़ी बीएसएनएल की टेलीकॉम फैक्ट्री की भूमि एवं उपलब्ध औद्योगिक अधोसंरचना का उपयोग कर वहां सेमीकंडक्टर चिप निर्माण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग उद्योग स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। फेडरेशन अध्यक्ष हिमांशु खरे ने बताया कि फैक्ट्री की उपलब्ध भूमि और अधोसंरचना का उपयोग आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के लिए किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने प्रस्ताव को ध्यानपूर्वक समझते हुए कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के उत्पादों के निर्माण के साथ सेमीकंडक्टर पैकेजिंग की भी व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने जबलपुर में इस क्षेत्र से जुड़े कौशल विकास एवं प्रशिक्षण की संभावनाओं पर भी चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में फेडरेशन अध्यक्ष हिमांशु खरे, उपाध्यक्ष जयदेव ताम्रकर एवं सचिव प्रवीण आचार्य शामिल रहे।

80 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान

सिहोरा। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं एवं उनके माता-पिता का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री कमलेश्वर पटेल मुख्य अतिथि रहे। डॉ. रश्मि सिंह एवं डॉ. लोकेश पटेल विशिष्ट अतिथि तथा गिरधारी कुमांयु अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन जिला पंचायत उपाध्यक्ष विवेक पटेल ने किया। इस अवसर पर प्रदीप पटेल, रूपेंद्र पटेल, एडवोकेट रमेश पटेल, कथावाचक देविका किशोरी, मुकेश पटेल, सुशील पटेल, भरत पटेल, राजेश पटेल, एडवोकेट इंद्रकुमार पटेल, राजकिशोर पटेल, अरविंद पटेल, अनिल पटेल, ब्रजेश पटेल, अवसर पटेल, दिलीप पटेल, विधि दीपक पटेल, अशोक पटेल, लक्ष्मीनारायण पटेल, संतकुमार पटेल एवं प्रमोद पटेल सहित अन्य उपस्थित रहे।

यश लखन घनघोरिया के जन्म दिन पर लगा मेगा स्वास्थ्य शिविर

जबलपुर। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 'मानव सेवा एवं जनकल्याण की भावना' से संत रविदास सामुदायिक भवन, बाई का बगीचा, घमापुर में मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया तथा निःशुल्क दवाइयां प्राप्त कीं।

इस अवसर पर यश लखन घनघोरिया ने कहा कि स्वस्थ समाज ही सशक्त समाज की नींव है। जरूरतमंद लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में विधायक लखन घनघोरिया, नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, डॉ. रमाकांत रावत, मतीन अंसारी तथा पार्षदगण कल्लन गुप्ता, जितेन्द्र सिंह ठाकुर, गुलाम हुसैन, संजय साहू, याकूब अंसारी, प्रमोद पटेल एवं कलीम खान उपस्थित रहे। इसके अलावा राकेश पांडे, ब्लॉक अध्यक्ष अभिषेक चंदेल, असित यादव, आसिफ इकबाल, वकील अंसारी, अख्तर अंसारी, राजेश यादव, जतिन राज, इस्तियाक अहमद अंसारी, संजय अहिरवार, जिला अध्यक्ष सत्येन्द्र कुकरेले (सोनू), पारस जैन, उवैश अंसारी, नितिन सिंह, अन्नी चक्रवर्ती, सौरभ यादव, राजू लईक, भानु यादव, सोनू सोनकर, अभियुक्त बाजपेयी, सोनू तिवारी, मोहम्मद इजराइल, मुन्नू पंडा, कीर्ति पटेल, आभा पटेल, ज्योति ठाकुर, अंजुम आरा एवं रूबी बग्गन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

श्रीमती सुखबरिया कुशवाहा- ग्राम खुमेदी उचेहरा सतना निवासी श्री दद्दी प्रसाद कुशवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती सुखबरिया कुशवाहा (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

डॉ. रविन्दर सिंह चंडोक- दशमेश द्वार के पास मदनमहल निवासी डॉ. रविन्दर सिंह चंडोक (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री गनेश रैकवार- श्रीनाथ की तलैया गंजीपुरा निवासी श्री गनेश रैकवार (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अशोक प्रजापति- द्वारका नगर गोपाल होटल के पास लालमाटी निवासी श्री अशोक प्रजापति (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अशर्फी लाल राजपूत- बंगला नं. 6 के पास केंट निवासी श्री अशर्फी लाल राजपूत (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सोहन सिंह सग्गू- बदनपुर शक्तिनगर निवासी श्री सोहन सिंह सग्गू (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती कमला देवी मिश्रा- धनवंतरी नगर निवासी श्री हनुमंत प्रसाद मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती कमला देवी मिश्रा (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राखी सोंधिया- भानतलैया निवासी श्री तीरथ सोंधिया की धर्मपत्नी श्रीमती राखी सोंधिया (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री दरोगा यादव- आई 7, अवधपुरी कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री दरोगा यादव (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मीरा बाई शुक्ला- संजीवनी नगर निवासी श्री घनश्याम प्रसाद शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती मीरा बाई शुक्ला (89) का निधन हो गया। अंतिम

संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती पार्वती बाई पासी- भैंसासुर रोड बगीचा नं. 2 सदर निवासी श्री गेंदालाल पासी की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती बाई पासी (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पार्वती सोनकर- खटीक मोहल्ला घमापुर चौक निवासी श्री महेश प्रसाद सोनकर की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती सोनकर (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री लक्ष्मण दास- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री लक्ष्मण दास (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती संजू मोरे- लालमाटी चांदमारी नगर निगम जोन कार्यालय के पास निवासी श्री संजू मोरे (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मनोहर राव गायकवाड़- सुशीला परिसर अमखेरा निवासी श्री मनोहर राव गायकवाड़ (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सूरज चौधरी- बाबा टोला सिंधी कैंप निवासी श्री राम बहोर चौधरी के पुत्र श्री सूरज चौधरी (22) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री ओम प्रकाश दुबे- स्वास्तिक एसकेआर तिलहरी निवासी श्री ओम प्रकाश दुबे (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रामजी भाई पटेल- नरसिंह मंदिर महानद्दा रोड मदनमहल निवासी श्री रामजी भाई पटेल (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती खुमा थापा- वल्दी कोरी की दफाई शीतलामाई निवासी श्री गंगा बहादुर थापा की धर्मपत्नी श्रीमती खुमा थापा (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निधन/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362160

यूपीआई पर अभी कुछ और साल शुल्क नहीं लेना चाहिए : नीति आयोग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने सोमवार को सरकार को सुझाव दिया कि उसे कम से कम कुछ और वर्षों तक यूपीआई लेनदेन पर शून्य शुल्क की व्यवस्था जारी रखनी चाहिए और उसके बाद इसकी समीक्षा करनी चाहिए। कुमार ने कहा कि वह किसी भी मूल्य के यूपीआई लेनदेन के लिए कारोबारियों से शुल्क लेने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को यूपीआई को व्यापक सकारात्मक प्रभाव वाला सार्वजनिक उपक्रम मानना चाहिए।

- कहा, वह कारोबारियों से कोई भी शुल्क लेने के पक्ष में नहीं

नकदी की और लौटने की संभावना

कुमार ने कहा, ''यह कदम नकदी के इस्तेमाल की ओर वापस लौटने की बहुत बड़ी संभावना पैदा करता है। छोटे से शुल्क से भी इस प्रतिगामी व्यवहार को बढ़ावा मिलेगा। कुमार ने कहा, ''फिलहाल अच्छी व्यवस्था को जारी रखने के लिए यथास्थिति बनाए रखना बेहतर होगा।''

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने दिया सुझाव

यूपीआई छह साल तक पूरी तरह शुल्क मुक्त रहा

सरकार ने करीब छह साल तक पूरी तरह शुल्क-मुक्त रहे यूपीआई भुगतान में बदलाव करते हुए 15 सितंबर को घोषणा की थी कि 15 अक्टूबर से इस मंच के जरिये कारोबारियों को 2,000 रुपये से अधिक के भुगतान पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। हालांकि, रोजमर्रा के व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) लेनदेन और छोटे भुगतान को शुल्क से बाहर रखा गया है।

एमडीआर शुल्क ग्राहकों से नहीं लिया जाएगा : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पलटवार करते हुए कांग्रेस पर 'फर्जी खबर' फैलाने का आरोप लगाया था और कहा था कि सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि एमडीआर शुल्क ग्राहकों से नहीं लिया जाएगा।

ग्राहकों को कोई शुल्क नहीं देना होगा : वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा था, ''यूपीआई के जरिये ऐसे भुगतान करने पर ग्राहकों को कोई शुल्क नहीं देना होगा।' मंत्रालय ने कहा था कि एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) कारोबारी भुगतान व्यवस्था के भीतर लगाया जाने वाला शुल्क है और यह यूपीआई भुगतान करने वाले ग्राहकों पर नहीं लगाया जाएगा।

विपक्ष ने अमेरिकी दबाव में आने की बात कहीं थी

मंत्रालय ने यह भी कहा था कि व्यक्तियों के लिए यूपीआई का उपयोग 'बिना किसी मासिक सीमा, मात्रा संबंधी प्रतिबंध या शुल्क-मुक्त लेनदेन पर किसी स्तर की सीमा के बिना जारी रहेगा। इस फैसले की विपक्षी दलों ने तीखी आलोचना की थी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि यह अमेरिकी दबाव के आगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक बार फिर आत्मसमर्पण करने की कार्रवाई है।

बुनियादी ढांचे को बनाए रखने जरूरी है

कुमार ने कहा, ''इसके कुल लाभ सार्वजनिक कोष पर यूपीआई बुनियादी ढांचे को बनाए रखने के लिए पड़ने वाली 20,000 करोड़ रुपये की लागत से कहीं अधिक हैं। कुमार ने कहा, ''इसलिए, कम से कम कुछ और वर्षों तक यूपीआई लेनदेन पर शून्य शुल्क जारी रखना चाहिए, जब तक कि मुद्रा से जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) में कुछ गिरावट का रुख दिखाई न दे। उसके बाद स्थिति की समीक्षा की जा सकती है।''

खबर संक्षेप

आईओसी के 425 किमी लंबी पाइप लाइन को मंजूरी

नई दिल्ली। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के निदेशक मंडल ने केरल के कोच्चि को तमिलनाडु के तूतीकोरिन से जोड़ने वाली 424.65 किलोमीटर लंबी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन के निर्माण और संचालन के लिए 2,448.70 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने सूचना में यह जानकारी दी।

मनीव्यू का 1,092 करोड़ का आईपीओ 24 को खुलेगा

नई दिल्ली। डिजिटल ऋण मंच मनीव्यू लिमिटेड 24 सितंबर को अपना 1,092 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि आईपीओ के लिए 32 से 34 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया है। ऊपरी मूल्य दायरे पर कंपनी का मूल्यांकन करीब 6,000 करोड़ रुपये है।

रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ 95.81 प्रति डॉलर

मुंबई। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और वैश्विक स्तर पर जोखिम लेने की धारणा में सुधार के बीच अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया सोमवार को 15 पैसे मजबूत होकर 95.81 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। बाजार में अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक बातचीत की उम्मीद से भी धारणा बेहतर हुई।

ओरिएंटल इंश्योरेंस डिजिटल सेवाओं पर करेगी निवेश

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनी ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी डिजिटल सेवाओं को मजबूत करने और ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए अगले तीन साल में करीब 500 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। 'प्रौद्योगिकी को मजबूत करने के लिए हमारे पास अपने संसाधन हैं और इसके लिए बजट भी रखा गया है।

प्रीमियर एनर्जीज ने सौर सेल संयंत्र किया चालू

नई दिल्ली। सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता प्रीमियर एनर्जीज ने सोमवार को कहा कि उसने आंध्र प्रदेश में सात गीगावाट (जीडब्ल्यू) की परियोजना शुरू करने के साथ अपनी सौर सेल विनिर्माण क्षमता बढ़ाकर 10.6 गीगावाट कर ली है। 3,293 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय से विकसित यह इकाई भारत का सबसे बड़ा सौर सेल विनिर्माण संयंत्र है। कंपनी ने बताया कि उसने ''आंध्र प्रदेश के नायडू पेटा में सात गीगावाट क्षमता वाली सौर सेल विनिर्माण इकाई शुरू की है।

हिमाद्री ने दी टायर कारोबार को अलग करने की मंजूरी

नई दिल्ली। हिमाद्री स्पेशियलिटी केमिकल्स लिमिटेड (एचएससीएल) ने सोमवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल ने डालमिया भारत रिफ्रैक्टरीज के टायर कारोबार को अलग कर एचएससीएल में शामिल करने की योजना को मंजूरी दे दी है। हिमाद्री स्पेशियलिटी केमिकल्स ने शेयर बाजार को बताया कि निदेशक मंडल ने कंपनी की ऑडिट समिति और स्वतंत्र निदेशकों की समिति की सिफारिशों तथा रिपोर्टों पर विचार करने के बाद इस प्रस्ताव को मंजूरी दी। सूचना के मुताबिक इस कारोबार को पूरी तरह से चालू स्थिति में सौंपा जाएगा।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल भारत-न्यूजीलैंड समझौते की दी जानकारी

20 अक्टूबर से सस्ती मिलेगी शराब, 95% सामानों की गिरेगी कीमत, एफटीए से राहत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफसीए) 20 अक्टूबर 2026 से लागू हो जाएगा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने इसकी जानकारी दी। इस समझौते का मकसद दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाना, भारतीय सामान के लिए न्यूजीलैंड का बाजार खोलना है। गोयल ने कहा कि यह समझौता अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड से भारत में 20 अरब अमेरिकी डॉलर के बड़े निवेश का रास्ता भी खोलता है।

इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड से भारत आने वाले करीब 95 प्रतिशत सामान पर इंपोर्ट ड्यूटी खत्म या काफी कम हो जाएगी। इनमें न्यूजीलैंड की मशहूर वाइन, कीवी और सेब जैसे उत्पाद शामिल हैं। वहीं भारत से न्यूजीलैंड जाने वाले सभी सामान को ड्यूटी-फ्री बाजार पहुंच मिलेगी यानी भारतीय कंपनियों के लिए न्यूजीलैंड में अपने उत्पाद बेचने का रास्ता आसान होगा।

अमेरिका के साथ तनाव के बीच भारत की बड़ी रणनीति

भारत और न्यूजीलैंड का यह समझौता ऐसे समय हो रहा है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर तनाव बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का अधिकार देने वाला कानून पारित हुआ है। अमेरिका अभी भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। ऐसे में भारत लगातार दूसरे देशों में अपने निर्यात के लिए नए बाजार तलाश रहा है। ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौतों के बाद न्यूजीलैंड के साथ एफटीए भी इसी दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

समझौते से क्या बदलेगा?

न्यूजीलैंड से भारत आने वाले करीब 95 प्रतिशत सामान पर लगने वाली इंपोर्ट ड्यूटी खत्म या काफी कम हो जाएगी। जिसमें इसमें शराब, कीवी फल और सेब जैसे उत्पाद शामिल हैं। दूसरी तरफ भारत के सभी सामान को न्यूजीलैंड में बिना ड्यूटी के प्रवेश मिलेगा। भारतीय छात्रों और कामगारों के लिए न्यूजीलैंड जाने और वहां काम करने के नियम आसान किए जाएंगे। न्यूजीलैंड अगले 15 साल में भारत में 20 अरब डॉलर निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है।

- समझौते का मकसद दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाना
- भारतीय सामानों के लिए न्यूजीलैंड का बाजार खोलना व निवेश बढ़ाना
- न्यूजीलैंड से आने वाले सामान करीब 95 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी फ्री होंगे

2030 तक व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य

भारत और न्यूजीलैंड ने दोनों देशों के बीच व्यापार को 2030 तक दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। जून 2026 तक के 12 महीनों में दोनों देशों के बीच करीब 2.3 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था। न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया में व्यापार को लेकर अनिश्चितता बढ़ रही है और कई देशों में टैरिफ बढ़ रहे हैं भारत और न्यूजीलैंड ने ऐसा समझौता किया है जो दोनों देशों के कारोबार के लिए फायदेमंद हो सकता है।

भारत-कनाडा व्यापार समझौते पर वार्ता का अगला दौर पांच अक्टूबर से

गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और कनाडा के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) को लेकर बातचीत आगे बढ़ रही है और वार्ता का अगला दौर पांच अक्टूबर से शुरू होगा। गोयल ने यहां कहा, ''अगले 90 दिन भारत-कनाडा संबंधों के लिए बहुत महत्वपूर्ण अवधि होने जा रहे हैं।'' दोनों देशों के बीच सीईपीए वार्ता का चौथा दौर 18 सितंबर को नयी दिल्ली में संपन्न हुआ। दोनों देश इस साल के अंत तक बातचीत पूरी करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं, जिसके चलते वार्ता की गति तेज की गई है।

भारत से दवाएं, लौह एवं इस्पात व इलेक्ट्रॉनिक सामान शामिल

गोयल ने कहा, ''दोनों पक्षों ने बातचीत को तेजी से आगे बढ़ाने का फैसला किया है। इसी के तहत हमारा दल पांच अक्टूबर को पांचवें दौर की वार्ता के लिए जाएगा।''

बामर लॉरी कारोबार विस्तार पर 500 करोड़ रुपए का करेगी निवेश

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

- मुख्य जोर रेल, लॉजिस्टिक और यात्रा कारोबार पर होगा
- 200 से 250 करोड़ रुपए रेल लॉजिस्टिक खंड में लगाए जाएंगे

विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बामर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड अगले तीन साल में करीब 500 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय करेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को कहा कि इसमें मुख्य जोर रेल, तृतीय-पक्ष लॉजिस्टिक (3पीएल) और यात्रा कारोबार के विस्तार पर होगा। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अधीप नाथ पाल चौधरी ने 109वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) से इतर कहा कि करीब 500 करोड़ रुपये के कुल प्रस्तावित निवेश में से 200-250 करोड़ रुपये रेल लॉजिस्टिक खंड में लगाए जाएंगे, जबकि करीब 100 करोड़ रुपये पैकेजिंग, ग्रीस एवं लुब्रिकेंट्स और रसायन जैसे मौजूदा कारोबार में नियमित परिचालन संबंधी पूंजीगत व्यय के लिए रखे गए हैं। चौधरी ने कहा कि कंपनी 3पीएल कारोबार के विस्तार पर भी 50-60 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

पाल चौधरी ने कहा कि लॉजिस्टिक कारोबार के तहत कंपनी अपने रेल रैक की संख्या मौजूदा तीन से बढ़ाकर 15 करने की योजना बना रही है। अभी ये रैक पट्टे पर लिए गए हैं। चौधरी ने कहा कि पहली बार कंपनी तीन रैक सीधे खरीदेगी और इसके लिए निविदाएं जारी की जा चुकी हैं। पहले चरण में सात और रैक जोड़े जाएंगे। इनमें पट्टे पर लिए जाने वाले रैक भी शामिल होंगे।

एक रैक की कीमत 20 से 25 करोड़ रुपए होती है

पाल चौधरी ने कहा कि एक रैक की लागत आमतौर पर करीब 20-25 करोड़ रुपये होती है और इसलिए अगले कुछ वर्षों में 500 करोड़ रुपये के कुल पूंजीगत व्यय का बड़ा हिस्सा रेल परिसंपत्तियों की खरीद में जाएगा।

OFFICE OF THE SECRETARY
KRISHI UPAJ MANDI SAMITI JABALPUR DIST. JABALPUR
N.I.T. No/Nirman/ 2026-27 /N-374 Jabalpur dated: 21.09.2026
NO[...]
Online Percenta[...] registered with the Department, Govern[...] Cell) for 1. Repairin[...] 03 nos room and Laying of pipe line in sabji mandi and chawal mandi yard In mandi yard jabalpur 2nd call Tender Number: 2026_MPSAM_537543_1 (PAC-12.19 LACS), AND 2. Repairing, maintenance and colour washing for esisting sulabh complex 01 and 02 at mandi yard Jabalpur 2nd call Tender Number: 2026_MPSAM_537512_1 (TOTAL PAC-16.80 LACS). The following works Tender to be received online up to 3:30 PM on 07.10.2026. Technical bid documents with EMD & Finacial Offer to be received online only as per Detailed NIT. The tender documents can be obtained online on the https://mptenders.gov.in as per the Notice Published on the above Portal and detailed information can also be seen on website www.mpmandiboard.gov.in.
Note:- Any corrigendum in this NIT, if published, shall be displayed only in our above portal regarding any matter included in this NIT or otherwise. Other details of Construction/Develpoment works and locations & key dates can also be seen on our website www.mpmandiboard.gov.in
SECRETARY
KRISHI UPAJ MANDI SAMITI
JABALPUR DISTT. JABALPUR

भारतीय बैंकों के लिए नकदी की उपलब्धता बढ़ी : एसएंडपी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

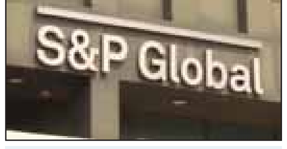

- विशेष जमा योजना से जुटाई 127 अरब डॉलर की जमा मुद्रा बड़ी राहत
- बैंकों ने 8 जून से 31 अगस्त 2026 के बीच यह राशि जमा की

वित्तीय शोध और साख निर्धारित करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी डॉलर आकर्षित करने के लिए विशेष जमा योजना के तहत जुटाई गई 127 अरब डॉलर की राशि भारतीय बैंकों के लिए 'बड़ी राहत' है। इससे वित्तपोषण की तंग स्थिति आसान हुई है और नकदी की उपलब्धता बढ़ी है। बैंकों ने आठ जून से 31 अगस्त, 2026 के बीच विदेशी मुद्रा प्रवासी-बैंक (एफसीएनआर-बी) खातों के जरिये रिकॉर्ड 127 अरब डॉलर की जमा राशि जुटाई। एसएंडपी ने कहा कि यह राशि 31 मार्च, 2026 तक बैंकों में जमा राशि का करीब 4.5 प्रतिशत है।रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''भारतीय बैंकों को इससे बड़ी राहत मिली है। अनुकूल दरों ने देश के प्रवासी समुदाय को बड़ी मात्रा में जमा राशि वापस भारत भेजने के लिए प्रेरित किया। हम इसे व्यापक रूप से सकारात्मक मानते हैं।'' एसएंडपी ने कहा, ''इससे वित्तपोषण की तंग स्थिति सुगम हुई है। पिछले चार साल से कर्ज वृद्धि, जमा वृद्धि से अधिक रही है।''भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए जून की शुरुआत से अगस्त के बीच इन तीन से पांच साल की अवधि वाली जमाओं की मूल राशि से जुड़ी जोखिम लागत को स्वयं उठाया है।

एफपीआई ने बाजार से रु 20,974 करोड़ निकाले

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, अमेरिका में ऊंची ब्याज दरें और बढ़ता बॉण्ड प्रतिफल, महंगे कच्चे तेल तथा कमजोर होते रुपये के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार से दूरी बनानी शुरू कर दी हैं। एफपीआई ने सितंबर में अबतक भारतीय शेयरों से 20,974 करोड़ रुपये निकाले हैं। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में हुई बिकवाली से पहले विदेशी निवेशकों ने जुलाई और अगस्त में भारतीय शेयरों में क्रमशः 20,200 करोड़ रुपये और 29,630 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

M.P. POWER MANAGEMENT CO. LTD.
Executive Engineer (Civil) Dn. I, Rampur Jabalpur
TENDER INVITATION

1.	Tender No.	2026_MPPMC_537163_1
2.	Tender Specification No.	EE/C/I/1123
3.	Tender Type/Mode of Tender	Double Envelope/e-Tendering
4.	Tender for	Providing and laying vitrified floor tiles of OC type quarters at MPPMCL Rampur, Jabalpur.
5.	Bids Submission Last Date & Time	09 Oct 2026 15:00:00
6.	Tender opening date and time	13 Oct 2026 15:30:00
7.	Bid Fee (INR)	Rs. 590/- (with GST)
8.	Earnest Money (INR)	Rs. 18,300/-
9.	Eligibility of Contractor-	Registered in MPPMCL in D or above category or having experience as per bid data sheet.
10.	Tender Forms Available at Website	www.mptenders.com
11.	Contact No. for any other details required.	0761-2702833/2702888

Note :- The due date of extension or any corrigendum will not be published in newspapers and will only be uploaded on the MP Tenders Site.
M.P. Madhyam/128169/2026 Executive Engineer (Civil) Dn. I

पंजाब नैशनल बैंक ......भरोसे का प्रतीक punjab national bank ...the name you can BANK upon! (A GOVERNMENT OF INDIA UNDERTAKING)
एआरएमबी (दक्षिण), चौथी मंजिल, 7, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली–66
ई–मेल : Cs4168@pnb.bank.in
परिशिष्ट IV
[नियम 8 (1) देखें]
भौतिक कब्जे का नोटिस (अचल संपत्ति के लिए)
अधोहस्ताक्षरी,
पंजाब नेशनल बैंक, एआरएमबी दक्षिण दिल्ली के अधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) के तहत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक मांग नोटिस दिनांक 09.05.2022 जारी किया था, जिसमें उधारकर्ता मैसर्स मनेरी आइसक्रीम, E-94, जीएफ ग्रेटर कैलाश–1 नई दिल्ली–110048 एवं प्लॉट नंबर 42, इंडस्ट्रियल एरिया फूड पार्क मनेरी जिला मंडला (म.प्र.)–481885 तथा सुश्री अनामिका मित्तल मकान नंबर E-94, जीएफ ग्रेटर कैलाश–1, नई दिल्ली–110048 से उक्त नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर रू.5,44,47,220.24 (रुपये पांच करोड़ चवालीस लाख सैंतालीस हजार दो सौ बीस और चौबीस पैसे मात्र) 30.04.2022 तक की राशि, आगे के ब्याज और शुल्कों के साथ चुकाने का आदेश दिया गया था।
उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता द्वारा राशि चुकाने में विफल रहने पर, इसके द्वारा उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता और आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (4) के तहत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए आज दिनांक 17 सितम्बर 2026 को नीचे वर्णित संपत्ति का भौतिक कब्जा ले लिया है।
विशेष रूप से उधारकर्ता और आम जनता को इसके द्वारा चेतावनी दी जाती है कि वे इस संपत्ति के संबंध में कोई भी लेन–देन न करें और उक्त संपत्ति के साथ किसी भी प्रकार का लेन–देन पंजाब नेशनल बैंक के पास दर्ज प्रभार के अधीन होगा, जो कि दिनांक 30.04.2022 तक रू. 5,44,47,220.24 (रुपये पांच करोड़ चवालीस लाख सैंतालीस हजार दो सौ बीस और चौबीस पैसे मात्र) के प्रभार (चार्ज) के अधीन होगा, जब तक कि पूरा भुगतान न कर दिया जाए, जिस पर आगे का ब्याज और खर्च भी देय होगा।
उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता का ध्यान सुरक्षित संपत्ति को वापस छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।
अचल संपत्ति का विवरण
1. मैसर्स मनेरी आइसक्रीम के नाम पर स्थित प्लॉट नंबर 42, फूड पार्क–मंडला, मनेरी, जिला मंडला (एक नामित फूड पार्क जबलपुर, मध्य प्रदेश) पर स्थित 3300 वर्ग मीटर क्षेत्रफल की परियोजना भूमि और भवन पर साम्यिक बंधक/पंजीकृत बंधक।
2. बैंक फाइनेंस के जरिए पहले से खरीदी गई और आगे खरीदी जाने वाली प्लांट और मशीनरी तथा अन्य फिक्स्ड एसेट्स का हाइपोथिकेशन।
दिनांक : 17/09/2026
स्थान : जबलपुर (मध्य प्रदेश)
प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक

ध dhan
PUBLIC NOTICE
BEWARE OF FRAUDSTERS IMPERSONATING "DHAN", ITS DIRECTORS AND EMPLOYEES
RAISE SECURITIES PRIVATE LIMITED (formerly known as Moneylicious Securities Private Limited), operating under the brand name "Dhan", is a SEBI-registered stockbroker (SEBI Registration No. INZ000006031), member of BSE, NSE and MCX and a Depository Participant (SEBI Registration No. IN-DP-289-2016) with CDSL operating from Unit No. 2201, 22nd Floor, Gold Medal Avenue, S.V. Road, Beside Patel Petrol Pump, Piramal Nagar, Goregaon West, Mumbai – 400104.
We have become aware of fraudsters unlawfully impersonating Dhan, its directors, employees and representatives and misusing the Dhan name, logo, photographs and brand identity through fake websites, mobile applications, social media accounts, WhatsApp/Telegram groups and other channels.
These fraudsters may falsely offer guaranteed returns, assured profits, IPO allotments, investment opportunities, trading services or other financial benefits, and may induce the public to transfer money or disclose OTPs, passwords, banking, trading or other confidential information.
Dhan does not authorise any person, group, platform or third party to collect money from the public in the name of Dhan, its directors or employees, or to promise guaranteed/assured returns or profits.
The names and identities of Dhan's directors, including Mr. Jayprakash Gupta and Mr. Pravin Jadhav, have also been misused by fraudsters.
DO NOT TRANSFER MONEY OR SHARE YOUR OTP, PASSWORD, PIN, BANKING OR TRADING CREDENTIALS with any person claiming to represent Dhan. Dhan communicates with its clients only though its official channels:
Website: https://dhan.co/
Dhan Web: https://login.dhan.co/
Dhan Android: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.dhan.live
Dhan IOS : https://apps.apple.com/in/app/dhan-share-market-trading-app/id1575318726
Dhan Option Trader: https://dhan.co/options-trader-web/
Dhan Option Trader Android :https://play.google.com/store/apps/details?id=com.dhanoptions.live
Dhan Option Trader IOS: https://apps.apple.com/in/app/options-trader-fno-stocks/ id1601444691
Facebook: https://www.facebook.com/DhanHQ ;
Instagram: https://www.instagram.com/dhanhq/
X: https://x.com/DhanHQ ; https://x.com/dhancares
YouTube: https://www.youtube.com/@DhanHQ ;
https://www.youtube.com/@InvestingwithDhan ;
https://www.youtube.com/@CommoditiesbyDhan ; https://www.youtube.com/@AlandAlgosbyDhan ; https://www.youtube.com/@DhanHQTamil ; https://www.youtube.com/@DhanHQMalayalam ;
https://www.youtube.com/@DhanHQTelugu ; https://www.youtube.com/@DhanHQMarathi ;
https://www.youtube.com/@DhanHQKannada ; https://www.linkedin.com/company/Dhanhq/
WhatsApp: https://whatsapp.com/channel/0029Vb5CCizJ93wewl6tK638
Telegram: https://t.me/JoinDhan
Dhan Community: https://madefortrade.in/
Please note that all official communications from Dhan will be sent only from the @dhan.co domain. If you receive any communication claiming to be from Dhan but sent from @dhan.com, @dhan.co.in, or any other domain, please treat it as suspicious and report it immediately to help@dhan.co
Persons who have suffered financial loss should immediately report the matter to the appropriate cybercrime/law-enforcement authorities.
Dhan / Raise Securities Private Limited and its group companies shall not be responsible or liable for any loss arising from dealings with unauthorised or fraudulent persons, entities, platforms or groups impersonating Dhan or its directors, employees or representatives.
On Behalf of Raise Securities Private Limited
Sd/-
Manish Garg Compliance Officer

पश्चिम मध्य रेल
इंजीनियरिंग विभाग, खुली निविदा
निम्नलिखित कार्य के ई–निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष मे वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक 7 (कार्य) पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। क्र. सं.: 1, निविदा सूचना क्रमांक: डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी.पी–181–26, दिनांक: 14/09/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : सहायक मंडल अभियंता दमोह उपसंभाग के अंतर्गत बांदकपुर, सागौनी एवं करहिया भदोली में पुराने कुएं का पुनर्वास।, कार्य का अनुमानित मूल्य : 50,63,477/–, बयाना राशि रुपये : 101300/–, समापन अवधि : 06 माह
क्र. सं.: 2, निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.वी.पी–182–26, दिनांक : 14/09/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (पश्चिम) जबलपुर के अधिकार क्षेत्र में दो विविध कार्य किए जाने हैं। भाग–1 असिस्टेंट डिविजनल इंजीनियर/सागर सब–डिविजन के अंतर्गत प्रमुख शहरों के प्रवेश मार्गो पर अतिक्रमण रोकने के लिए बाउंड्री वॉल का निर्माण। (कार्य का हिस्सा न्यू कटनी जंक्शन–सागर सेक्शन प्रमुख शहरों के प्रवेश मार्गो पर अतिक्रमण रोकने के लिए बाउंड्री वॉल का निर्माण।) भाग–2 असिस्टेंट डिविजनल इंजीनियर/सागर सब–डिविजन के अंतर्गत ट्रैक के किनारे विभिन्न स्थानों पर, जहाँ अनाधिकृत प्रवेश (ट्रेसपासिंग/सी आर ओ) होता है और जो अतिक्रमण के प्रति संवेदनशील हैं, वहाँ बाउंड्री वॉल का निर्माण।, कार्य का अनुमानित मूल्य : 4,71,86,286/–, बयाना राशि रुपये : 943700/–, समापन अवधि : 12 माह
क्र. सं.: 3, निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी.पी–183–26, दिनांक : 14/09/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : सहायक मंडल अभियंता (मेंटेनेंस) कटनी सब–डिविजन के अंतर्गत खन्ना बंजारी डिपो पर रेलवे के ट्रैक वैलास्ट स्पेसिफिकेशन IS/RDSO-GE/0001:2023 के अनुसार 65 मिमी मशीन क्रश्ड, कठोर और टिकाऊ ट्रैक स्टोन बैलास्ट की सप्लाई, स्टैकिंग और लोडिंग (इसमें सभी लीड, लिफ्ट, टैक्स, रॉयल्टी, ड्यूटी आदि शामिल हैं)।, कार्य का अनुमानित मूल्य : 7,88,32,392/–, बयाना राशि रुपये : 1576700/–, समापन अवधि : 22 माह
क्र. सं.: 4, निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी.पी–184–26, दिनांक: 14/09/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : डिविजनल इंजीनियर (पूर्व) जबलपुर के अधिकार क्षेत्र में कटनी सिंगरौली सेक्शन में 54.40 किमी तक स्लीपर डेंसिटी (आइ एस डी) को बढ़ाना।, कार्य का अनुमानित मूल्य : 3,88,56,498/–, बयाना राशि रुपये : 777100/–, समापन अवधि : 12 माह
क्र. सं.: 5, निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी.पी–185–26, दिनांक : 14/09/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (पश्चिम) जबलपुर के अधिकार क्षेत्र में दो विविध कार्य। भाग 1: असिस्टेंट डिविजनल इंजीनियर सागर सब–डिविजन के अंतर्गत सागर में नए असिस्टेंट डिविजनल इंजीनियर कार्यालय भवन का निर्माण। भाग 2: असिस्टेंट डिविजनल इंजीनियर दमोह सब–डिविजन के अंतर्गत दमोह में नया सिग्नल कार्यालय का निर्माण। [कार्य का हिस्सा: दमोह में नए सिग्नल स्टोर के निर्माण और जबलपुर व कटनी में नए कमरों व मौजूदा स्टोर की मरम्मत के माध्यम से एस एंड टी इंफ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण।, कार्य का अनुमानित मूल्य : 2,40,21,175/–, बयाना राशि रुपये : 480400/–, समापन अवधि : 12 माह
क्र. सं.: 6, निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी.पी–186–26, दिनांक : 15/09/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : डिविजनल इंजीनियर (पूर्व) जबलपुर के अधिकार क्षेत्र में कटनी–सिंगरौली सेक्शन पर टी एस आर 4.448 किमी, टी आर आर 10.20 किमी और टी एफ आर (आर) 99.00 किमी (केवल रबर पैड का काम।, कार्य का अनुमानित मूल्य : 3,09,94,643/–, बयाना राशि रुपये : 6,19,900/–, समापन अवधि : 12 माह
क्र. सं.: 7, निविदा सूचना क्रमांक : डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी. पी–187–26, दिनांक : 15/09/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : जबलपुर डिवीजन:– असिस्टेंट डिवीजनल इंजीनियर (मेंटेनेंस) कटनी के अंतर्गत सलहाना स्टेशन पर मौजूदा एफ ओ बी (फुट ओवर ब्रिज) पर प्रस्तावित रैंप।, कार्य का अनुमानित मूल्य : 1,29,09,490/–, बयाना राशि रुपये : 2,58,200/–, समापन अवधि : 08 माह
सभी निविदाओं की प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे तक : 09/10/2026, सभी निविदाओं की खुलने का समय 15:15 बजे तिथि : 09/10/2026, उपरोक्त ई–निविदा संपूर्ण जानकारी वेबसाइट https://ireps.gov.in उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नही की जायेगी। (हस्ता.)
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

चिंतन

नकल रोकना अपराध नहीं पर छात्रों को बचाना जरूरी

आईआईटी बॉम्बे में एक छात्र की आत्महत्या ने देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था के सामने ऐसे सवाल खड़े कर दिए हैं, जिनसे आंखें चुराना अब संभव नहीं। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि एक छात्र परीक्षा में मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए क्यों पकड़ा गया और उसके बाद उसने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था ने बच्चों को केवल सफल होना सिखाया है, असफलता को स्वीकार करना नहीं? और दूसरा सवाल इससे भी ज्यादा सीधा है, अगर कोई शिक्षक परीक्षा में नकल रोकता है तो आखिर उसकी गलती क्या है? परीक्षा कक्ष में नियम लागू करना शिक्षक की जिम्मेदारी है। यदि किसी विद्यार्थी के पास मोबाइल पाया जाता है या वह अनुचित तरीके से उत्तर हासिल करने का प्रयास करता है तो शिक्षक का उसे रोकना स्वाभाविक है। आईआईटी बॉम्बे के मामले में संस्थान का कहना है कि छात्र को परीक्षा के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल करते पाया गया था और उसके खिलाफ तत्काल कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की गई थी। संस्थान के अनुसार शिक्षक और विभागाध्यक्ष ने उससे बात की थी और उसे यह भरोसा दिलाया गया था कि इस घटना का उसके करियर पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा। इसके बावजूद छात्र की आत्महत्या ने पूरे कैंपस को हिला दिया। घटना के बाद सैकड़ों छात्र विरोध में उतर आए और परीक्षाएं स्थगित करनी पड़ीं। यहां एक बेहद महत्वपूर्ण अंतर को समझना होगा। किसी शिक्षक द्वारा नकल पकड़ना एक बात है और उसके व्यवहार में अनुचितता का आरोप दूसरी बात। यदि शिक्षक ने छात्र के साथ अपमानजनक व्यवहार किया, जातिगत टिप्पणी की, अनावश्यक दबाव बनाया या नियमों से हटकर व्यवहार किया, तो उसकी जांच होनी चाहिए। परिवार ने ऐसे आरोप लगाए हैं और संस्थान ने जातिगत भेदभाव के आरोपों से इनकार किया है। इन आरोपों का फैसला जांच के आधार पर होना चाहिए, भीड़ या भावनाओं के आधार पर नहीं। लेकिन इस पूरी बहस में एक खतरनाक संदेश नहीं जाना चाहिए कि किसी विद्यार्थी को नकल करते पकड़ना ही शिक्षक की गलती है। लेकिन यहीं से कहानी का दूसरा और अधिक गंभीर पक्ष सामने आता है। आखिर इतनी छोटी असफलता इतनी बड़ी क्यों बन रही है? एक परीक्षा में पकड़ा जाना, एक विषय में फेल होना, कम अंक आना या किसी नियम का उल्लंघन करना। ये जीवन की कठिन परिस्थितियां हो सकती हैं, लेकिन जीवन का अंत नहीं। शिक्षा व्यवस्था को अपना नजरिया बदलना होगा। काउंसलिंग केवल उस समय नहीं होनी चाहिए जब कोई विद्यार्थी संकट में पहुंच जाए। नियमित मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग को शिक्षा व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। आईआईटी बॉम्बे सहित कई उच्च शिक्षण संस्थानों में काउंसलिंग और वेलनेस की व्यवस्थाएं पहले से मौजूद हैं। लेकिन अब जरूरत इन सेवाओं को नियमित छात्र-जीवन का हिस्सा बनाने की है। इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि मानसिक स्वास्थ्य के नाम पर अनुशासन खत्म कर दिया जाए। नकल को नकल ही कहा जाना चाहिए। नियम तोड़ने पर उचित कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन कार्रवाई और अपमान में फर्क है। अनुशासन और प्रताड़ना में अंतर है। गलती बताने और विद्यार्थी को तोड़ देने में भी फर्क है। शिक्षक का काम नियम लागू करना है। संस्थान का काम नियमों के साथ निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करना है।

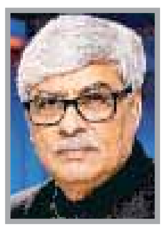

सियासत
ओमकार चौधरी

राहुल गांधी के “वोट चोरी, सरकार चोरी और अब पार्टी चोरी” वाले आरोप ने तृणमूल कांग्रेस के नाम-चिह्न विवाद को व्यापक राजनीतिक बहस में बदल दिया है। चुनाव आयोग का कहना है कि दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के दावों के कारण अंतिम निर्णय तक मूल नाम और चिह्न पर रोक लगाई गई है। लेकिन इस बहस को केवल मौजूदा विवाद तक सीमित रखना इतिहास को अधूरा पढ़ना होगा। भारतीय राजनीति में दलों का विभाजन, समर्थन वापसी, गठबंधन और अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल लंबे समय से सत्ता-संघर्ष का हिस्सा रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस समेत सभी दलों के अतीत को तथ्यों की कसौटी पर परखना जरूरी है।

कांग्रेस के कृत्य भी याद करें राहुल

राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव-चिह्न पर चुनाव आयोग की अंतरिम रोक के बाद भाजपा और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पहले शिवसेना, फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और अब तृणमूल कांग्रेस हर बार एक ही तरीका अपनाया गया: पार्टी तोड़ी गई, चुनाव-चिह्न पर कब्ज़े की लड़ाई खड़ी हुई और जनता के जनादेश को पलटने का प्रयास हुआ। उन्होंने इसे “वोट चोरी, सरकार चोरी और अब पार्टी चोरी” की भाषा में व्यक्त किया। चुनाव आयोग का पक्ष अलग है। आयोग का कहना है कि तृणमूल के दो प्रतिद्वंद्वी गुटों ने पार्टी के नाम और चुनाव-चिह्न पर दावा किया, इसलिए अंतिम निर्णय तक दोनों को मूल नाम और चिह्न के उपयोग से रोका गया।

राहुल का आरोप राजनीतिक रूप से तीखा है और इसकी जांच वर्तमान तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए। लेकिन जब कांग्रेस स्वयं विपक्षी दलों की सरकारें गिराने, दलों में विभाजन कराने या जनादेश पलटने की राजनीति का आरोप लगाती है, तब उसके अपने लंबे राजनीतिक इतिहास की समीक्षा भी जरूरी हो जाती है। इतिहास यह बताता है कि भारत में सत्ता की राजनीति, गठबंधन तोड़ने, समर्थन वापस लेने और अनुच्छेद 356 के इस्तेमाल का सिलसिला किसी एक दल तक सीमित नहीं रहा। मगर कांग्रेस का रिकॉर्ड इसलिए विशेष रूप से चर्चा में आता है, क्योंकि उसने दशकों तक केंद्र की सत्ता संभाली और इसी दौरान अनुच्छेद 356 का सबसे व्यापक इस्तेमाल हुआ। सबसे शुरुआती चर्चित उदाहरण 1959 का केरल है। जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री थे और ई.एम.एस. नंबूदरीपाद के नेतृत्व में निर्वाचित कम्युनिस्ट सरकार सत्ता में थी। राजनीतिक आंदोलन और कानून-व्यवस्था के सवालों के बीच केंद्र ने अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल कर सरकार बर्खास्त कर दी। यह स्वतंत्र भारत में किसी निर्वाचित विपक्षी राज्य सरकार को हटाने के शुरुआती बड़े उदाहरणों में से एक था। उपलब्ध अभिलेख बताते हैं कि नेहरू सरकार 1959 तक अनुच्छेद 356 का छह बार उपयोग कर चुकी थी। इसके बाद इंदिरा गांधी के दौर में राष्ट्रपति शासन का इस्तेमाल कहीं बड़े पैमाने पर हुआ। 1967 से 1969 के बीच ही अनुच्छेद 356 सात बार लगाया गया। 1970 से 1974 के बीच राष्ट्रपति शासन 19 बार लगाया गया। यह वह दौर था जब राज्यों में गैर-कांग्रेसी गठबंधन उभर रहे थे, दल-बदल बढ़ रहा था और कांग्रेस के केंद्रीय वर्चस्व को चुनौती मिल रही थी। लेकिन सबसे उल्लेखनीय घटना फरवरी 1980 की है। इंदिरा गांधी लोकसभा चुनाव जीतकर सत्ता में लौटीं और इसके तुरंत बाद नौ गैर-कांग्रेसी राज्यों की विधानसभाएं भंग कर दी गईं। ये राज्य थे। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, ओडिशा, गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु। गृह मंत्रालय के आधिकारिक अभिलेख में भी 17 फरवरी 1980 को इन नौ राज्यों में अनुच्छेद 356 लागू कर विधानसभाएं भंग किए जाने का विवरण दर्ज है।

इतिहास की निष्पक्षता के लिए यह भी जोड़ना जरूरी है कि 1977 में जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने भी सत्ता में आते ही कई कांग्रेस-शासित राज्यों की सरकारें हटाई थीं। 1980 की कार्रवाई को उसी राजनीतिक परंपरा की उलटी प्रतिक्रिया के रूप में भी देखा गया। कांग्रेस के राजनीतिक हस्तक्षेप का एक अलग उदाहरण 1979 का है। चरण सिंह प्रधानमंत्री बने

थे और उनकी सरकार कांग्रेस के बाहरी समर्थन पर निर्भर थी। विश्वास मत से पहले इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाले कांग्रेस समूह ने समर्थन वापस ले लिया। चरण सिंह लोकसभा में बहुमत साबित करने से पहले ही इस्तीफा देने को मजबूर हुए। यह अनुच्छेद 356 का मामला नहीं था, लेकिन समर्थन देकर सरकार बनवाने और फिर समर्थन वापस लेकर सत्ता संकट खड़ा करने का स्पष्ट उदाहरण था। 1989 में कर्नाटक की एस.आर. बोम्मई सरकार की बर्खास्तगी ने इस पूरे प्रश्न को संवैधानिक मोड़ दिया। केंद्र की कांग्रेस सरकार ने बहुमत खोने की राज्यपाल की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की। मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा और 1994 में नौ न्यायाधीशों की पीठ ने ऐतिहासिक फैसला दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति की कार्रवाई न्यायिक समीक्षा से बाहर नहीं है और इस शक्ति का इस्तेमाल केंद्र में सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक हितों के लिए नहीं किया जा सकता। 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंह राव की कांग्रेस सरकार ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश की भाजपा सरकारें बर्खास्त कर दीं। उत्तर प्रदेश में घटनाक्रम अलग था, क्योंकि मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने पहले इस्तीफा दिया था और उसके बाद राष्ट्रपति शासन लगाया गया। फिर भी 1992-93 की कार्रवाई अनुच्छेद 356 के राजनीतिक इस्तेमाल पर होने वाली बहस का प्रमुख हिस्सा बनी। केंद्र की राजनीति में 1999 का वाजपेयी सरकार प्रकरण अक्सर कांग्रेस के खिलाफ उदाहरण के रूप में दिया जाता है। यहां तथ्यों को ठीक क्रम में रखना जरूरी है। संकट तब शुरू हुआ जब जयललिता की अन्नाद्रमुक, जिसके 18 सांसद थे, ने वाजपेयी सरकार से समर्थन वापस लिया। राष्ट्रपति के निर्देश पर प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने विश्वास मत मांगा और 17 अप्रैल 1999 को प्रस्ताव 269 के मुकाबले 270 मतों से पराजित हुआ। 2018 के कर्नाटक चुनाव ने गठबंधन राजनीति का नया उदाहरण दिया। भाजपा 104 सीटों के साथ सबसे बड़ा दल बनी, लेकिन बहुमत से आठ सीट पीछे थी। कांग्रेस को 78 और जेडी(एस) को 37 सीटें मिलीं। कांग्रेस ने जेडी(एस) नेता एच.डी. कुमारस्वामी को समर्थन दिया और दोनों दलों ने सरकार बनाई। यह पूरी तरह संवैधानिक चुनाव-बाद गठबंधन था, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से भाजपा ने इसे सबसे बड़े दल को सत्ता से दूर रखने की रणनीति बताया। 2019 के महाराष्ट्र चुनाव में स्थिति और जटिल थी। भाजपा ने 105 और शिवसेना ने 56 सीटें जीतीं। दोनों चुनाव-पूर्व गठबंधन में थे और संयुक्त संख्या स्पष्ट बहुमत से ऊपर थी। राहुल आज “वोट चोरी, सरकार चोरी और पार्टी चोरी” की बात कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस का अपना इतिहास भी सत्ता-समीकरण, समर्थन वापसी, अनुच्छेद 356 के इस्तेमाल और चुनाव-बाद गठबंधन की राजनीति से खाली नहीं है। 1959 का केरल, 1980 के नौ राज्य, 1992 की भाजपा सरकारें, 1979 में चरण सिंह, 2018 का कर्नाटक और 2019 का महाराष्ट्र ये सभी घटनाएं इस राजनीतिक इतिहास के दस्तावेज हैं। इसलिए कांग्रेस को पूरी तरह “दूध की धुली” मानना इतिहास के साथ न्याय नहीं होगा। इतिहास किसी एक दल को निर्दोष या दोषी घोषित करने का साधन नहीं होना चाहिए, बल्कि यह याद दिलाने का माध्यम होना चाहिए कि भारतीय राजनीति में सत्ता के लिए गठबंधन, विभाजन, समर्थन-वापसी और संवैधानिक प्रावधानों के राजनीतिक इस्तेमाल की परंपरा पुरानी है और कांग्रेस भी उससे बाहर नहीं रही।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

चिंता
महेन्द्र तिवारी

युद्ध, दुष्प्रचार और एआई का उभरता हुआ संकट

कभी युद्ध तलवारों और तोपों से लड़े जाते थे, फिर बारूद, टैंक, लड़ाकू विमान और मिसाइलों ने युद्ध की प्रकृति बदल दी। 21वीं सदी में युद्ध का सबसे बड़ा परिवर्तन हथियारों से अधिक सूचना और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआई) केवल सुविधा प्रदान करने वाली तकनीक नहीं रह गई है, बल्कि वह युद्ध, आतंकवाद, साइबर अपराध और वैश्विक सुरक्षा के केंद्र में पहुंच चुकी है। हाल के अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों और सुरक्षा रिपोर्टों ने चेतावनी दी है कि उग्रवादी तथा अपराधी समूह संवाद आधारित एआई का उपयोग रणनीतिक सलाह, दुष्प्रचार, साइबर हमलों की तैयारी और भर्ती अभियानों के लिए करने लगे हैं। इससे विश्व समुदाय के सामने एक नई और जटिल सुरक्षा चुनौती खड़ी हो गई है। एआई का मूल उद्देश्य मनुष्य के निर्णय, विश्लेषण और कार्य क्षमता को बेहतर बनाना था। चिकित्सा, कृषि, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और वैज्ञानिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में इसके असंख्य सकारात्मक उपयोग सामने आए हैं। यही तकनीक रोगों की पहचान करती है, मौसम का पूर्वानुमान देती है, किसानों को सलाह देती है और विद्यार्थियों के लिए व्यक्तिगत अध्ययन सामग्री तैयार करती है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब यही क्षमता गलत हाथों में पहुंच जाती है। हाल में प्रकाशित एक विस्तृत सुरक्षा रिपोर्ट में कई ऐसे उदाहरण सामने आए, जिनमें राज्य समर्थित समूहों, हथियार विकसित करने वाले नेटवर्क, जासूसी तंत्र, दुष्प्रचार फैलाने वाले संगठनों और साइबर अपराधियों ने एआई का उपयोग अपने अभियानों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए किया। रिपोर्ट के अनुसार पहले जिन कार्यों के लिए विशेषज्ञों की पूरी टीम और लंबा समय आवश्यक होता था, अब वही कार्य कुछ व्यक्तियों द्वारा बहुत कम समय में किए जा सकते हैं। यह परिवर्तन केवल गति का नहीं, बल्कि क्षमता के लोकतंत्रीकरण का भी संकेत है। अब अत्यधिक तकनीकी ज्ञान के बिना भी कोई समूह बड़े पैमाने पर प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। सबसे गंभीर चिंता साइबर युद्ध को लेकर व्यक्त की जा रही है। संवाद आधारित एआई विशाल मात्रा में उपलब्ध सूचनाओं का विश्लेषण करके संभावित कमजोरियों की पहचान कर सकती है। यही क्षमता किसी संस्था को अपने तंत्र की सुरक्षा मजबूत करने में भी सहायता देती है और दुर्भावनापूर्ण तत्वों को कमजोरियों को समझने में भी लाभ पहुंचा सकती है। डीपफेक तकनीक ने इस संकट को और जटिल बना दिया है। किसी नेता, सैनिक या अधिकारी की कृत्रिम आवाज अथवा वीडियो बनाकर गलत संदेश प्रसारित किया जा सकता है। युद्ध जैसी संवेदनशील परिस्थितियों में ऐसी सामग्री कुछ ही घंटों में व्यापक भ्रम और सामाजिक अशांति पैदा कर सकती है। यही कारण है कि अनेक देशों की सुरक्षा एजेंसियां अब केवल सीमा सुरक्षा ही नहीं, बल्कि डिजिटल सूचना की विश्वसनीयता की रक्षा को भी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा मान रही रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष ने यह भी दिखाया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधुनिक युद्ध में निर्णय प्रक्रिया को कितना तेज कर सकती है। उपग्रह चित्रों, ड्रोन से प्राप्त वीडियो, रडार संकेतों और अन्य आंकड़ों का तत्काल विश्लेषण करके लक्ष्य पहचानने और संसाधनों के उपयोग में सहायता मिलती है। इससे युद्ध संचालन अधिक सटीक और तीव्र हो जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण विचार यह उभर रहा है कि परमाणु हथियारों की तरह एआई के लिए भी स्पष्ट सुरक्षा सीमाएं निर्धारित की जाएं। हाल के संयुक्त संवाद में सुरक्षा विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि परमाणु नियंत्रण प्रणाली, महत्वपूर्ण साइबर संरचनाओं और स्वचालित सैन्य प्रतिक्रिया पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता को स्वतंत्र निर्णय लेने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। साथ ही आकस्मिक घटनाओं की स्थिति में देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद तंत्र विकसित करने की भी आवश्यकता बताई गई है, जिससे गलतफहमी के कारण युद्ध की आशंका कम हो सके। इतिहास सिखाता है कि हर महान तकनीकी खोज मानवता के लिए अवसर और संकट दोनों लेकर आई है। बिजली ने उद्योगों को गति दी, लेकिन उससे विनाशकारी हथियार भी बने। परमाणु ऊर्जा ने चिकित्सा और ऊर्जा उत्पादन में योगदान दिया, पर उसी से परमाणु बम भी बना। कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी उसी मोड़ पर खड़ी है। यह मानव कल्याण की सबसे बड़ी सहायक बन सकती है और यदि उसका दुरुपयोग हुआ तो वैश्विक अस्थिरता का कारण भी बन सकती है। इसलिए आज सबसे बड़ी आवश्यकता तकनीक को रोकने की नहीं, बल्कि उसे मानवीय मूल्यों, लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के साथ संचालित करने की है। भविष्य का सुरक्षित विश्व केवल बुद्धिमान मशीनों से नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण मनुष्यों से निर्मित होगा।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

यह मन का कमाल है

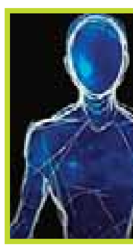

संकलित
दर्शन

सिर्फ अनुभव करने से ही यह आएगी। अगर आप अपनी आंखें बंद करके अपने मन से कोई चीज हटाने की कोशिश करते हैं, तो आप कभी सफल नहीं होंगे। दाढ़ी बनाते समय बहुत से लोग अपना चेहरा काट लेते हैं, क्योंकि वे त्वचा से अधिक निकट दाढ़ी काटना चाहते हैं और रेजर उनकी योजना से अधिक निकट चला जाता है। यह मन का कमाल है। जो चीजें आप चाहते हैं, उनका प्रतिरोध करने की कोशिश कीजिए। आप देखेंगे कि वे आपके अंदर तीव्रता से व्यक्त होंगी। अगर आप कोई चीज नहीं चाहते हैं कि वह हो, तो उसे न होने देने की कोशिश कीजिए। तब वह जरूर होगी। ऐसा इसलिए है, क्योंकि आप एक ऐसी अवस्था में हैं, जहां आप अपने मन को पहले गियर में डालना चाहते हैं और वह रिवर्स गियर में चला जाता है। चीजें करने का यह सबसे अच्छा तरीका नहीं है, लेकिन यह समझने के लिए कि अभी मन उसी तरह है, आप इसे आजमा सकते हैं। अगर आप किसी चीज का विरोध करते हैं, तो सिर्फ वही चीज घटित होगी। इसलिए मन का प्रतिरोध मन कीजिए, अपने मन की खोज कीजिए। आपका मन कैसे कार्य करता है, उसे समझना किसी बौद्धिक विश्लेषण से नहीं आता। इसकी खोज करनी पड़ती है। अपने शरीर को एक मुद्रा में रखिए और ध्यान दीजिए कि आपका मन किस विशेष ढंग से काम करता है। अपने शरीर को दूसरी मुद्रा में रखिए और ध्यान दीजिए कि आपका मन एक अलग ढंग से काम करता है। अगर आप एक आसन में बैठकर ठीक ढंग से सांस लेते हैं, तो मन विभिन्न अवस्थाओं में चला जाएगा।

काम शुरू करने से महत्वपूर्ण है काम करते रहना

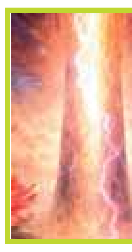

संकलित
प्रेरणा

एक प्राचीन कथा के मुताबिक, ब्रह्मा और विष्णु ने शिवलिंग के मस्तक और पैरों की खोज शुरू की। ब्रह्मा को शिव का मस्तक ढूंढने का और विष्णु को शिव के पैर ढूंढने का कार्य सौंपा गया। सभी देवता इसके आरंभ और अंत के विषय में जानने के लिए उत्सुक थे। ब्रह्मा ने अपनी यात्रा आरंभ की और वे आगे बढ़ते गए। कई लोक पीछे छूट गए और कई युग बीत गए। फिर भी ब्रह्मा शिव के मस्तक का पता नहीं लगा पाए। सृष्टि का एक अंत है। सृजन एक बिंदु पर समाप्त होता है। ब्रह्मा ने अपनी यात्रा उसके बाद भी जारी रखी। उन्होंने एक केतकी का पुष्प देखा जो आकाश से नीचे आ रहा था। ब्रह्मा ने केतकी पुष्प से पूछा, ‘तुम कहां से आ रहे हो? क्या तुमने शिव का मस्तक देखा है? यहां से शिव का मस्तक कितनी दूर है?’ केतकी पुष्प ने कहा, ‘मैं शिव के मस्तक से आ रहा हूं।’ तो ब्रह्मा ने निष्कर्ष निकाला कि शिव का एक मस्तक था और वे पुष्प लेकर नीचे आए। विष्णु का कार्य शिव के पैरों की खोज करना था। ऐसा कहा जाता है कि विष्णु बहुत विनम्र हैं। पालनकर्ता को हमेशा बहुत विनम्र होना चाहिए। रचयिता जैसा भी हो, यदि पालनकर्ता विनम्र हो, तभी पालन कार्य संभव है। व्यवसाय आरंभ करना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन आपको व्यवसाय चलाने के लिए बहुत सतर्क, बहुत विनम्र रहना पड़ेगा, अन्यथा व्यापार डूब जाएगा। विष्णु की विनम्रता ने ही उन्हें शिव के चरणों को ढूंढने का कार्य करने योग्य बनाया। युगों तक यात्रा करने के बाद, विष्णु शिव के चरणों को ढूंढने में सक्षम नहीं हुए।

सटाका

आज की पाती

न्याय में देरी, व्यवस्था पर भारी

सुप्रीम कोर्ट से लेकर निचली अदालतों तक लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ रही है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या 65 लाख पार कर गई है। इनमें बड़ी संख्या ऐसे मामलों की है, जो वर्षों से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इलाहाबाद और राजस्थान हाई कोर्ट में लंबित मामलों का बोझ बड़ा है। बंबई, मद्रास, कर्नाटक और मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की स्थिति चिंताजनक है। विडंबना यह है कि हाई कोर्ट का यह बोझ पूरे न्यायिक संकट का केवल एक हिस्सा है। जिला और अधीनस्थ अदालतों में करोड़ों मामले लंबित हैं, जबकि सुप्रीम कोर्ट में भी लंबित मामलों की संख्या बढ़ रही है। एनसीएलटी और विभिन्न न्यायाधिकरण भी मुकदमों के बढ़ते दबाव से जूझ रहे हैं। यानी न्याय के हर मंच पर समय की कमी और मामलों की अधिकता एक साथ दिखाई दे रही है।

- कृष्ण शर्मा, रोहतक

ट्रेंड

हनुमान अंश की टीम को बधाई

आज नई दिल्ली में बाबा नीब करौरी जी के जीवन पर आधारित फिल्म ‘हनुमान अंश’ के कलाकारों से भेंट की। हनुमान जी के प्रति उनकी भक्ति को सिनेमा के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने के लिए फिल्म की पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। **-अमित शाह**, गृह मंत्री

एसआईआर ने फंसाया

एसआईआर केवल वोट चोरी व लोकतंत्र को खत्म करने का औजार ही नहीं है। बल्कि ये एक फ्रेंकेंस्टीन मॉन्स्टर (एक कहानी का किरदार) बन गया है, जिसने अब उसी के लोगों को फंसा दिया है।
-मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

दशहरे पर लागू होगा समझौता

हम अपनी द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी में अगले महत्वपूर्ण पड़ाव को आगे बढ़ा रहे हैं। भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता 20 अक्टूबर को 'दशहरा' के शुभ अवसर पर लागू होगा। यह न्यूजीलैंड के साथ एक मजबूत और अधिक महत्वाकांक्षी आर्थिक साझेदारी बनाने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। **-पीयूष गोयल**, केंद्रीय मंत्री

ट्रंप से अहम मुलाकात

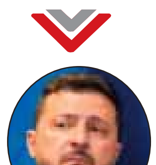

रूस के साथ साढ़े चार साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए यह मुलाकात बहुत अहम है और इससे बहुत कुछ बदल सकता है। हमने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से बात की है। दोनों ने तय किया है कि वे अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना सत्र के दौरान मुलाकात करेंगे।
-वोलोदिमिर जेलेंस्की, यूक्रेन के राष्ट्रपति

करंट अफेयर

अत्यधिक मजबूत प्रतिरक्षा के बावजूद लूपस से पीड़ित लोग

लूपस बीमारी से पीड़ित लोगों को अत्यधिक सक्रिय प्रतिरक्षा प्रणाली होने के बावजूद जीवाणु संक्रमण से निजात पाने में समस्या पेश आ सकती है। मेरी टीम और मैंने पाया कि ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि पुरानी और निरंतर रहने वाली सूजन ऐसे लोगों की प्रतिरक्षा कोशिकाओं को भ्रमित कर देती है। एक अत्यधिक सक्रिय प्रतिरक्षा प्रणाली जीवाणु संक्रमण को नियंत्रित करने में विफल क्यों हो सकती है, इसे समझने के लिए हमने न्यूट्रोफिल पर ध्यान केंद्रित किया। न्यूट्रोफिल ऐसी सफेद रक्त कोशिकाएं होती हैं जो शरीर में जीवाणु के प्रवेश करने पर सबसे पहले प्रतिक्रिया करती हैं। न्यूट्रोफिल डीएनए और रोगाणुरोधी प्रोटीन छोड़ सकते हैं, जिन्हें न्यूट्रोफिल एक्स्ट्रासेलुलर ट्रैप या ‘नेट्स’ कहा जाता है। ये नेट्स जीवाणु (बैक्टीरिया) को जकड़कर उनके फैलाव को सीमित कर सकते हैं और उन्हें मार सकते हैं। वैज्ञानिक अक्सर इन ट्रैप को एक समान मानते हैं, लेकिन शरीर अलग-अलग तरीकों से नेट्स बना सकता है, और वे सभी एक समान रूप से प्रभावी नहीं होते। उदाहरण के लिए, ‘स्टैफिलोकोकस ऑरियस’ नामक बैक्टीरिया शरीर पर हमला करता है तो लैक्टेट नाम का एक रसायन छोड़ता है। इसके बाद न्यूट्रोफिल एक जाल बनाता है, जो जीवाणुरोधी प्रोटीन से भरपूर होता है।

ऑफ बीट

नींद में क्यों बोलते हैं लोग? मनोवैज्ञानिक ने समझाया

नींद मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ माइकल आर. नाडोर्फ ने बताया कि उन्होंने करीब दो दशक तक नींद का अध्ययन किया है। उन्हें खास तौर पर ‘पैरासोमनिया’ में दिलचस्पी है। यह ऐसी घटनाएं होती हैं जिनमें नींद के दौरान शरीर कुछ गतिविधियां करता है या दिमाग कुछ अनुभवों से गुजरता है। इनमें बुरे सपने, नींद में चलना और नींद में बोलना शामिल हैं। नींद एक ही अवस्था नहीं है। हर रात व्यक्ति नींद के कई चरणों से गुजरता है। करीब एक चौथाई नींद ‘आरईएम’ यानी ‘रैपिड आई मूवमेंट’ (आंखों की तेज गति) चरण में होती है। इसी दौरान ज्यादातर सपने, खासकर जीवंत सपने, आते हैं। ‘नॉन-आरईएम’ नींद, जिसमें गहरी नींद की अवस्थाएं भी शामिल हैं, रात की कुल नींद का करीब 75 से 80 प्रतिशत हिस्सा होती है। इस दौरान शरीर की गतिविधियां काफी धीमी हो जाती हैं, जिससे उसे आराम करने और खुद की मरम्मत करने का अवसर मिलता है। डॉक्टर इन सभी चरणों को मिलाकर ‘स्लीप आर्किटेक्चर’ कहते हैं। ये चरण रात में लगभग हर 90 मिनट में चक्र के रूप में दोहराते हैं। सोने के तुरंत बाद नॉन-आरईएम नींद अधिक होती है, जबकि सुबह के शुरुआती घंटों में आरईएम नींद का हिस्सा बढ़ जाता है। चूहों से लेकर बिल्लियों और हाथियों तक सभी स्तनधारी किसी न किसी रूप में सोते हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु के करवट बदलने से जुड़ा है पर्व, परिवार के साथ पूजन की परंपरा

परिवर्तिनी एकादशी पर आज होगा भगवान पद्मनाभ स्वामी का पूजन, भक्त करेंगे सुख-समृद्धि की कामना

जबलपुर। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाई जाने वाली परिवर्तिनी एकादशी, जिसे पद्मा एकादशी और जयंती एकादशी के नाम से भी जाना जाता है, सनातन धर्म में विशेष आध्यात्मिक महत्व रखती है। इस अवसर पर भगवान श्रीहरि विष्णु के पद्मनाभ स्वामी स्वरूप का पूजन किया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, चातुर्मास के दौरान योगनिद्रा में विराजमान भगवान विष्णु इस दिन करवट बदलते हैं, जिसके कारण इसे परिवर्तिनी एकादशी कहा जाता है। इस वर्ष एकादशी का पर्व मंगलवार, 22 सितंबर 2026 को मनाया जाएगा।

महाराज मान्धाता के समय अकाल समाप्त होने की मान्यता

धार्मिक परंपरा के अनुसार, रघुकुल वंश के राजा महाराज मान्धाता के शासनकाल में भीषण अनावृष्टि के कारण अकाल पड़ गया था। इससे जन-धन की हानि होने लगी। राजा ने अपने कुलगुरु ब्रह्मर्षि अंगिरस से अकाल समाप्त करने के उपाय की जानकारी मांगी। ब्रह्मर्षि ने भाद्रपद शुक्ल एकादशी का व्रत, विधि-विधान से पूजन और हवन करने का सुझाव दिया। मान्यता है कि इसके बाद वर्षा हुई और अकाल समाप्त हो गया। इसी प्रसंग को परिवर्तिनी एकादशी के धार्मिक महत्व से जोड़कर देखा जाता है।

परिवार के साथ पूजन की परंपरा

परिवर्तिनी एकादशी के अवसर पर वैष्णव जन भगवान पद्मनाभ स्वामी का पूजन, हवन और भोग अर्पित करते हैं। धार्मिक परंपरा के अनुसार, व्रत के बाद सात्विक प्रसाद तैयार कर भगवान को भोग लगाया जाता है और परिवार के सदस्य प्रसाद ग्रहण करते हैं। पं. उमेश नारायण के अनुसार, यह महोत्सव मातृ ऋषिकाओं द्वारा मायके से लाई गई परंपरा के रूप में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चल रहा है। परिवार के सभी सदस्य एक स्थान पर एकत्र होकर देवी पद्मावती को कुलदेवी के स्वरूप में पूजन करते हैं।

व्रत, पूजन और आध्यात्मिक संदेश

परिवर्तिनी एकादशी पर भगवान विष्णु को पीले फूल, चंदन, अक्षत, तुलसी दल, धूप और दीप अर्पित करने का विधान बताया गया है। श्रद्धालु भगवान के मंत्रों का जाप, विष्णु सहस्रनाम का पाठ और भजन-कीर्तन करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, व्रत से पापों का शमन और आध्यात्मिक कल्याण की प्राप्ति होती है। इस दिन मनुष्य को क्रोध, मोह और बुरी आदतों का त्याग कर सदाचार व भक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। पं. उमेश नारायण ने भगवान श्रीहरि से प्रार्थना की कि संतति को सद्बुद्धि मिले और यह परंपरा सदैव कायम रहे।

एमपी ट्रांसको के 12 सहायक अभियंताओं को मिलेगा चतुर्थ समयमान वेतनमान

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले 12 सहायक अभियंताओं को चतुर्थ समयमान वेतनमान स्वीकृत किया है। इसके तहत अधिकारियों को कंपनी के सातवें वेतनमान के लेवल-12 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के समकक्ष वेतनमान प्रदान किया गया है। एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता मानव संसाधन एवं प्रशासन धीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस निर्णय से संबंधित अधिकारियों को 35 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर उच्चतर वेतनमान का लाभ मिलेगा। लाभान्वित अधिकारियों में मेहुल मेहता, अतुल पराडकर, अविनाश कुमार जैन, अनय निगम, शशिकांत ओझा, देवेंद्र गिरि गोस्वामी, अजय कुमार चौरसिया, विलास नगट, ब्रजेश कुमार बबेल, बिपिन खरे तथा विजय टट्टे (सेवानिवृत्त) शामिल हैं। एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने उच्चतर वेतनमान प्राप्त करने वाले अधिकारियों को बधाई दी है।

दशलक्षण महापर्व पर ज्ञानायतन में हुआ अध्यात्मपूर्ण आयोजन

जबलपुर। दशलक्षण महापर्व के पावन अवसर पर पाटन रोड स्थित ज्ञानायतन परिसर के श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जिन मंदिर में धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किए जा रहे हैं। महापर्व के तहत प्रतिदिन प्रातःकाल श्रीजी का अभिषेक एवं पूजन, दोपहर में मोक्षशास्त्र की कक्षा तथा रात्रि में जिनभक्ति के साथ ज्ञानार्थियों द्वारा शास्त्र स्वाध्याय एवं गोष्ठी के माध्यम से जिनसूत्रों का अध्ययन किया जा रहा है। कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों एवं श्रद्धालुओं को धर्म, आत्मचिंतन और सदाचार की प्रेरणा दी जा रही है। सभी आयोजन ज्ञानायतन विद्यापीठ के तत्वावधान में संस्था के अधीक्षक अभिनन्दन शास्त्री एवं शशांक शास्त्री के निर्देशन में संपन्न हो रहे हैं। ज्ञानायतन के विद्यार्थी धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता कर महापर्व मना रहे हैं। रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को नैतिक, सामाजिक एवं धार्मिक मूल्यों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, महापर्व का उद्देश्य विद्यार्थियों में धार्मिक संस्कारों के साथ आत्मानुशासन, सदाचार, सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं आध्यात्मिक चेतना का विकास करना है।

इंजन के नीचे से कॉपर केबल काटकर चोरी करते युवक को आरपीएफ ने पकड़ा

जबलपुर। रेल संपत्ति की चोरी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट जबलपुर की टीम ने जेईएसजी साइडिंग में रेल इंजन के नीचे से कॉपर केबल चोरी करते एक युवक को पकड़ लिया। उसके कब्जे से करीब एक मीटर लंबी कॉपर केबल बरामद की गई। जानकारी के अनुसार, उपनिरीक्षक राजकुमार चंदेल स्टाफ के साथ आधारताल रेलवे स्टेशन क्षेत्र में गश्त एवं चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान जेईएसजी साइडिंग में एक संदिग्ध युवक प्लास्टिक की बोरी लेकर इंजन के नीचे से निकलता दिखाई दिया। आरपीएफ टीम को देखकर उसने भागने का प्रयास किया, लेकिन जवानों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।पूछताछ में युवक ने अपना नाम सैफी खान उर्फ सलमान (29), निवासी आजाद वार्ड, कंधेली, नरसिंहपुर, हाल निवासी मोतीनाला पानी की टंकी, थाना गोहलपुर, जबलपुर बताया। उसने आरी से इंजन के नीचे लगी कॉपर केबल काटकर चोरी करने की बात स्वीकार की। मामले की जांच उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार ने की। आरोपी के विरुद्ध रेल संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम की धारा 3(ए) एवं रेल अधिनियम की धारा 147 के तहत अपराध क्रमांक 38/2026 दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। सत्यापन के बाद आरोपी को नियमानुसार नोटिस देकर रिहा कर दिया गया।

चित्रकला में बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता का संदेश

जबलपुर। Rotary Calendar के अनुसार सितंबर माह को "Basic Education & Literacy Month" के रूप में मनाया जाता है। इसी क्रम में Rotary Club of Jabalpur Greater द्वारा Ideal School, आधारताल में विशेष Service Meeting एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 4 से 8 तक के करीब 150 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता की थीम "Environment Development, Awareness & Hygiene" रखी गई। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक चित्रकारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया। प्रतियोगिता को विद्यार्थियों की कक्षा एवं आयु के अनुरूप Junior एवं Senior वर्ग में विभाजित किया गया। दोनों वर्गों में बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति और रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आकर्षक चित्रों ने अतिथियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का ध्यान खींचा। कार्यक्रम में अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया। Rotary Club of Jabalpur Greater की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक एवं क्लब सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नयागांव को-ऑपरेटिव सोसाइटी में वार्षिक आमसभा संपन्न

जबलपुर। नयागांव को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि. जबलपुर में दिनांक 20/09/2026 को संस्था कार्यालय परिसर में वार्षिक आमसभा का आयोजन अध्यक्ष रजत भार्गव की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें सोसाइटी के सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समिति के अध्यक्ष रजत भार्गव ने पूर्व में कराए विकास कार्य की जानकारी एवं आगामी वर्ष में कराए जाने वाले कार्यों के विषय में चर्चा की। बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए एवं समिति के सदस्यों ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किये। विषयवस्तु जैसे बजट वर्ष 2025-26 एवं 2026-27, आडिट वर्ष 2025-26, सुरक्षा व्यवस्था, रख-रखाव आदि विषयों पर चर्चा कर सभी सदस्यों द्वारा प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इस अवसर पर सोसाइटी के वरिष्ठ सदस्य अजय विश्नोई एवं संजय अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, माधवी महेश्वरी एवं अन्य संचालक मंडल के सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष रजत भार्गव के द्वारा समिति के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

डीईओ के बैठक में नहीं पहुंचने पर कर्मचारी संगठनों ने किया बहिष्कार

जबलपुर। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में 19 सितंबर को आयोजित परामर्शदात्री समिति की बैठक का मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने बहिष्कार कर दिया। संगठनों के प्रतिनिधियों के अनुसार, निर्धारित समय पर वे बैठक में पहुंच गए थे और जिला शिक्षा अधिकारी के आने की प्रतीक्षा करते रहे। शाम 7 बजे तक इंतजार के बाद भी अधिकारी के बैठक में उपस्थित नहीं होने पर प्रतिनिधियों ने नाराजगी जताई। शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि परामर्शदात्री समिति की बैठक शिक्षकों एवं कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसी बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी की अनुपस्थिति से बैठक के उद्देश्य और गरिमा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। विरोध स्वरूप मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ, मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस, मध्य प्रदेश लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ एवं मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों ने बैठक का बहिष्कार करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी की कार्यप्रणाली के प्रति विरोध दर्ज कराया। अटल उपाध्याय, विश्वदीप पटेरिया, योगेश चौधरी, आशीष तिवारी, मुकेश चतुर्वेदी, सुनील पचौरी, इंद्रपुरी गोस्वामी, मूलचंद अहिरवार एवं विजय शंकर बाजपेई सहित अन्य प्रतिनिधियों ने आगामी सात दिवस में कार्यदिवस पर बैठक आयोजित करने की मांग की। उन्होंने भविष्य में निर्धारित समय पर अधिकारी की उपस्थिति में बैठक आयोजित कर कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण में सहयोग की अपेक्षा जताई तथा बैठक में अधिकारी के उपस्थित नहीं होने की निंदा की।

रंगोली में साकार की श्री गणेश की मनमोहक आकृति

जबलपुर। श्री गणेश पर्व के उपलक्ष्य में स्थानीय श्री सुप्तेश्वर गणेश मंदिर में श्री सुप्तेश्वर विकास समिति के तत्वावधान में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में मातृशक्ति एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रंग-बिरंगे रंगों से श्री गणेश की आकर्षक आकृतियां उकेरीं। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता और कला का प्रदर्शन किया। मंदिर परिसर में सजी विभिन्न रंगोलियों ने श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रंगोली प्रतियोगिता प्रभारी मंजू पटेल, पुष्कल चौधरी, स्मिता चौधरी, वैशाली, कर्णीक, अभिलाषा नेमा, टिशू सिंह, ललिता अग्रवाल, सीमा राय एवं तृप्ति भल्ला सहित अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। समिति पदाधिकारियों ने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों एवं महिलाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं।

देव जी नेत्रालय को DNB ऑप्थैल्मोलॉजी की चार सीटों की मंजूरी

जबलपुर। महाकौशल अंचल के अग्रणी नेत्र चिकित्सा संस्थान दादा वीरेंद्र पुरी नेत्र संस्थान (देव जी नेत्रालय), तिलवाराघाट को स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। संस्थान को DNB (ऑप्थैल्मोलॉजी) की चार सीटें स्वीकृत हुई हैं। इस उपलब्धि की जानकारी देने के लिए संस्थान में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि DNB की स्वीकृति के साथ देव जी नेत्रालय ने चिकित्सा सेवाओं के साथ उच्च चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि DNB, National Board of Examinations in Medical Sciences (NBEMS) द्वारा प्रदान की जाने वाली स्नातकोत्तर चिकित्सा उपाधि है, जिसे भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा यह MD/MS के समतुल्य मानी जाती है। उन्होंने बताया कि DNB पाठ्यक्रम में क्लीनिकल एवं सर्जिकल प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया जाता है। संस्थान के अनुसार पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रवेश ले सकेंगे। डॉ. पवन स्थापक ने कहा कि चार DNB सीटों की स्वीकृति संस्थान के साथ चिकित्सकों एवं जबलपुर के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रेस वार्ता में अनुपमा स्थापक, डॉ. आयुष टंडन, डॉ. अर्पिता स्थापक, डॉ. अपूर्वा स्थापक, एड. अपर्णा स्थापक, डॉ. सोनिया टंडन सहित अन्य चिकित्सक एवं गणमान्य उपस्थित रहे।

79वें निरंकारी संत समागम की सेवाओं का हुआ शुभारंभ

जबलपुर। 79वां वार्षिक निरंकारी संत समागम 23 से 26 अक्टूबर 2026 तक संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा, हरियाणा में परम सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित के पावन सान्निध्य में आयोजित होगा। समागम में देश-विदेश सहित जबलपुर से भी श्रद्धालु शामिल होंगे। समागम की सेवाओं का शुभारंभ रविवार को श्रद्धा एवं सेवाभाव के साथ निरंकारी राजपिता रमित ने सेवा स्थल का उद्घाटन कर किया। इस अवसर पर मिशन की कार्यकारिणी समिति, केंद्रीय सेवादल के अधिकारी एवं हजारों श्रद्धालुओं ने सेवा कार्यों में सहभागिता की। संत निरंकारी मंडल की अध्यक्ष राजकुमारी 'मामी' एवं सचिव जोगिन्दर सुखीजा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर निरंकारी राजपिता का अभिनंदन किया। इस अवसर पर सेवा को साधना और समर्पण को जीवन का आधार बनाने का संदेश दिया गया। समागम में श्रद्धालुओं को सतगुरु के दर्शन एवं प्रवचनों के माध्यम से प्रेम, सेवा, करुणा और मानवता के भाव अपनाने की प्रेरणा मिलेगी।

महाकौशल में पहली बार पीवीआर स्क्रीन पर हुआ नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी का डेमोंस्ट्रेशन

जबलपुर। बोन एंड जॉइंट वेलनेस क्लिनिक के डायरेक्टर डॉ. अमित जयकुमार जैन (कोटवालों) के मार्गदर्शन में शनिवार को एम-11 स्थित पीवीआर स्क्रीन नंबर-1 में "एलाइनमेंट- द समिट ऑन नी रिप्लेसमेंट सर्जरी" विषय पर डॉक्टर संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें शहर के करीब 190 डॉक्टर, जनरल प्रैक्टिशनर एवं फिजियोथैरेपिस्ट शामिल हुए। महाकौशल क्षेत्र में पहली बार बड़े पर्दे पर जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी का डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत किया गया। डॉ. अमित जैन ने सर्जरी की तकनीक, आधुनिक इंप्लांट, न्यूनतम चीरा और सर्जरी की बारीकियों को वीडियो के माध्यम से चिकित्सकों के समक्ष साझा किया तथा उनके सवालों का समाधान किया। कार्यक्रम में चिकित्सकों के साथ गणमान्य नागरिक एवं नी-रिप्लेसमेंट करा चुके मरीज भी शामिल हुए। मरीजों ने सर्जरी के बाद दर्द में राहत और जीवनशैली में आए बदलावों के अनुभव साझा किए। संगोष्ठी में डॉ. चांदनी, शैलेंद्र सिंह ठाकुर, योगेंद्र दुबे, लालू (सचिन जैन), नरेश ग्रोवर, एडवोकेट राधे लाल गुप्ता सहित बोन एंड जॉइंट वेलनेस टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, जबलपुर (म.प्र.)
क्रमांक /253/वि.अधि. /2026
जबलपुर दिनांक 07/09/2026
सार्वजनिक सूचना
विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 6 के तहत
एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक Saiyad Tanveer Ali पिता Israr Ali उम्र 32 वर्ष निवासी 06 Civil Ward No. 02 Near Urdu School Damoh Khas Damoh 470661 एवं आवेदिका Varsha Diwakar पिता Mukesh Diwakar उम्र 23 वर्ष निवासी Badi Khermai Mandir Ke pass Hanumantal Jabalpur Ward 24 Jabalpur City PO Jabalpur 482002 के द्वारा समक्ष में उपस्थित होकर विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अंतर्गत विशेष विवाह अनुष्ठापन हेतु आवेदन पत्र दिनांक 07/09/2026 को प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रस्तावित विवाह अनुष्ठापन के विरूद्ध यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह आपत्ति लिखित रूप में इस न्यायालय में दिनांक 14/10/2026 को या इसके पूर्व न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। अवधि समाप्त होने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 07/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।
अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी
जिला जबलपुर (म.प्र.)

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक-12 घंटाघर नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं.सं.अधि/सं.क्रं.12/2026-27/ एम-29
दिनांक:- 21/09/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री नंद किशोर सोनकर पिता स्व. श्री दूधनाथ सोनकर ने मकान नं. 754 वार्ड लोकमान्य तिलक कुल क्षेत्रफल 1345 व.फु. निर्मित क्षेत्रफल 1312 व.फु. भूतल 656 व.फु. प्रथमतल 656 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-12, घंटाघर नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.12 घंटाघर
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-27/एम/177
दिनांक:- 21/09/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री दीपक रोहरा पिता श्री मोहन लाल रोहरा ने मकान नं. 2891/1ए/अ वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी क्षेत्रफल भूतल 300 व.फु.,, प्रथम तल 300 व.फु. द्वितीय तल 300 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-27/एम/178
दिनांक:- 21/09/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्रीमती इन्दु देवी जैन पति श्री सुरेश चंद जैन (2)श्रीमती मिनी जैन पति श्री संदेश जैन ने मकान नं. 518, 520, 521, 525 का भाग वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती खुली भूमि 5351 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-27/एम/179
दिनांक:- 21/09/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्री संदेश कुमार जैन पिता श्री सुरेश चंद जैन (2)श्री सुरेश चंद जैन पिता स्व. श्री हुकुम चंद जैन ने मकान नं. 518, 520, 521, 525 का भाग वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती खुली भूमि 5200 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

सीएम डॉ. यादव ने कहा, नीमच में शीघ्र शुरू होगा एयरपोर्ट, सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम का होगा निर्माण

आगामी वर्षों में साढ़े तीन लाख से अधिक शासकीय भर्तियां निकाली जाएंगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नीमच में शीघ्र ही एयरपोर्ट, खेल सुविधाओं में विस्तार के लिए सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले ढाई वर्षों में एक लाख से अधिक भर्तियां की गई हैं।

आगामी ढाई वर्षों में साढ़े तीन लाख से अधिक भर्तियां और की जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज नीमच के अग्रोहा भवन में आयोजित सेवा से संकल्प अभियान के अभिनंदन कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी और देश को विकास के पथ पर आगे ले जाने में उनके योगदान का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में सेवा से संकल्प अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत सभी जिलों में सेवा, जनभागीदारी और जनकल्याण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि संकल्प से ही शक्ति और विकास का मार्ग प्रशस्त होता है तथा प्रदेश सरकार इसी भावना के साथ निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने नीमच के विकास, नागरिकों के जुझारूपन और उद्यमशीलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को आयोजित 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम सनातन परंपरा और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।

सेवा से संकल्प अभियान के अभिनंदन कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम।

प्रदेश के बजट और रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र का शिक्षा बजट लगभग 5 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर 38 हजार करोड़ रुपए तथा प्रदेश का कुल बजट बढ़कर 4 लाख 48 हजार करोड़ रुपए हो गया है। उन्होंने प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में ड्रॉपआउट रेट शून्य होने को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय एक लाख 70 हजार रुपए से अधिक हो गई है। बिजली उत्पादन 32 हजार मेगावॉट से अधिक पहुंच गया है। वर्ष 2002 में प्रदेश में लगभग 5 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि वर्तमान में 33 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जिनमें करीब 8 हजार सीटें उपलब्ध हैं।

नीमच में एयरपोर्ट और सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पिछले वर्षों में 5 लाख किमी से अधिक सड़कों का निर्माण हुआ है। प्रमुख शहरों की कनेक्टिविटी एक्सप्रेस-वे के माध्यम से बेहतर की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल सुविधाओं के विस्तार से जिले के युवाओं और प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज चीता प्रोजेक्ट के तहत नीमच के खिमला क्षेत्र में मादा चीता को छोड़ा जा रहा है। मप्र वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व के अग्रणी देशों की कतार में है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

रंगमंच पर जीवंत होगी प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा, समर्पण और सुशासन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत प्रदेश में 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रदेशभर में विशेष नाट्य मंचनों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक जीवन यात्रा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। नाट्य प्रस्तुति में पीएम मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा तक की यात्रा को संवाद, अभिनय, संगीत और प्रभावशाली मंचन के माध्यम से दर्शाया जाएगा। राष्ट्र सेवा के प्रति उनका समर्पण, जनकल्याण के प्रयास, सुशासन तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और जनकल्याण पहुंचाने की भावना को विभिन्न प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' को सरल, संवेदनशील और संगीतमय स्वरूप दिया गया है। कुशल कलाकार अपने जीवंत अभिनय और प्रभावशाली संवादों के माध्यम से सेवा, समर्पण, अंत्योदय और राष्ट्र निर्माण से जुड़े प्रसंगों को मंच पर साकार करेंगे। इसका उद्देश्य कला और नाट्य के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सार्वजनिक जीवन यात्रा तथा जनसेवा के संदेश को व्यापक समाज तक पहुंचाना है।

खबर संक्षेप

सीएम को लिखा पत्र, दैवेभो को भी जोड़ा जाएं नियमित सेवा से

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में की गई सेवा को नियमित सेवा में जोड़कर पेंशन का लाभ देने के संबंध में उच्च न्यायालय द्वारा किए गए आदेश का पालन करने की मांग की है। साथ पत्र में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी से नियमित हुए कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने की मुख्यमंत्री से गुहार लगाई है। मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि उच्च न्यायालय जबलपुर 10 जुलाई 2026 को स्पष्ट आदेश पारित करा है कि यदि दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में 10 साल से ज्यादा की सेवा कर्मचारियों ने की है तो वह अस्थाई कर्मचारी के रूप में की गई सेवा भी पेंशन पात्रता के लिए नियमित सेवा में जोड़ी जाएगी।

भाजपा कार्यालय में हुई 'सेवा संकल्प अभियान' की प्रदेश टोली की बैठक

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में 'सेवा संकल्प अभियान' की प्रदेश टोली की बैठक कर कार्यक्रम की समीक्षा की एवं आगामी कार्यक्रम की योजना पर चर्चा की। बैठक में प्रदेश शासन की मंत्री कृष्णा गौर, प्रदेश महामंत्री व अभियान के प्रदेश संयोजक राहुल कोठारी, तीर्थ स्थान मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष विनोद गोटिया, संभाग प्रभारी डॉ. अभय यादव, पूर्व सांसद आलोक संजर, आदि सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया उज्जैन में आईटी पार्क का निरीक्षण

आईटी के विकास से युवाओं को शिक्षा कौशल-रोजगार के नए अवसरः सीएम

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि आईटी पार्क एवं इंजीनियरिंग कैंपस के माध्यम से युवाओं को शिक्षा के साथ रोजगार, कौशल विकास और नई तकनीकों से जुड़ने के अवसर प्राप्त होंगे। उज्जैन में आईटी क्षेत्र के विस्तार की दिशा में आईटी पार्क एक महत्वपूर्ण परियोजना है, जो आने वाले समय में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने में सहायक होगी।

रविवार को आईटी पार्क के निरीक्षण के दौरान डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर और उज्जैन को मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में विभिन्न महत्वपूर्ण विकास कार्य किए जा रहे है। इन विकास कार्यों का उद्देश्य युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तकनीकी नवाचार और उद्योगों के विस्तार को गति देना है।

आईटी पार्क का निरीक्षण करते सीएम।

आईटी के विस्तार से प्रदेश में नए उद्योगों को बढ़ावा

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि नई तकनीक और नवाचार के माध्यम से प्रदेश के प्रदर्शन को और बेहतर बनाया जा सकता है। आईटी क्षेत्र के विस्तार से प्रदेश में नए उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा तथा युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार और कौशल विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। इससे प्रदेश के समग्र विकास को गति मिलेगी। डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में आगामी सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए आवश्यक विकास कार्यों को भी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

दो चरणों में हो रहा आईटी पार्क परियोजना का निर्माण

आईटी पार्क परियोजना का निर्माण दो चरणों में किया जा रहा है। इसके लिए लगभग 2.16 हेक्टेयर भूमि निर्धारित की गई है। इसमें कुल प्रस्तावित 15,480 वर्गमीटर बिल्ट-अप एरिया का निर्माण किया जाना है। इसमें से 11,436 वर्गमीटर क्षेत्र आईटी कंपनियों के लिए आरक्षित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता के निर्धारित मापदंडों का पालन सुनिश्चित करते हुए सभी कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान इंदौर रोड पर उज्जैन विकास प्राधिकरण के माध्यम से निर्माणाधीन पीएम एकता मॉल एवं महाकाल भक्त निवास के निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी भी अधिकारियों से ली। उन्होंने इंदौर रोड स्थित महामृत्युंजय द्वार का भी निरीक्षण किया।

उज्जैन की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक वैभव से रूबरू होंगे युवा इन्फ्लुएंसर

युवा इन्फ्लूएंसर से चर्चारत सीएम।

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने रविवार को देवास रोड स्थित वीवीआईपी गेस्ट हाउस में बिहार से उज्जैन आए 16 सदस्यीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर दल से संवाद किया। उन्होंने युवा इन्फ्लुएंसरों से उज्जैन की प्राचीन ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जुड़े विषयों पर संवाद करते हुए उनसे सवाल भी किए तथा विभिन्न महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्यों और स्थलों की जानकारी दी। डॉ यादव ने इन्फ्लुएंसर दल को उज्जैन में निर्माणाधीन वीर भारत संग्रहालय, सर्प उद्यान, महाकाल महालोक सहित सिंहस्थ 2028 के लिए चल रहे निर्माण कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वीर भारत संग्रहालय में प्राचीन काल से लेकर आधुनिक भारत तक के महान नायकों की गौरवगाथाओं को एक साथ देखने और समझने का अवसर मिलेगा। संग्रहालय में भारत की समृद्ध ऐतिहासिक परंपरा, वैदिक काल, रामायण एवं महाभारत युग, विक्रमादित्य काल से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक की महत्वपूर्ण घटनाओं और राष्ट्रनायकों के योगदान को एक समग्र रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

'सर्प मित्र नगरी' के रूप में विकसित करने का दृष्टिकोण

डॉ यादव ने इन्फ्लुएंसर दल को उज्जैन में निर्माणाधीन सर्प उद्यान (स्नेक पार्क) की जानकारी देते हुए बताया कि उज्जैन को 'सर्प मित्र नगरी के रूप में विकसित करने का दृष्टिकोण रखा गया है। सर्प उद्यान केवल पर्यटन का केंद्र नहीं होगा, बल्कि सांपों के संरक्षण, उनके प्राकृतिक महत्व तथा पर्यावरणीय संतुलन में उनकी भूमिका के प्रति लोगों में जागरूकता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि सर्पों के प्रति समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करते हुए उनके संरक्षण और पर्यावरण में उनके योगदान की जानकारी आमजन तक पहुंचाना भी आवश्यक है।

'मृगावती—बैर का विसर्जन' नाट्य प्रस्तुति ने दिया वैर त्याग और क्षमा का संदेश

जबलपुर। दशलक्षण महापर्व के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन के अंतर्गत रविवार रात्रि 'मृगावती—बैर का विसर्जन' नामक नाट्य प्रस्तुति का मंचन 'धर्मायतन' श्री 1008 महावीर स्वामी दिगम्बर जिनमंदिर, गोल बाजार, जबलपुर में किया गया। रात्रि 10 बजे आयोजित इस नाट्य प्रस्तुति को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाजजन उपस्थित रहे।नाट्य के माध्यम से मानवीय जीवन में वैर, प्रतिशोध और मोह से उत्पन्न परिस्थितियों तथा उनके आध्यात्मिक समाधान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। पात्रों के भावपूर्ण अभिनय, संवाद और मंचन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि मनुष्य के जीवन में वास्तविक विजय किसी दूसरे को पराजित करने में नहीं, बल्कि अपने भीतर के वैर और विकारों का विसर्जन करने में है।प्रस्तुति में पारिवारिक एवं सामाजिक परिस्थितियों के बीच उत्पन्न संघर्षों को दर्शाते हुए क्षमा, संयम, करुणा और आत्मचिंतन की भावना को प्रमुखता दी गई। नाट्य के विभिन्न प्रसंगों ने दर्शकों को यह विचार करने के लिए प्रेरित किया कि लंबे समय तक मन में रखा गया वैर स्वयं व्यक्ति के भीतर अशांति उत्पन्न करता है, जबकि क्षमा और वैर-त्याग जीवन को शांति की ओर ले जाते हैं।दशलक्षण महापर्व में उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम आदि धर्मों की साधना के साथ इस प्रकार की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां धर्म के सिद्धांतों को सहज एवं प्रभावी रूप से जनमानस तक पहुंचाने का माध्यम बन रही हैं।नाट्य के समापन पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने कलाकारों की भावपूर्ण प्रस्तुति की सराहना की तथा वैर का विसर्जन कर क्षमा, संयम और आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

दशलक्षण महापर्व के पांचवें दिन उत्तम सत्य धर्म की आराधना

दशलक्षण महापर्व के पांचवें दिन रविवार को श्री 1008 महावीर स्वामी जिनमंदिर, धर्मातयन, श्री महावीर स्वामी मार्ग में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ उत्तम सत्य धर्म की आराधना की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक महोत्सव में सहभागिता कर वीतरागी भगवान जिनेंद्र देव का पूजन-अर्चन किया।प्रतिदिन प्रातः एवं 9 से 10 बजे शास्त्र स्वाध्याय रात्रि मुंबई से पधारे विद्वान पंडित विपिन जी शास्त्री के सानिध्य में दशलक्षण महापर्व के अवसर पर हो रहा है। शुक्रवार 25 सितंबर को 12वें तीर्थंकर श्री वाशुपूज्य भगवान का मोक्ष कल्याणक के अनंत चतुर्दशी के अवसर मनाया जाएगा एवं सामुहिक सभी जिनबिम्बों का वार्षिक जलाभिषेक किया जाएगा। रविवार 27 सितंबर को पाटन रोड स्थित 'ज्ञानातयन' जिनमंदिर में क्षमावाणी पर्व का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जबलपुर मुमुक्षु परिवार परस्पर क्षमा मांगने और क्षमा प्रदान करने के साथ मैत्री, सद्भाव एवं आत्मशुद्धि का संदेश देंगे। सभी धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन श्री वीतराग विज्ञान मंडल एवं जैन युवा फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित किये जा रहे है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि

संदिग्ध परिस्थिति में महिला की मौत, पति ने हार्टअटैक बताकर किया गुमराह करने का प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

जिले के धमधा थाना क्षेत्र के ग्राम अगार में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। महिला का शव उसके ससुराल में बिस्तर पर पड़ा मिला। परिजनों ने महिला के गले पर निशान देखकर हत्या की आशंका जताई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया, जिसमें गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। मामले में पुलिस ने मृतका के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

ग्राम अगार निवासी अन्नू खांडे अपने ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिली। शुरुआती पूछताछ में उसके पति त्रिलोक खांडे ने पुलिस को बताया कि अन्नू की मौत हार्ट अटैक से हुई है। घटना की जानकारी मिलने पर मृतका के मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने अन्नू के गले पर निशान देखा और हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस को इसकी जानकारी दी। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद धमधा पुलिस ने मृतका के पति त्रिलोक खांडे को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

मौत को अलग रूप देने के लिए कही अलग बात

पुलिस के अनुसार घटना के बाद मामले को दूसरा रूप देने के लिए त्रिलोक ने अन्नू की मौत हार्ट अटैक से होने की बात कही थी। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। मृतका अन्नू की शादी वर्ष 2019 में त्रिलोक खांडे के साथ हुई थी। परिजनों ने पुलिस को बताया कि शादी के बाद से दोनों के बीच कई बार विवाद हुआ था। उनका आरोप है कि पति त्रिलोक अन्नू के साथ मारपीट भी करता था। विवाद के चलते एक बार एसडीएम कोर्ट में दोनों के बीच इकरारनामा भी कराया गया था। परिजनों के मुताबिक अन्नू कुछ दिन पहले ही तीज पर्व के बाद अपने ससुराल लौटी थी।

भाई जब बहन को देखने पहुंचा तब खुला राज

लिव-इन-पार्टनर ने महिला की हत्या कर शव को सेप्टिक टैंक में छिपाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

उत्तर प्रदेश के मेरठ में हुए नीले ड्रम कांड को लोग अभी भूले भी नहीं हैं कि कोरबा जिले में सेप्टिक टैंक कांड सामने आया है। मेरठ में पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की थी, जबकि कोरबा में एक युवक ने लिव-इन पार्टनर महिला की हत्या कर शव को सेप्टिक टैंक में छिपा दिया। करीब एक महीने बाद रक्षाबंधन पर महिला के भाई के घर नहीं पहुंचने और परिजनों की खोजबीन के बाद हत्या का राज खुला।

सनसनीखेज मामला श्यांग थाना क्षेत्र के ग्राम बरपाली का है। यहां मनोज उरांव रहता है। उसके साथ करीब दो साल से 33 वर्षीय संतोषी पत्नी के रूप में रह रही थी। बताया जा रहा है कि मनोज नशे का आदी था और सनकी किस्म का था। जानकारी के मुताबिक, 27 अगस्त को मनोज नशे की हालत में घर पहुंचा। किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। मनोज ने संतोषी की जमकर पिटाई कर दी। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। हालांकि, देर शाम मनोज ने दोबारा संतोषी के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

प्रदेश के हजारों इंटर्न डॉक्टरों के लिए राहत की खबर

स्टाइपेंड वृद्धि को लेकर मप्र के इंटर्न डॉक्टरों ने उप मुख्यमंत्री शुक्ल का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र के इंटर्न डॉक्टर के स्टाइपेंड में वृद्धि किए जाने के निर्णय के लिए मध्यप्रदेश के इंटर्न डॉक्टरों की ओर से उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल का आभार व्यक्त किया। इंटर्न डॉक्टरों के प्रतिनिधि डॉ. साकेत रायपुरिया एवं करण पटेल ने अपने डीन एवं सुपरिटेंडेंट के साथ उप मुख्यमंत्री शुक्ल के रीवा निवास पर पहुंचकर उनका धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इंटर्न डॉक्टरों ने कहा कि स्टाइपेंड वृद्धि की मांग को गंभीरता से लेते हुए सरकार द्वारा सकारात्मक पहल किए जाने से प्रदेश के हजारों इंटर्न डॉक्टर को राहत मिली है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए सभी इंटर्न डॉक्टरों ने उप मुख्यमंत्री शुक्ल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर इंटर्न डॉक्टरों ने कहा कि सरकार द्वारा चिकित्सा विद्यार्थियों एवं युवा चिकित्सकों की समस्याओं को समझते हुए किए गए इस निर्णय से उनका मनोबल बढ़ा है।

एके-47, जिंदा कारतूस सहित अन्य हथियार बरामद

नक्सलियों ने छिपाकर रखे थे खतरनाक हथियार, पुलिस ने कर लिए बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम उतला के जंगल में पुलिस ने नक्सलियों द्वारा जमीन में छिपाकर रखा गया डंप बरामद किया है। पुलिस ने डंप से एक एके-47 रायफल, .315 बोर रायफल, सिंगल शॉट रायफल और 9 एमएम पिस्टल समेत हथियार व 76 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक, आत्मसमर्पित नक्सलियों से मिली सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। बीजापुर पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता के निर्देश और एएसपी (नक्सल) अमन झा के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। सूचना मिलने के बाद एसडीओपी भैरमगढ़ नवीन एक्का ने डीआरजी और थाना भैरमगढ़ से रवाना पुलिस बल को आवश्यक ब्रीफिंग दी। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए जवानों ने ग्राम उतला के जंगल में सर्चिंग अभियान चलाया। इस दौरान जमीन के अंदर गाड़कर छिपाकर रखा गया नक्सली डंप मिला।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोले, कार्यकर्ता घर-घर जाकर करेंगे संवाद

अब संपूर्ण मध्यप्रदेश में गूंजेगी स्टूडेंट्स की आवाजः पटवारी

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि इंदौर में 'छात्रों की गूंज' की ऐतिहासिक सफलता ने पूरे देश को बड़ा संदेश दिया है। यह आयोजन शुरुआत है। अब इसकी आवाज पूरे मध्यप्रदेश में पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता घर-घर जाकर छात्रों और युवाओं से संवाद करेंगे।

छात्रों का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा, उनकी समस्याएं सुनी जाएंगी और उन्हें एकत्रित कर शिक्षा एवं रोजगार से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रयास रहेगा कि छात्रों की समस्याओं को संगठित तरीके से सरकार और समाज के सामने रखा जाए। पटवारी रविवार को इंदौर प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इंदौर की जनता, प्रदेश के युवाओं, छात्रों, बेटियों, मीडिया, सिख समाज, प्रशासन एवं पुलिस सहित आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

'छात्रों की गूंज' की ऐतिहासिक सफलता ने पूरे देश को दिया बड़ा संदेश

प्रेसवार्ता करते पटवारी।

युवाओं की भागीदारी अद्भुत, अकल्पनीय, ऐतिहासिक

पटवारी ने कहा कि इंदौर और मध्यप्रदेश के युवाओं ने 'छात्रों की गूंज' के आयोजन में जिस उत्साह और संख्या में भागीदारी की, वह अद्भुत, अकल्पनीय और ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल की क्षमता से कई गुना अधिक संख्या में युवा, छात्र और विशेष रूप से बेटियां पहुंचीं। राहुल गांधी ने देश में शिक्षा, छात्रों के अधिकार, शिक्षा की सुरक्षा, किफायती शिक्षा, भ्रष्टाचार-मुक्त शिक्षा और रोजगारपरक शिक्षा को लेकर जिस राष्ट्रीय बहस की शुरुआत की है, उसे युवाओं ने अपने मुद्दे के रूप में स्वीकार किया है। मुख्यमंत्री द्वारा उठाए गए राजनीतिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हुए पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री को प्रदेश के वास्तविक मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए।

नियम सभी दलों के लिए समान रूप से लागू हों

आईडीए द्वारा मैदान के लिए राशि जमा करवाए जाने के संदर्भ में प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने कहा कि यदि नियम बनाए गए हैं तो उन्हें सभी राजनीतिक दलों के लिए समान रूप से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस विषय पर कांग्रेस को कोई व्यक्तिगत शिकायत या आपत्ति नहीं है, लेकिन नियमों और परंपराओं का पालन समान रूप से होना चाहिए। पटवारी ने कहा कि हमारा उद्देश्य किसी से विवाद करना नहीं, बल्कि छात्रों के भविष्य को लेकर सरकार, समाज और युवाओं के बीच एक सकारात्मक और सार्थक बहस को आगे बढ़ाना है। सरकार, समाज, बुद्धिजीवी, युवा और राजनीतिक दल, सभी को मिलकर देश के युवाओं के भविष्य पर सकारात्मक चर्चा करनी चाहिए।

एड्रॉइट इंडस्ट्रीज का आईपीओ कल खुलेगा

मुंबई। चार दशकों से अधिक के परिचालन अनुभव वाली एड्रॉइट इंडस्ट्रीज (इंडिया) लिमिटेड प्रोपेलर शाफ्ट और टॉर्क-ट्रांसमिशन कंपोनेंट्स की वर्टिकली इंटीग्रेटेड निर्माता कंपनी है। कंपनी की पहुंच 32 से अधिक देशों में है। कंपनी का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) बुधवार, 23 सितंबर 2026 को खुलने जा रहा है। कंपनी का लक्ष्य ऊपरी मूल्य बैंड पर 150.71 करोड़ रुपए जुटाना है। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे।

किआ के कैरेंस क्लैविस के सीएनजी मॉडल लांच

नई दिल्ली । किआ इंडिया ने कैरेंस और कैरेंस क्लैविस के फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी वेरिएंट लांच किए हैं। कैरेंस सीएनजी की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 12.11 लाख रुपए, जबकि कैरेंस क्लैविस सीएनजी की कीमत 12.38 लाख रुपए से शुरू होती है।

अब 25 हजार रुपए तक वेतन वालों को पीएफ अनिवार्य

मप्र में 2 लाख और देशभर में 51 लाख नए कर्मचारी आएंगे दायरे में, पीएफ खातों में जमा राशि में होगी वृद्धि

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत अनिवार्य पीएफ कवरेज की वेतन सीमा बढ़ाकर 25 हजार रुपए प्रतिमाह कर दी गई है। नई व्यवस्था 17 सितंबर 2026 से प्रभावी हो गई है। इससे 15 हजार रुपए से अधिक वेतन पाने वाले ऐसे कर्मचारी भी अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आएंगे, जो अब तक इस सीमा से बाहर थे।

क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल में सोमवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपर केंद्रिय भविष्य निधि आयुक्त गौतम ने बताया कि वेतन सीमा बढ़ने से कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएफ) और कर्मचारी जमा संबद्ध बीमा योजना (ईडीएलआई) का दायरा बढ़ेगा। इस मौके पर क्षेत्रीय भविष्य निधि के शलभ दुबे और शिखर शर्मा सहित ईपीएफओ के अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर गौतम ने बताया कि नई सीमा के अनुरूप पात्र कर्मचारियों और नियोक्ताओं को अंशदान करना होगा। इससे कर्मचारियों के पीएफ खातों में जमा राशि में भी वृद्धि हो सकती है।

पांच साल में 56,696 करोड़ खर्च का अनुमान

प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईपीएफओ अधिकारी जानकारी देते हुए

सरकार के अनुसार, इस प्रस्ताव पर विस्तृत अंतर-मंत्रालयी विचार-विमर्श किया गया है। व्यय वित्त समिति ने 16 जून 2026 को हुई बैठक में इसकी सिफारिश की थी। वर्तमान में सरकार का वार्षिक बजटीय समर्थन करीब 10,250 करोड़ है। नई व्यवस्था के बाद वार्षिक सरकारी व्यय करीब 11,339 करोड़ रहने का अनुमान है। पांच वर्षों में कुल अनुमानित सरकारी खर्च करीब 56,696 करोड़ रुपए होगा।

मप्र में अभी हैं 26 लाख 31 हजार 876 कर्मचारी

गौतम के अनुसार, वर्तमान में मध्यप्रदेश में 26 लाख 31 हजार 876 कर्मचारी पीएफ के दायरे में हैं। नई वेतन सीमा लागू होने के बाद प्रदेश में करीब 2 लाख अतिरिक्त कर्मचारियों के इसके दायरे में आने का अनुमान है। देशभर में लगभग 51 लाख नए कर्मचारियों के जुड़ने की संभावना है। ईपीएफओ अधिकारियों के मुताबिक नई व्यवस्था से अनिवार्य अंशदान से बचने के लिए कंपनियों द्वारा वेतन स्लैब में की जाने वाली कथित हेरफेर पर भी अंकुश लग सकता है। वर्तमान में ईपीएफओ से जुड़े करीब 170 मामले न्यायालयों में लंबित बताए गए हैं।

12 साल बाद 25 हजार करने का निर्णय लिया

ईपीएफओ की अनिवार्य कवरेज के लिए वेतन सीमा लंबे समय तक अपरिवर्तित रही थी। सितंबर 2014 में इसे बढ़ाकर 15,000 प्रति माह किया गया था। अब करीब 12 साल बाद इसे 25,000 करने का निर्णय लिया गया है।सरकार के मुताबिक, पिछले वर्षों में वेतन और आय में बढ़ोतरी तथा औपचारिक रोजगार के विस्तार को देखते हुए ईपीएफओ की मौजूदा वेतन सीमा को अपडेट करने की जरूरत थी। कई राज्यों और क्षेत्रों में न्यूनतम मजदूरी भी मौजूदा 15,000 की सीमा के करीब पहुंच गई है।

ईपीएफओ से जुड़े करीब 7.98 करोड़ योगदानकर्ता

नवीनतम ईपीएफओ आंकड़ों के अनुसार, करीब 7.68 लाख योगदान देने वाले प्रतिष्ठानों में लगभग 7.98 करोड़ योगदानकर्ता सदस्य हैं। कर्मचारी पेंशन योजना के तहत करीब 82 लाख पेंशनभोगियों को पेंशन लाभ मिल रहा है।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर तीन महीने के निचले स्तर पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- अगस्त में सुस्त पड़कर 4.8 प्रतिशत पर
- कोयला, गैस, कच्चे तेल और उर्वरक के उत्पादन में गिरावट रही

देश के नौ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अगस्त में घटकर 4.8 प्रतिशत रही। कोयला, प्राकृतिक गैस, कच्चे तेल और उर्वरक के उत्पादन में गिरावट के कारण बुनियादी उद्योगों के उत्पादन की रफ्तार सुस्त पड़ी है। सरकार के सोमवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में पिछले साल अगस्त में 6.2 प्रतिशत और इस साल जुलाई में पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इससे पहले मई में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर निचले स्तर 3.2 प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में कोयला, प्राकृतिक गैस, कच्चे तेल और उर्वरक के उत्पादन में क्रमशः 3.8 प्रतिशत, 4.9 प्रतिशत, 3.6 प्रतिशत और 12.4 प्रतिशत की गिरावट आई। आलोच्य महीने में पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों, इस्पात और लौह अयस्क के उत्पादन की वृद्धि दर धीमी पड़कर क्रमशः 2.6 प्रतिशत, 3.4 प्रतिशत और 5.5 प्रतिशत रही। अगस्त, 2025 में इनकी वृद्धि दर क्रमशः 3.4 प्रतिशत, 15.3 प्रतिशत और 7.9 प्रतिशत थी। हालांकि, इस साल अगस्त में सीमेंट और बिजली उत्पादन में क्रमशः 12.5 प्रतिशत और 11.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 4.3 प्रतिशत रही, जो बीते वित्त वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में 2.4 प्रतिशत थी।

खनन क्षेत्र में भी गिरावट दर्ज

खनन से जुड़े क्षेत्रों में कोयला और लौह अयस्क के प्रदर्शन में जुलाई की तुलना में अगस्त में उल्लेखनीय गिरावट आई, जिसका मुख्य कारण प्रतिकूल तुलनात्मक आधार प्रभाव रहा। अग्रवाल ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद अगस्त में उर्वरक उत्पादन लगातार छठे महीने घटा।

औद्योगिक उत्पादन दर में आ सकती है गिरावट

इस दौरान इस क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि दर दहाई अंक में घटी। उन्होंने कहा, ''इस रुख को देखते हुए हमारा अनुमान है कि अगस्त, 2026 में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की वृद्धि दर घटकर करीब पांच से छह प्रतिशत रह सकती है, जो जुलाई, 2026 में 6.7 प्रतिशत थी।

20 लाख रु. तक के टर्नओवर करने वाले टेंट व्यवसायी जीएसटी नंबर जरूर लें

मिलेगी सरकार की विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं का लाभ

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

टेंट कारोबार में 20 लाख रुपए तक का टर्नओवर करने वाले व्यापारियों से जीएसटी नंबर लेने और सभी व्यापारियों से एमएसएमई में पंजीयन कराने की अपील की गई है। ऑल इंडिया टेंट डेकोरेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन, दिल्ली के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल राव ने कहा कि एमएसएमई पंजीयन से व्यापारियों को सरकार की विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं का लाभ लेने में मदद मिलेगी। यह बात नोएडा में उत्तर प्रदेश टेंट व्यापारी एसोसिएशन की ओर से आयोजित 16वें महाधिवेशन में कही गई। फेडरेशन ऑफ एमपी एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रिंकू भटेजा ने बताया कि फेडरेशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह खनूजा के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के पदाधिकारियों ने महाधिवेशन में भाग लिया। इसमें देशभर से टेंट व्यवसाय से जुड़े पदाधिकारी और व्यापारी शामिल हुए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनिल राव ने टेंट व्यापारियों से अपने कारोबार को नियमानुसार संचालित करने और जरूरी पंजीयन कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को जीएसटी और एमएसएमई पंजीयन के संबंध में जागरूक रहना चाहिए, ताकि उन्हें उपलब्ध सरकारी सुविधाओं का लाभ मिल सके। महाधिवेशन के दौरान उत्तर प्रदेश के चेयरमैन गिरीश कुमार मित्तल और रमेश चंद्रा को उनके योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

16वां महाधिवेशन

ये लोग रहे मौजूद

कार्यक्रम में ऑल इंडिया टेंट डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि जिंदल (राजस्थान), वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल राव (हरियाणा), महासचिव एवं उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अशोक चावला, कोषाध्यक्ष पंकज शौकीन (दिल्ली), वाइस चेयरमैन पवन सेठ, मध्यप्रदेश से परमजीत सिंह खनूजा, सलाहकार सूरत सिंह मल्होत्रा (तेलंगाना), देवेंद्र पांडा (ओडिशा), विनोद अमीन (गुजरात), डीडी अग्रवाल (उत्तराखंड), पर्वत सिंह भाटी (जयपुर), मनोहर लाल गुलाटी (दिल्ली), रिंकू भटेजा और योगेश श्रीवास्तव (मध्यप्रदेश) सहित देशभर से आए टेंट व्यापारी एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

5 अक्टूबर को जबलपुर में 'नो-यूपीआई दिवस'

व्यापारी काले कपड़े से ढकेंगे क्यूआर कोड और साउंड बॉक्स

जबलपुर। बड़े यूपीआई लेन-देन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) के विरोध में जबलपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स सहित देशभर के कई व्यापारिक संगठनों ने 5 अक्टूबर को 'नो-यूपीआई दिवस' मनाने का आह्वान किया है। इस दिन व्यापारी अपने क्यूआर कोड स्कैनर और पेमेंट साउंड बॉक्स को काले कपड़े से ढककर सांकेतिक रूप से यूपीआई भुगतान का बहिष्कार करेंगे। चेंबर अध्यक्ष प्रेम दुबे ने बताया कि यह विरोध डिजिटल भुगतान के खिलाफ नहीं, बल्कि बड़े लेन-देन पर प्रस्तावित शुल्क के विरोध में है। व्यापारिक संगठनों के अनुसार, 2,000 रुपए से अधिक के लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगने से कारोबारियों के मुनाफे पर सीधा असर पड़ेगा। उनका तर्क है कि व्यापारियों को यह शुल्क ग्राहकों से वसूलने की अनुमति नहीं होगी, इसका आर्थिक भार सीधे व्यापारी पर आएगा। व्यापारियों का कहना है कि थोक किराना, अनाज, पेट्रोल पंप, फार्मा और एफएमसीजी जैसे कारोबार में मुनाफे का मार्जिन अपेक्षाकृत कम रहता है।

जीरो एमडीआर की मांग- व्यापारियों ने आवश्यक वस्तुओं और थोक कारोबार के लिए जीरो -एमडीआर व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। साथ ही कम लाभ मार्जिन वाले कारोबार को प्रस्तावित शुल्क के दायरे से बाहर रखने की मांग की गई है। व्यापारिक संगठनों का कहना है कि इससे डिजिटल भुगतान व्यवस्था भी जारी रहेगी और छोटे मार्जिन वाले कारोबारियों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा। व्यापारी संगठनों ने 15 अक्टूबर को यूपीआई भुगतान स्वीकार नहीं करने का निर्णय लेने की बात कही है। इसके तहत बड़े भुगतान के लिए ग्राहकों को नकद अथवा अन्य उपलब्ध भुगतान माध्यमों का इस्तेमाल करने के लिए कहा जा सकता है। 5 अक्टूबर को क्यूआर कोड और साउंड बॉक्स को काले कपड़े से ढकना इस विरोध का सांकेतिक चरण होगा।

एआई+ नोवा 2 पॉवर 5जी लॉन्च

नई दिल्ली। एआई+ स्मार्टफोन ने नोवा 2 सीरीज का नया नोवा 2 पॉवर 5जी लॉन्च किया। नई दिल्ली में आयोजित फैशन शो में इसे जस्ट बिली बाय रश्मि छाबड़ा के एथलीजर आउटफिट्स के साथ रैंप पर पेश किया गया। इस दौरान ब्लू गोल्ड फ्यूजन और ब्लू फ्यूजन डुअल-टोन वैरिएंट प्रदर्शित किए गए। एनएक्सटीक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीस (एआई+ स्मार्टफोन) के सीईओ माधव सेठ ने कहा कि फोन में डिजाइन और परफॉर्मेंस का संतुलन रखा गया है। नोवा 2 पॉवर में 6.75 इंच एचडी+ 120 हट्र्ज डिस्प्ले, मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7100 प्रोसेसर, 48 मेगापिक्सल एआई कैमरा और 13 मेगापिक्सल फ्रंट कैमरा दिया गया है। इसमें 7,000 एमएएच बैटरी, 33 वॉट फास्ट चार्जिंग, आईपी65 रेटिंग, वाई-फाई 6 और ब्लूटूथ 5.4 भी है। फोन 6 जीबी+128 जीबी और 8 जीबी+128 जीबी विकल्पों में उपलब्ध होगा। इसकी शुरुआती कीमत 15,999 रुपये है। बिक्री 24 सितंबर 2026 से फ्लिपकार्ट पर शुरू होगी।

सोना 200 रु. टूटा और चांदी 5,000 रु. लुढ़की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नए सप्ताह की शुरुआत सोने के लिए कमजोर रही। सोमवार को राजधानी के सर्राफा बाजार में वैश्विक बाजार के कमजोर रुझानों और रुपये में मजबूती के कारण सोने की कीमत 200 रुपये टूटकर 1,56,400 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,56,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट आई और यह 5,000 रुपये टूटकर 2.42 लाख रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। पिछले सत्र में चांदी 2.47 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। ब्रोकरेज मंच लेमन के शोध प्रमुख गौरव गर्ग ने कहा कि सोना और चांदी अलग-अलग दबाव के बीच फंसे रहे। फेडरल रिजर्व के अधिकारियों के सख्त बयानों और महंगाई की चिंता ने बॉण्ड प्रतिफल और डॉलर को मजबूत बनाए रखा।

- सोना कमजोर रुझान के साथ 1,56,400 रुपए प्रति 10 ग्राम

सोना 4,350 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा: *निवेश मंच मुडरेक्स के लीड क्वांट विश्लेषक अक्षत सिद्धांत ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में लगातार चौथे सत्र में गिरावट और महंगाई का दबाव कम होने से सोना 4,350 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है।*

चांदी का वायदा 2,024 रु. टूटकर 2.40 लाख रु. किलो के करीब पहुंचा भाव

नई दिल्ली। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को चांदी के वायदा भाव में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। कारोबारियों की ओर से हिस्सेदारी घटाने और बिकवाली बढ़ने के कारण चांदी का भाव 2,024 रुपए प्रति किलोग्राम तक टूट गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी 2,39,579 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इस दौरान चांदी के भाव में करीब 0.84 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बाजार में गिरावट के बीच कुल 2,096 लॉट का कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, कारोबारियों की ओर से अपनी हिस्सेदारी कम किए जाने और बिकवाली बढ़ने से चांदी की कीमतों पर दबाव आया। वैश्विक बाजार में भी सफेद धातु कमजोर रहने से घरेलू वायदा बाजार को कोई खास समर्थन नहीं मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में न्यूयॉर्क में चांदी 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 66.12 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बिकवाली का दबाव रहने से चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

राशिफल

मेष – मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष – पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन – संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

कर्क – आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह – आत्मसंयत रहें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे

कन्या – मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकता है। भागदौड़ बढ़ सकती है। खर्च

तुला – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु शान्ति बताये रखने के लिए प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक – मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु – आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

मकर – मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकते हैं। तनाव रहेगा।

कुंभ – मन शान्त तो रहेगा, परन्तु फिर भी संयत भी रहें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की अधिकता रहेगी।

मीन – मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

फ्रंटलाइन नौकरियों में हिस्सेदारी बढ़कर 43.5 प्रतिशत हुई

नौकरियों के आवेदनों में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

- केवल 13 प्रतिशत विज्ञापन में महिलाओं को लक्षित किया गया

'फ्रंटलाइन' नौकरियों के लिए आने वाले आवेदन में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़कर 43.5 प्रतिशत हो गई है, लेकिन केवल 13 प्रतिशत नौकरी विज्ञापनों में ही स्पष्ट रूप से महिलाओं को लक्षित किया गया है। एक रिपोर्ट में सोमवार को यह जानकारी दी गई।

फ्रंटलाइन नौकरियों का मतलब ऐसे रोजगार से है जिनमें कर्मचारी सीधे लोगों, ग्राहकों या रोजमर्रा के कारोबारी कामकाज से जुड़े होते हैं। ऑनलाइन भर्ती मंच वर्कइंडिया की तरफ से जारी 'रोजगार रिपोर्ट' के मुताबिक, मंच पर महिला आवेदकों की हिस्सेदारी एक साल पहले के 40.4 प्रतिशत से बढ़कर 43.5 प्रतिशत हो गई है।

ब्यूटीशियन के लिए सबसे अधिक हिस्सेदारी

ब्यूटीशियन पदों के लिए आवेदनों में महिलाओं की हिस्सेदारी 86.6 प्रतिशत और शिक्षण पदों के लिए 80.7 प्रतिशत रही। वहीं, महिलाएं बिक्री, कार्यालय, विपणन और ग्राहक सेवा से जुड़ी अन्य फ्रंटलाइन नौकरियों में भी बढ़ती रुचि दिखा रही हैं।

नियोक्ताओं की मांग अभी कम : वर्कइंडिया के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नीलेश डूंगरवाल ने कहा, ''अधिक महिलाओं का रोजगार की तलाश करना उत्साहजनक है, लेकिन नियोक्ताओं की मांग को अभी और आगे बढ़ने की जरूरत है। डूंगरवाल ने कहा कि पहुंच, काम में लचीलापन, सुरक्षा और कार्यस्थल की व्यवस्था से जुड़ी बाधाओं को दूर करने से कंपनियों को महिलाओं, पहली बार काम तलाश रहे लोगों और गैर-महानगरीय उम्मीदवारों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है।

बिक्री क्षेत्र के लिए सबसे अधिक 56 लाख आवेदन मिले

रिपोर्ट कहती है कि महिलाओं के आवेदनों में वृद्धि नौकरी की कई श्रेणियों में हुई है। बिक्री क्षेत्र में सबसे अधिक 56 लाख से अधिक आवेदन मिले। इसके बाद कार्यालय आधारित भूमिकाओं तथा यात्रा एवं आतिथ्य क्षेत्र का स्थान रहा।

इन क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा ज्यादा

जून-जुलाई के दौरान नौकरी आवेदनों में सालाना आधार पर 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि नौकरी विज्ञापनों में 40-48 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), मानव संसाधन, लेखा, बिक्री और कार्यालय आधारित भूमिकाओं में प्रतिस्पर्धा अधिक है, जबकि डिलिवरी, ड्राइविंग और विनिर्माण क्षेत्र में आवेदन तुलनात्मक रूप से कम हैं।

बेचना है

बेचना है - बिलासपुर सकरी मेन रोड से ठीक पीछे आवासीय या व्यावसायिक उपयोग हेतु 22000 वर्गफुट हॉस्पिटल, अपार्टमेंट, फ्लैट, रेस्टोरेंट के लिए उपयोगी टुकड़ों में या एकमुश्त बेचना है सम्पर्क करें 7898855268 (बिलासपुर/05/ अक्टू.)

शब्द पहेली - 6355

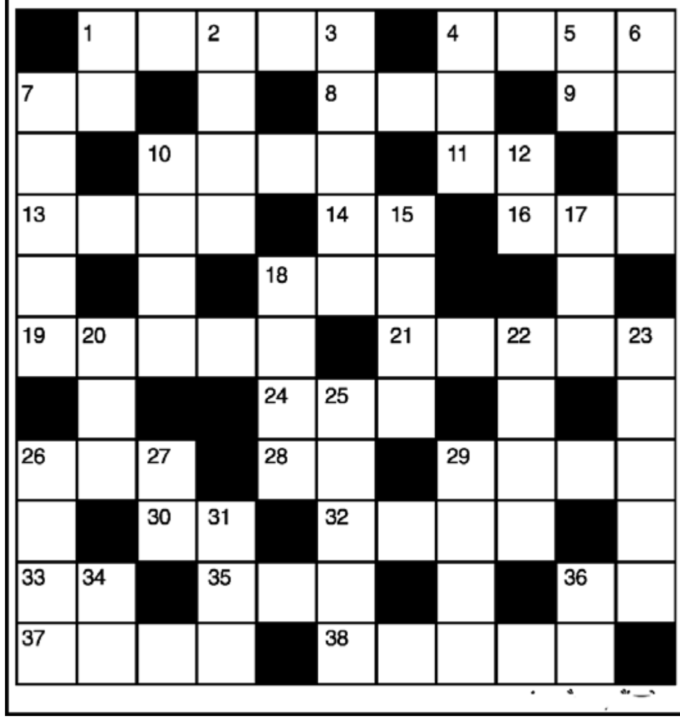

बाएँ से दाएँ
1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली- 6354 का हल

सूडोकु बवाल - 6365

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु बवाल - 6364 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

हरिभूमि
सहेली
जबलपुर, मंगलवार
22 सितंबर 2026

विशेष : राष्ट्रीय बेटी दिवस
27 सितंबर

समाज की बदली सोच
बेटियां भर रही हैं नई उड़ानें

बेटियों को लेकर अब हमारे समाज की सोच बहुत बदली है। माता-पिता पारंपरिक सोच से उबरकर अपनी बेटियों को खुला आसमां दे रहे हैं, जिसमें वे ऊंची उड़ानें भर रही हैं, हर क्षेत्र में अपने आपको सिद्ध कर रही हैं, अपनी पहचान बना रही हैं। तभी आज देश में ही नहीं, दुनिया में भारतीय बेटियों का परचम लहरा रहा है।

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

बीते कुछ बरसों में बेटियों की परवरिश को लेकर समाज की सोच में एक सकारात्मक बदलाव आया है। अभिभावकों ने बेटियों से भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ उन्हें लेकर व्यावहारिक और प्रगतिशील नजरिया भी अपनाया है। यही बदलती सोच अब बेटियों के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव बन रही है। माता-पिता का भरोसा, उनका बदलता व्यवहार और बेटियों के सपनों को समझने की कोशिश उनके हौंसलों को नई उड़ान दे रही हैं। आज देश ही नहीं, दुनिया भर में भारतीय बेटियों की उपलब्धियां चर्चा में हैं, उनके बुलंद हौंसले नई पीढ़ी के लिए मिसाल बन रहे हैं। सकारात्मक सोच और प्रगति के इस मेल ने बेटियों के जीवन से जुड़े हर मोर्चे पर एक नया भरोसा पैदा किया है। बेटियों को समझने वाले अभिभावकों और अपनी पहचान बनाने का जज्बा रखने वाली लाडलियों ने मिलकर बदलाव की इस खूबसूरत तस्वीर को और मजबूत किया है।

मिल रहा है सही मार्गदर्शन-प्रोत्साहन

परंपरागत रूप से असमानता की सोच रखने वाले समाज में बिटिया के जीवन की राह यूं ही रोशन नहीं हुई है। घर-परिवार में

हर भेद को भुलाकर बेटियों को सही मार्गदर्शन दिया गया। उनकी उपलब्धियों की सराहना में अब दादी-नानी भी पीछे नहीं रहतीं, मन के थकने-टूटने पर दादा-नाना भी प्रोत्साहन देने लगे हैं। पढ़ाई का क्षेत्र चुनने से लेकर करियर बनाने तक, बेटियों को भरपूर अवसर मिल रहे हैं। अपनी मर्जी थोपने के बजाय घर-परिवार में उनके मन की बात सुनने का परिवेश बन गया है। यह सच है कि व्यवहार और विचार का यह बदलाव बरसों की जद्दोजहद के बाद आया है, पर अब इस भाव-चाव ने स्थायी जड़ें जमा ली हैं। एक ओर बेटियों को मिला मार्गदर्शन उनका मनोबल बढ़ा रहा है, तो

बेटी दिवस क्यों

असल में डॉटर्स-डे का कॉन्सेप्ट बिटिया के जन्म को लेकर रहने वाली कमतरी की सोच, बेटियों को बोझ समझने की मानसिकता और जीवन के शुरुआती पड़ाव से ही स्त्री सम्मान के भाव को बल देने के लिए हुई थी। बेटियों से जुड़ाव को मजबूती देने के लिए हर साल सितंबर महीने के चौथे रविवार को बेटी दिवस मनाया जाता है। यह दिन मुख्य रूप से हमारे घर-परिवार में बेटियों के प्यार, सम्मान और उनके साथ के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। बिटिया के अस्तित्व की स्वीकार्यता की अहमियत समझाने वाला बेटी दिवस, कन्या भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा की बर्बरता के खिलाफ जागरूकता लाने से भी जुड़ा है। बेटियों के सपनों और उनकी स्वतंत्रता को मान देने से जुड़ा यह दिन अब बेटियों के खिलाफ होने वाले अपराधों से निपटने से लेकर जेंडर इक्वेलिटी तक, बहुत से मामलों में सकारात्मक संदेश देता है। अपने अस्तित्व की अहमियत समझने वाली बेटियों की संख्या इस मुहिम को और बल दे रही है। कामयाबी की उड़ान भरती बेटियों के उदाहरण समाज से भेदभावपूर्ण रवैया खत्म करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इससे दूसरी बेटियों को भी समान अवसर मिलने लगे हैं। अभिभावकों और परिजनों द्वारा बेटियों की मौजूदगी के मायने समझने और बेटियों द्वारा खुद अपने अस्तित्व की अहमियत का मोल समझने से समाज की सोच ने यह सार्थक दिशा पकड़ी है।

दूसरी ओर अपनों के प्रोत्साहन से बेटियों में सेना, खेल, रिसर्च और तकनीकी फील्ड्स में जाने की हिम्मत भी आई है। ससुराल जाकर अपना घर बसाने की रीत वाले हमारे समाज में आज बहुत सी बेटियां अपने माता-पिता का व्यवसाय संभाल रही हैं। इसी का परिणाम है कि बेटियों की निखरती प्रतिभा से अनेक क्षेत्रों में देश का भी नाम रोशन हो रहा है।

आत्मविश्वास से भरा मन

पहले बेटियों के जन्म और उनकी मौजूदगी से घर-परिवार का माहौल बदल जाता था। आज भी बिटिया के जन्म और उपस्थिति भर से पूरा परिवेश बदला-बदला-सा लगता है। फर्क है तो यह कि तब बेटियों को जिम्मेदारी भर समझा जाता था। बड़ा कर शादी करने तक का दायित्व परिवार के हिस्से होता था। अब माता-पिता उनकी हर छोटी-बड़ी उलझन में साथ देने लगे हैं। अभिभावक बेटे के समान ही शिक्षा, सुरक्षा और समान परवरिश देते हुए आत्मनिर्भर बनाने की सोच लिए हैं। जिसके चलते बेटियों का मन भी दृढ़ता से पूरित है। बेटों की ही तरह बेटियां भी अपने ही नहीं, माता-पिता के सपने पूरे करना चाहती हैं। उनका दिलो-दिमाग न केवल अभिभावकों से मिले भरोसे का मान करता है, बल्कि अपने अचीवमेंट्स से उन्हें और सम्मानित महसूस करवाने का भाव लिए है। यह आत्मबल सही मायने में उनके सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करने वाला है।

अभिभावकों की ताकत

किसी शिक्षित-सजग बेटी का यह कहना कि 'आप चिंता न करें, मैं सब कुछ मैनेज कर लूंगी।' तो कहीं घर-परिवार बसा चुकी

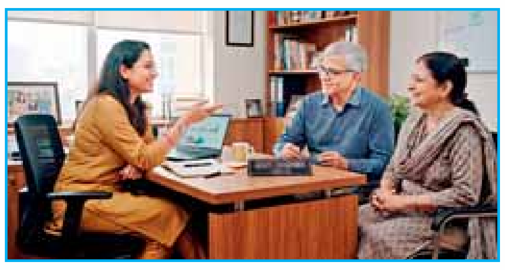

बेटी का बोलना 'मैं आपसे दूर नहीं हूं, सब संभाल लूंगी।' बड़ी होती किसी बेटी का यह भरोसा दिलाना 'मैं आपके सपने पूरे करूंगी' या मासूम बिटिया का घर में खिलखिलाते हुए सबका मन मोह लेना, सबको हौंसला देने वाला है। बदलाव के इस शुरुआती पड़ाव पर माता-पिता बेटियों की हिम्मत बने तो अब सशक्त-आत्मनिर्भर हुई बेटियां भी अभिभावकों की ताकत बन रही हैं। आस-पड़ोस या सामाजिक-पारिवारिक परिवेश में अभिभावक का मन दुखाने वाली बातों का एक सकारात्मक जवाब या सोच बनाने में अब बेटियां बिल्कुल पीछे नहीं रहतीं। माता-पिता पर स्नेह लौटाने वाली प्रगतिशील बेटियां हर दुख-तकलीफ में उनके साथ होती हैं। अभिभावकों के साथ नियमित संवाद बनाए रखती हैं। करियर और शिक्षा के मोर्चे पर भी कुछ कर दिखाने की लगन ने माता-पिता के मन में उनके सपने साकार करने की ललक पैदा की है। अभिभावक भी बेटियों के लिए हर चुनौती का सामना करने की शक्ति जुटाने लगे हैं। यह हमारे परिवार-समाज के लिए बहुत सुखद स्थिति है। a

बेटियां तभी सशक्त बनेंगी, जब अभिभावक उन्हें वो जरूरी आजादी देंगे, जो उनके सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है। अभिभावक बेटियों की परवरिश में किन बातों का ध्यान रखें कि उनके भीतर आत्मविश्वास जागे, वे स्वावलंबी बनें, साथ में जागरूक भी, एक जरूरी सलाह।

बेटियां ऐसे बनेंगी सशक्त-जागरूक

परवरिश

पूर्ति खरे

बाय! अनिका, आराम से जाना और वहां जाकर खूब एंज्वॉय करना।' अनिका को कॉलेज टूर के लिए विदा कर वैदेही घर के कामों में लग गई। इन दिनों अनिका की नानी यानी वैदेही की मां भी आई हुई थीं। वे बड़े गौर से अपनी बेटी की परवरिश देख रही थीं। कुछ देर बाद वह बोल ही पड़ीं, 'अनिका लड़की है, यूं आजादी से घूमेगी? मुझे तो यह समझ में नहीं आ रहा है कि इतनी आजादी तुम उसे क्यों दे रही हो? लड़की जात है, कहीं कोई ऊंच-नीच हो गई तो?' मां के इन सवालों का वैदेही ने बस एक जवाब दिया, 'मां, ये नए दौर की परवरिश है। अब न गुजरे वक्त जैसी जमीन है, न हवा-पानी वैसा है। अब इनके बीज अलग ढंग से बोने होंगे।' कहने को बात छोटी थी, लेकिन अपने भीतर बहुत बड़ा अर्थ समेटे थी। आज दुनिया तेजी से बदल रही है, इस बदलती दुनिया का रुख समझना होगा, उसी के हिसाब से अपनी बेटियों को मजबूत बनाने के लिए उन्हें तैयार करना होगा। इसके लिए बेटियों की परवरिश में एक स्मार्ट नजरिया बहुत जरूरी है। यह नजरिया क्या हो इस बारे में यहां विस्तार से जानें-

गहने नहीं, स्वाभिमान जोड़ें: बेटी जैसे ही बड़ी होने लगती है, माता-पिता उसकी शादी के लिए गहने जोड़ने लगते हैं, लेकिन गहने नहीं जोड़ें, उसके व्यक्तित्व में स्वाभिमान जोड़ें। बेटी को यह सोच दीजिए कि उसकी पहचान केवल किसी की बेटी, पत्नी या बहू होने से नहीं, बल्कि उसके अपने व्यक्तित्व से है। उसे अपनी बात कहने और अपने लिए सही निर्णय लेने की समझदारी दीजिए।

आत्मनिर्भर बनाएं: बेटी को घर के काम सिखाना अच्छी बात है, लेकिन आत्मनिर्भर बनाना उससे भी ज्यादा जरूरी है। खाना बनाने और घर संभालने के साथ उसे बैंक का काम, जरूरी दस्तावेजों की जानकारी और इससे संबंधित काम, डिजिटल लेन-देन, यात्रा और अपने छोटे-बड़े फैसले खुद लेना भी सिखाइए।

उसके हुनर को दें प्रोत्साहन: हर बेटी के भीतर कोई न कोई खास हुनर होता है। किसी को पढ़ने में रुचि होती है, किसी को खेल, संगीत, कला या तकनीक में रुचि होती है। उसकी तुलना दूसरों से करने के बजाय, उसके हुनर को पहचानिए और उसे आगे बढ़ने के अवसर दीजिए। किसी हुनर का महत्व केवल उससे होने वाली कमाई में नहीं होता, वह बेटी को आत्मविश्वास भी देता है।

उसकी ताकत का एहसास कराएं: बेटी को मजबूत बनाने का अर्थ यह नहीं कि उसे दुनिया से लड़ना सिखाया जाए। अर्थ यह है कि उसे दुनिया को समझना सिखाया जाए। उसे विश्वास दीजिए, अवसर दीजिए और सबसे बढ़कर यह एहसास दीजिए कि 'तुम किसी से कम नहीं हो।' क्योंकि जब बेटी के भीतर आत्मविश्वास की रोशनी जलती है, तो वह दुनिया में अपनी जगह बनाना सीखती है। बेटी को सिर्फ पंख मत दीजिए, उसे उड़ना भी सिखाइए। उसे एहसास और भरोसा दिलाइए कि- तुम सशक्त तो दुनिया तुम्हारी है।

खुलकर बोलना सिखाएं: बेटी को चुप रहना नहीं, सही बात सही जगह पर कहना सिखाइए। उसे 'ना' कहना सिखाइए। असहज स्थिति को पहचानना और जरूरत पड़ने पर मदद मांगना सिखाइए। सबसे जरूरी बात, अपनी बेटी को ऐसा माहौल दीजिए कि वह अपनी परेशानी आपसे बिना डरे साझा कर सके।

अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाएं: बेटी को केवल उसके कर्तव्यों का ज्ञान न दें, उसके अधिकार भी बताइए। उसे शिक्षा, सम्मान, सुरक्षित वातावरण और अपने जीवन से जुड़े फैसलों में अपनी इच्छा के महत्व को समझाइए। बुनियादी कानूनी जानकारी भी उसकी ताकत बन सकती है। परिस्थितियों को समझना और जरूरत पड़ने पर सही निर्णय लेना सिखाना ज्यादा जरूरी है। a

---

मेडिकल एडवाइस

डॉ. आस्था गुप्ता
सीनियर गायनेकोलॉजिस्ट

पीसीओएस को आमतौर पर अनियमित पीरियड्स और वजन बढ़ने से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन इसका असर नींद पर भी पड़ सकता है। ये आपस में कैसे रिलेट करते हैं और इनसे कैसे निजात पाएं, जानिए।

पीसीओएस से हो सकती है नींद में परेशानी

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) की समस्या और इससे जुड़े लक्षणों के बारे में तो कई महिलाएं जानती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि इसका असर आपकी नींद पर भी पड़ सकता है? इसके संकेतों को जरअंदाज न करें।

हो सकती हैं नींद से जुड़ी समस्याएं: पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (ओएसए) का जोखिम सामान्य महिलाओं की तुलना में अधिक होता है। इस स्थिति में सोते समय सांस की नली कुछ समय के लिए संकरी या बंद हो जाती है, जिससे सांस लेने में रुकावट आती है। शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर व्यक्ति की नींद बार-बार खुलने लगती है, ताकि सांस सामान्य हो सके।

पीसीओएस-अनिद्रा का कनेक्शन: पीसीओएस में इंसुलिन रेजिस्टेंस, वजन बढ़ना और हार्मोनल असंतुलन जैसी

समस्याएं कॉमन हैं। वहीं, लंबे समय तक अनिद्रा और स्लीप एपनिया की समस्या, शरीर में तनाव हार्मोन और इंसुलिन रेजिस्टेंस को बढ़ा सकती हैं। नींद की कमी का असर महिलाओं के हार्मोनल और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। लगातार अपर्याप्त नींद से थकान, चिड़चिड़ापन, ध्यान केंद्रित करने में परेशानी और मूड में बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जिन महिलाओं में पहले से ही अनियमित पीरियड्स, वजन बढ़ना या इंसुलिन रेजिस्टेंस जैसी पीसीओएस से जुड़ी परेशानियां हैं, उनके लिए खराब नींद इन समस्याओं को और चुनौतीपूर्ण बना सकती हैं।

यदि खर्राटे बहुत तेज और नियमित हैं, सोते समय आप सांस रुकने की समस्या महसूस करती हैं, घुटन होती है या सांस की गति बढ़ जाती है तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है।

बैलेंस्ड डाइट-अच्छी नींद जरूरी: पीसीओएस को मैनेज करने के लिए केवल पीरियड्स को नियमित करना या वजन कम करना ही पर्याप्त नहीं है। संतुलित आहार, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और तनाव का प्रबंधन भी इसके प्रभावों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्लीप एपनिया होने पर डॉक्टर स्थिति के अनुसार ट्रीटमेंट करते हैं। a

प्रस्तुति: निकिता चौहान

अच्छी डाइट-वर्कआउट के साथ
'मी टाइम' निकालना भी है जरूरी

इन दिनों सोनी सब चैनल के शो 'यादें' में डॉ. सृष्टि अग्रवाल का किरदार गुल्की जोशी निभा रही हैं। इसमें वे फिट और अट्रैक्टिव नजर आ रही हैं। अपनी फिटनेस और ब्यूटी को मेंटेन करने के लिए वे क्या करती हैं, गुल्की सहेली को बता रही हैं, अपनी जुबानी।

फिटनेस फंडा

गुल्की जोशी

गुल्की जोशी स्ट्रिक्ट डाइट के बजाय बैलेंस्ड और सस्टेनेबल डाइट को प्राथमिकता देती हैं। वर्कआउट में स्ट्रेंथ, मोबिलिटी और कार्डियो का संतुलन बनाए रखती हैं। साथ ही, मानसिक सुकून के लिए 'मी टाइम' निकालती हैं। आइए जानते हैं, उनकी फिटनेस और ब्यूटी का राज क्या है?

बैलेंस्ड और सस्टेनेबल डाइट: फिटनेस बनाए रखने के लिए मैं बहुत स्ट्रिक्ट डाइट से ज्यादा बैलेंस्ड और सस्टेनेबल डाइट पर फोकस करती हूं। मैं कोशिश करती हूं कि मेरे खाने में पर्याप्त प्रोटीन, सब्जियां और फल शामिल हों। मैं घर का बना खाना ही खाती हूं। शूटिंग के दौरान टाइमिंग कभी-कभी डिस्टर्ब हो जाती है, लेकिन मैं मेंटेन करने का भरसक प्रयास करती हूं। इसके साथ ही मैं हाइड्रेशन पर खास ध्यान देती हूं। वैसे मैं किसी भी तरह के फूड को पूरी तरह अवॉयड नहीं करती, लेकिन जंक और बहुत ज्यादा प्रोसेस्ड फूड को लिमिट में ही खाना पसंद करती हूं। मेरा मानना है कि डाइट ऐसी होनी चाहिए, जिसे आप पूरे मन से फॉलो कर सकें।

करती हूं डेली वर्कआउट: मैं नियमित रूप से वर्कआउट करने की कोशिश करती हूं। हालांकि शूटिंग शेड्यूल के हिसाब से रूटीन में बदलाव आता रहता है। मुझे ऐसा वर्कआउट पसंद है, जिसमें स्ट्रेंथ, मोबिलिटी और थोड़ा कार्डियो, तीनों का बैलेंस हो। वॉकिंग भी मेरे लिए बहुत जरूरी है। अगर कभी जिम जाना मिस हो जाए, तो मैं कोशिश करती हूं कि दिन भर फिजिकली एक्टिव रहूं। मेरे लिए कंसिस्टेंसी सबसे ज्यादा मायने रखती है।

'मी टाइम' भी निकालती हूं: मानसिक शांति के लिए मैं अपने लिए थोड़ा 'मी टाइम' निकालना बहुत जरूरी मानती हूं। कभी-कभी बस कुछ देर शांत बैठना, फोन से दूरी बनाना या अपने पसंदीदा लोगों के साथ समय बिताना भी बहुत मदद करता है। मैं कोशिश करती हूं कि किसी भी टेंशन को अपने ऊपर हावी न होने दूं और जो चीजें मेरे कंट्रोल में नहीं हैं, उन्हें लेकर खुद को ज्यादा परेशान न करूं। मेरा मानना है कि पॉजिटिव रहना कोई एक दिन की प्रैक्टिस नहीं, बल्कि रोज खुद को थोड़ा बेहतर समझने की प्रक्रिया है।

अच्छी नींद को मानती हूं जरूरी: अच्छी फिटनेस का असर मेरी ब्यूटी पर भी पड़ता है। मेरे लिए ब्यूटी का सबसे बड़ा सीक्रेट है, डेली अच्छी पूरी नींद सोना। हाइड्रेशन को मेंटेन रखना और बेसिक स्किन केयर में कंसिस्टेंसी। मैं बहुत ज्यादा एक्सपेरिमेंट करने के बजाय अपनी स्किन को सूट करने वाले कुछ बेसिक प्रोडक्ट्स को अप्लाई करना पसंद करती हूं। शूटिंग में मेकअप काफी होता है, इसलिए उसे अच्छी तरह से हटाना और स्किन को साफ और मॉइश्चराइज रखना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि जब हम अंदर से खुश और स्वस्थ महसूस करते हैं, तो उसका असर चेहरे पर अपने आप दिखता है। a

प्रस्तुति: सहेली फीचर्स

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में डीलरशिप एवं ASM या SR हेतु संपर्क करें
Mobile: 9285163700, Email: gdc.indore@gmail.com

भारतीय महिला हॉकी टीम ने इंडोनेशिया को 17-1 से हराया

टीम इंडिया की लगातार दूसरी जीत दीपिका, रुतुजा, नवनीत की हैट्रिक

एजेंसी ▸▸| काकामिगाहारा

ड्रैग फ्लिकर दीपिका, फॉरवर्ड रुतुजा पिसाल और नवनीत कौर की हैट्रिक के दम पर भारतीय महिला हॉकी टीम ने इंडोनेशिया को 17-1 से हराकर एशियाई खेलों के पूल बी में सोमवार को लगातार दूसरी जीत दर्ज की। दीपिका ने आठवें, 28वें और 40वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागे। इससे पहले उजबेकिस्तान के खिलाफ 19-0 से मिली जीत में दीपिका ने 8 गोल दागे थे।

रुतुजा ने 15वें, 20वें और 38वें मिनट में गोल किए। नवनीत ने 35वें, 56वें और 57वें मिनट में गोल दागे। सुनेलिटा टोप्पो (11वां, 30वां) , लालरेम्सियामी (12वां और 16वां) और साक्षी राणा (25वां और 57वां) ने दो-दो गोल किए जबकि कप्तान सलीमा टेटे (35वां) और इशिका चौधरी (36वां) ने एक-एक गोल किया। इंडोनेशिया के लिये एकमात्र गोल इनेस आदितिया ने 32वें मिनट में दागा ।

भारत का सामना थाईलैंड से कल

भारत का सामना अब बुधवार को थाईलैंड से होगा। भारत को चौथे ही मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिला लेकिन नवनीत के प्रयास को इंडोनेशियाई गोलकीपर ने रोक दिया। दीपिका ने आठवें मिनट में भारत को बढत दिलाई। इसके तीन मिनट बाद नेहा के पास पर सुनेलिटा ने गोल दागा। दो मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर पर दीपिका की फ्लिक इंडोनेशियाई गोलकीपर ने बचा ली, जिसके बाद रिबाउंड पर लालरेम्सियामी ने गोल किया। रुतुजा ने साक्षी राणा का प्रयास बचा लिए जाने के बाद डिफ्लैक्शन पर गोल दागा। एक मिनट बाद लालरेम्सियामी ने और फिर रुतुजा ने गोल किए। साक्षी ने 27वें मिनट में दीपिका के पेनल्टी कॉर्नर गोल के बाद रिबाउंड पर गोल किया।

321 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली हॉकी खिलाड़ी बनी सविता

काकामिगाहारा। भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली गोलकीपर सविता पूनिया सोमवार को भारत के लिए सबसे ज्यादा 321 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला हॉकी खिलाड़ी बन गई, जिन्होंने वंदना कटारिया का रिकॉर्ड तोड़ा। सविता ने यह उपलब्धि एशियाई खेलों में पूल बी में इंडोनेशिया के खिलाफ दूसरे मैच में हासिल की। हॉकी इंडिया ने इस उपलब्धि पर उनके लिए 10 लाख रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। पूर्व कप्तान और तीन बार एफआईएच की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर (2020, 2021, 2023) चुनी जा चुकी सविता ने 2009 में अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था और अब तक तीन ओलंपिक, तीन विश्व कप और दो एशियाई खेलों में भाग ले चुकी हैं। उन्होंने एफआईएच प्रो लीग में नीदरलैंड के खिलाफ फरवरी 2025 में हुए मैच के दौरान 300 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे किए थे। वह वंदना के अलावा 300 से अधिक मैच खेलने वाली अकेली भारतीय महिला खिलाड़ी और पीआर श्रीजेश के बाद एकमात्र गोलकीपर हैं।

निशानेबाजी : ढिल्लों और पाटिल ने जीते दो पदक

नागोया। युवा निशानेबाज हिमांशु ढिल्लों और रुद्रांक्ष पाटिल ने रोमांचक मुकाबले में दबाव के बीच संयम बनाए रखते हुए पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता जबकि दोनों ने पार्थ माने के साथ मिलकर टीम स्पर्धा का रजत पदक भी अपने नाम किया। इन तीन पदक से निशानेबाजी में भारत की पदक संख्या पांच हो गई है, जिसमें 4 रजत और 1 कांस्य शामिल है। सोमवार को अपना 21वां जन्मदिन मना रहे हिमांशु ने 252.4 अंक के साथ रजत जीता। रुद्रांक्ष ने 230.9 अंक हासिल किए। मजबूत शुरुआत के बाद वह स्वर्ण पदक की चुनौती पेश करते दिख रहे थे लेकिन अंततः तीसरे स्थान पर रहे। व्यक्तिगत ढिल्लों, अपने पहले एशियाई खेल में हिस्सा ले रहे रुद्रांक्ष और 18 वर्षीय माने के टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने के महज एक घंटे बाद आए।

बैडमिंटन पुरुषः क्वार्टर फाइनल में भारत, बांग्लादेश को हराया

इचिनोमिया। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम बांग्लादेश को 3-0 से हराकर सोमवार को क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और श्रीकांत ने एक भी गेम गंवाए बिना क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका सामना मंगलवार को मेजबान जापान से होगा। महिला टीम भी अंतिम आठ में जापान से खेलेगी। लक्ष्य ने इब्न ऐमान जमान को आधे घंटे से भी कम समय में 21-4, 21-12 से मात दी। इसके बाद आयुष ने गौरब सिंह को 25 मिनट में 21-4, 21-13 से हराया। श्रीकांत ने जुमार अल अमीन को 23 मिनट में 21-15, 21-9 से शिकस्त दी। मैच के बाद लक्ष्य ने कहा,' मेरे लिए हालात के अनुरुप ढलना अहम था। यह कठिन मैच नहीं लग रहा था लेकिन पहला मैच काफी पेचीदा हो सकता है। मैं अच्छी शुरुआत करके कोर्ट के अनुसार खुद को ढलने के इरादे से ही आया था।

महिला टेबल टेनिस : पाकिस्तान को हराकर क्वार्टर फाइनल में भारत

टोयोटा। भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने सोमवार को एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान को 3-0 से हराकर एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। स्काई हॉल में भारत ने ग्रुप एफ में लगातार तीसरी जीत दर्ज कर शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने रविवार को अपने शुरुआती मुकाबलों में इंडोनेशिया और सिंगापुर को हराया था और इसके बाद चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ भी अपना दबदबा कायम रखा। हांगझोउ एशियाई खेलों में महिला युगल का कांस्य पदक जीतने वाली सुतीर्था मुखर्जी ने अलीना खान को केवल 10 मिनट में 11-3, 11-3, 11-4 से हराकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई।इसके बाद 17 वर्षीय सिंड्रेला दास ने कलसूम खान को 11-6, 11-7, 11-5 से हराकर भारत की बढ़त 2-0 कर दी।

मुक्केबाजी : प्री क्वार्टर फाइनल में सुमित कुंडू

निशियो। भारत के मुक्केबाजी अभियान की एशियाई खेलों में सोमवार को शानदार शुरुआत हुई जब सुमित कुंडू ने 70 किग्रा वर्ग के शुरुआती दौर में थाईलैंड के बुनजोंग सिनसिरी को सर्वसम्मत फैसले में हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछले महीने राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने से चूके दो भारतीय मुक्केबाजों में शामिल कुंडू ने अंतिम दौर में दबदबा बनाते हुए सिनसिरी को 5-0 से हराया। अब उनका सामना इराक के अली कासिम हमदान अल सर्रा से होगा। भारत ने एशियाई खेलों के लिए 11 सदस्यीय मुक्केबाजी टीम उतारी है, जिसमें छह पुरुष और पांच महिला मुक्केबाज शामिल हैं। पिछले एशियाई खेलों में भारतीय मुक्केबाजों ने चार पदक जीते थे, जिनमें एक रजत और तीन कांस्य पदक शामिल थे।

खबर संक्षेप

वित्तीय मॉडल पर काम कर रही सुपर लीग केरला

नई दिल्ली। सुपर लीग केरला एक नए वित्तीय मॉडल पर काम कर रही है, जिसका मकसद अगले सत्र से अपनी ज्यादातर फ्रेंचाइजी को 'ब्रेक इवन प्वाइंट' (न लाभ न हानि) के करीब लाने के साथ ही जर्मन फुटबॉल संघ के साथ पांच साल का तकनीकी रोडमैप भी तैयार करना है। जर्मन फुटबॉल संघ के साथ तैयार रोडमैप में हर साल करीब 200 युवा प्रतिभाओं के लिए रिहायशी उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर आफ एक्सीलैंस) स्थापित करना भी है। लीग के निदेशक और सीईओ मैथ्यू जोसेफ ने कहा,' हमने यह पाया कि काफी खर्च करने से टीमें टिक नहीं पाएंगी। यही एक वजह है कि लीग की शुरुआत से ही हमने मितव्ययिता की पैरवी की, चाहे वह वेन्यू का खर्च हो, लागत हो या खिलाड़ियों के लिए पर्स हो।'

इंडियन सुपर लीग के सीईओ बने यादव

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) ने जेएसडब्ल्यू स्पोटर्स के मुख्य व्यावसायिक अधिकारी करण यादव को सीईओ नियुक्त किया, जो क्लबों की अगुवाई वाले नए मॉडल में लीग का नेतृत्व करेंगे। सीईओ के तौर पर यादव लीग ऑफिस और आईएसएल की रणनीतिक, व्यावसायिक और संगठनात्मक दिशा का नेतृत्व करेंगे और इसके क्लबों और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के साथ मिलकर काम करेंगे। यादव ने कहा ,'आईएसएल नए अहम अध्याय की ओर बढ रहा है और मुझे खुशी है कि भविष्य को दिशा देने का मौका मिला है।

सुदर्शन करेंगे पारी का आगाज

आज से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मुकाबला

एजेंसी ▸▸| पुडुचेरे

चोट से उबर कर साई सुदर्शन मंगलवार से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शुरू होने वाले चार दिवसीय प्रथम श्रेणी मुकाबले में भारत ए के लिए एक बार फिर पारी की आगाज करेंगे तो उनकी नजरें न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में वैकल्पिक सलामी बल्लेबाज की जगह पक्की करने पर होंगी।

ऑस्ट्रेलिया ए की टीम में भी कई ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं, जो टेस्ट टीम में जगह बनाने की दौड़ में हैं। इनमें सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास और नाथन मैकस्वीनी, ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी तथा तेज गेंदबाज झाय रिचर्डसन प्रमुख हैं।

टेस्ट टीम में पडिक्कल की जगह पक्की

भारत ए की कप्तानी कर रहे देवदत्त पडिक्कल ने श्रीलंका के पिछले दौरे में दो शतक लगाकर टेस्ट टीम में तीसरे नंबर के बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है। ऐसे में पिछली 'ए' श्रृंखला से पारी की शुरुआत करने वाले सुदर्शन चाहेंगे कि ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भी वह वहीं से शुरुआत करें, जहां उन्होंने श्रीलंका ए के खिलाफ अपना शानदार अभियान छोड़ा था। सलामी बल्लेबाजी में विकल्प के लिए सुदर्शन के अलावा अमन मोखाडे भी दावेदार हैं। श्रीलंका में उन्हें अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में सफलता नहीं मिली थी।

सारांश जैन पर खास नजर

श्रीलंका में टेस्ट खेल चुके ऑफ स्पिनर सारांश जैन अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके थे। ऐसे में अंतरिम मुख्य चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा और समिति के अन्य सदस्य अनुभवी मुंबई के गेंदबाज तनुष कोटियन के प्रदर्शन पर खास नजर रखेंगे। इस मुकाबले से चयनकर्ता उन खिलाड़ियों की पहचान करना चाहेंगे, जिन्हें भारत ए के न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुना जा सकता है। भारत ए को न्यूजीलैंड में तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है। पिछले 12 महीनों में यह दूसरी बार है जब ऑस्ट्रेलिया ए की टीम भारत दौरे पर आई है। यह दौरा बहुप्रतीक्षित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

भारत की शानदार शुरुआत, जापान को 49-24 से हराया

एजेंसी ▸▸| टोकाई सिटी

गत चैंपियन भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने मेजबान जापान को 49-24 से हराकर अपने खिताब की रक्षा के अभियान की शानदार शुरुआत की। भारत ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और टोकाई सिटीजन्स जिम्नेजियम में अयान लोचब और देवांक दलाल ने रेडिंग में प्रभावी प्रदर्शन करते हुए मध्यांतर तक टीम को 31-9 की बढ़त दिला दी। गत चैंपियन भारत ने दूसरे हाफ में 18 अंक और जोड़े। भारत ने 36 अंक आउट करके, आठ अंक ऑलआउट करके और दो अंक सुपर टैकल के जरिए हासिल किए।

डेविस कप : ज्वेरेव ने प्रिज्मिक को महज 77 मिनट में हराया

एजेंसी ▸▸| हाले

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने डिनो प्रिज्मिक को आसानी से हराया, जिससे जर्मनी ने क्रोएशिया को 3-1 से शिकस्त देकर डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम 8 में जगह बनाई।

ज्वेरेव ने प्रिज्मिक को 6-2, 6-4 से हराने में केवल 77 मिनट लिए। प्रिज्मिक की रैंकिंग अमेरिकी ओपन और फ्रेंच ओपन के चैंपियन ज्वेरेव से 100 से अधिक स्थान नीचे है। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज ज्वेरेव ने जर्मनी के हाले में इंडोर हार्ड कोर्ट पर दबदबा बनाए रखा। प्रिज्मिक को मैच में एक भी ब्रेक प्वाइंट का मौका नहीं मिला।

इससे पहले रविवार को केविन क्राविएत्ज और टिम पुएत्ज की जोड़ी ने निकोला मेक्टिच और माते पाविच को 7-5, 6-2 से हराकर ज्वेरेव को जर्मनी को नवंबर में इटली के बोलोन्या में होने वाले अंतिम आठ मुकाबलों में पहुंचाने का मौका दिया था।

जर्मनी अंतिम आठ में, ब्रिटेन आगे बढ़ा

ब्रिटेन ने अंतिम-8 में बनाई जगह

ब्रिटेन ने भी अंतिम आठ टीमों में जगह बनाई। हेनरी पैटन और नील स्कूप्स्की की युगल जोड़ी ने गोंजालो एस्कोबार और डिएगो हिडाल्गो को 6-3, 6-4 से हराकर इक्वाडोर पर ब्रिटेन की 3-0 की अजेय बढ़त सुनिश्चित की।

भारत और जापान के बीच मुकाबला आज

सानो। जापान की क्रिकेट टीम ऐतिहासिक टी20 मुकाबले में मंगलवार को मौजूदा चैंपियन भारत का सामना करेगी तो यही उम्मीद होगी कि इस मैच का असर बेसबॉल के दीवाने इस देश में मैदान से बाहर तक नजर आए। इस मैच की घोषणा हाल ही में की गई और यह भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 75वीं सालगिरह के उपलक्ष्य में खेला जाएगा। भारत मौजूदा विश्व चैम्पियन है और जापान 41वीं रैंकिंग पर है लिहाजा यह बेमेल सा ही मुकाबला है,

जिसे आइची नागोया में एशियाई खेलों के बीच आयोजित किया जा रहा है। आंकड़ों से इतर बात करें तो इस मैच के जरिए जापान के क्रिकेटरों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों से खेलने का मौका मिलेगा। जापान क्रिकेट संघ के सीओओ एलेन कर ने कहा,'जापान क्रिकेट की पृष्ठभूमि में कई सालों से बहुत कुछ चल रहा है और अब यह बहुत अच्छा है कि हम समुद्र तल से ऊपर हैं और हम असल में कुछ और लोगों को दिखाई दे रहे हैं।'

भारत अंडर-19 टीम का सीरीज पर कब्जा

वनडे में ऑस्ट्रेलिया पर भारत की शानदार जीत

एजेंसी ▸▸| राजकोट

भारत की अंडर-19 टीम ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध अनाधिकारिक वनडे सीरीज का दूसरा मैच 103 रन से अपने नाम किया। निरंजन शाह स्टेडियम में इस जीत के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज पर 2-0 से अपना कब्जा जमा लिया है। भारतीय टीम ने 18 सितंबर को खेले गए सीरीज के पहले मैच को 7 रन से जीता था, जिसमें बारिश के चलते 30-30 ओवरों की कटौती हुई। अब दूसरा मैच जीतकर मेजबान टीम ने सीरीज पर

कब्जा कर लिया है। सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच 23 सितंबर को इसी मैदान पर खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें दो टेस्ट मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी।

भारत ने बनाए 341 रन

राजकोट में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय अंडर-19 टीम ने 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 341 रन बनाए। कप्तान लक्ष्य रैचंदानी ने आर्यवीर सहवाग के साथ पहले विकेट के लिए 46 रन की साझेदारी की। लक्ष्य 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आर्यवीर ने वीके विनीत के साथ दूसरे विकेट के लिए 55 रन जोड़कर टीम को शतक के पार पहुंचा दिया। आर्यवीर 48 गेंदों में 9 चौकों के साथ 47 रन बनाकर आउट हुए।

स्पेनिश लीग : एटलेटिको ने रियाल मैड्रिड को 2-1 से हराया

मैनचेस्टर सिटी ने शीर्ष पर की अपनी बढ़त मजबूत

एजेंसी ▸▸| मैड्रिड

▪ प्रीमियर लीग : मैनचेस्टर सिटी ने रोमांचक मुकाबले में संडरलैंड को दी शिकस्त

एटलेटिको मैड्रिड ने स्पेनिश लीग के इस सत्र के अपने पहले डर्बी मुकाबले में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे रियाल मैड्रिड को 2-1 से हराया जबकि मैनचेस्टर सिटी ने प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबले में संडरलैंड को 5-3 से शिकस्त देकर शीर्ष स्थान पर अपनी बढ़त मजबूत की। एटलेटिको के लिए दूसरे हाफ में अलेजांद्रो

ग्रिमाल्डो और जोनाथन डेविड ने गोल किए। इस जीत से एटलेटिको दूसरे स्थान पर पहुंच गया जबकि बार्सीलोना शीर्ष पर है। मैच के बाद रियाल मैड्रिड के कोच जोस मोरिन्हो ने रेफरी के फैसलों की कड़ी आलोचना की। इंग्लैंड में मैनचेस्टर सिटी ने संडरलैंड को 5-3 से हराकर गत चैंपियन आर्सेनल पर तीन अंक की बढ़त बना ली। वहीं, क्रिस्टियन पुलिसिच ने इटली में एसी मिलान की लीस पर 3-0 की जीत में इस सत्र का अपना पहला गोल किया।

पेरिस सेंट जर्मेन नेमार्सेलो को हराया

फ्रांस में पेरिस सेंट जर्मेन ने पारंपरिक रूप से सबसे बड़े मुकाबलों में शुमार मैच में मार्सेलो को 2-1 से हराया जबकि नीस ने लिली को 2-1 से शिकस्त दी। सिरी ए में मासिमिलियानो एलेग्री के मार्गदर्शन में नेपोली की खराब शुरुआत का सिलसिला जारी रहा और टीम ने फियोरेंटीना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। फ्रांसिस्को कोंसेइकाओ और ग्लेइसन ब्रेमर के गोल की मदद से यूवेंटस ने अटलांटा को 2-0 से हराया जबकि पार्मा ने जेनोआ को 2-1 शिकस्त दी। कोमो को फ्रोसिनोने के खिलाफ 0-2 से हार मिली। बुंदेसलीगा सत्र की शुरुआत में लगातार दो जीत दर्ज करने वाले एल्वर्सबर्ग ने बायर्न म्यूनिख से हार के बाद शाल्के के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ खेला।

वैक्सीनेशन और रिक्त पदों की जानकारी देने के निर्देश

दस साल में बाघ संरक्षण के लिए एमपी को मिली राशि का भी देना होगा ब्योरा

टाइगर रिजर्व में बाघों की मौत पर हाईकोर्ट सख्त, केंद्र और एनटीसीए से मांगा जवाब

जबलपुर। मध्य प्रदेश के टाइगर रिजर्व में बाघों की मौत के मामले में हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार और नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथारिटी (एनटीसीए) से जवाब तलब किया है। जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने टाइगर रिजर्व में बाघों को संक्रमण से बचाने के लिए किए जा रहे वैक्सीनेशन, वन्यजीव चिकित्सा व्यवस्था तथा रिक्त पदों की स्थिति की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह भी बताने को कहा है कि पिछले 10 वर्षों में मध्यप्रदेश में बाघ संरक्षण के लिए कितनी राशि उपलब्ध कराई गई। एनटीसीए को भी प्रदेश के टाइगर रिजर्व के लिए जारी राशि का वर्षवार ब्योरा प्रस्तुत करना है।

हाईकोर्ट ने इससे पहले 19 अगस्त की सुनवाई में एनटीसीए को दस वर्ष का फंड संबंधी डाटा पेश करने के निर्देश दिए थे। सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान टाइगर रिजर्व में संक्रमण की रोकथाम का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। विशेषकर कान्हा टाइगर रिजर्व में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) की आशंका के बीच बाघों की मौत के बाद कुत्तों के वैक्सीनेशन और रोग निगरानी को महत्वपूर्ण माना गया। एनटीसीए ने भी टाइगर रिजर्व और उसके आसपास कुत्तों के नियमित टीकाकरण तथा वन्यजीवों की स्वास्थ्य निगरानी मजबूत करने की सलाह दी है। हाईकोर्ट ने प्रदेश के टाइगर रिजर्व में वन्यजीव पशु चिकित्सकों समेत आवश्यक पदों की स्थिति और उन्हें भरने के संबंध में भी जवाब मांगा है। याचिका में बाघों की मौत रोकने के लिए वैज्ञानिक निगरानी, रोग नियंत्रण और एनटीसीए के निर्धारित प्रोटोकाल के पालन का मुद्दा उठाया गया है।

कान्हा में लगातार मौतों से उठा सवाल

कान्हा टाइगर रिजर्व में अप्रैल-मई 2026 के दौरान कई बाघों की मौत के बाद मामला हाई कोर्ट पहुंचा था। याचिका में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और एनटीसीए के दिशा-निर्देशों के पालन तथा बाघों की मौत रोकने के लिए किए गए निवारक और उपचारात्मक उपायों की जानकारी मांगी गई थी। हाई कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 22 अक्टूबर को निर्धारित की है।

हाई कोर्ट ने 30 दिन में भुगतान के दिए निर्देश

असिस्टेंट प्रोफेसर को चार साल के बकाया वेतन देने का आदेश

काम से रोकने की अवधि का वेतन भी मिलेगा

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने हितकारिणी इंजीनियरिंग कालेज की असिस्टेंट प्रोफेसर क्रांति बर्मन को राहत देते हुए एक जून 2019 से 27 जून 2023 तक के बकाया वेतन का भुगतान करने का आदेश दिया है। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने संबंधित भुगतान 30 दिन के भीतर करने के निर्देश दिए हैं। सिविल लाइंस, जबलपुर निवासी क्रांति बर्मन की ओर से दायर रिव्यू याचिका में बताया गया कि वह वर्ष 2007 से हितकारिणी इंजीनियरिंग कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थीं। उन्होंने वर्ष 2017 और 2019 में वेतन विसंगति दूर करने के लिए कालेज प्रबंधन के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत किए थे। इसके बाद उन्हें एक जून 2019 से कालेज में काम करने से रोक दिया गया। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि इसके बाद 28 जुलाई 2023 को याचिकाकर्ता को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। बर्खास्तगी के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर पांच दिसंबर 2024 को मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच ने सुनवाई करते हुए बर्खास्तगी का आदेश निरस्त कर दिया था। साथ ही बकाया वेतन के भुगतान के निर्देश दिए थे। इसके बाद याचिकाकर्ता ने एक जून 2019 से 27 जून 2023 तक काम से रोके जाने की अवधि के वेतन भुगतान के लिए रिव्यू याचिका दायर की। सुनवाई के बाद वर्तमान युगलपीठ ने इस अवधि का बकाया वेतन भी भुगतान करने का आदेश दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संबंधित भुगतान 30 दिन के भीतर किया जाए।

पूर्व जज गिरिबाला सिंह की जमानत पर हाईकोर्ट में सुनवाई टली

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में सोमवार को भोपाल के बहुचर्चित ट्विशा शर्मा मौत मामले में आरोपी पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका की सुनवाई का नंबर नहीं आया। जस्टिस अजय निरंकारी की सिंगल बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 24 सितंबर को तय की। कटारा हिल्स थाने में दर्ज एफआईआर के बाद सीबीआई ने 25 मई को मामला दर्ज किया था। इसमें भारतीय न्याय संहिता तथा दहेज प्रतिषेध कानून की धाराएं शामिल हैं। निचली अदालत से मिली शुरुआती जमानत को हाईकोर्ट द्वारा रद्द किए जाने के बाद गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद भोपाल के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने 25 जुलाई 2026 को व्हाट्सएप चैट, कॉल डिटेल्स और गवाहों को प्रभावित करने की आशंका के आधार पर पुनः जमानत याचिका खारिज कर दी थी। मृतका के पिता नवनिधि शर्मा ने भी 7 अगस्त को लिखित आपत्ति दाखिल कर मामले में साजिश, वित्तीय रिकॉर्ड तथा गवाहों को धमकाने की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पूर्व सीएसपी नेहा पच्चीसिया के मामले की सुनवाई करेगी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की बेंच

जबलपुर। कटनी की निलंबित सीएसपी नेहा पच्चीसिया के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने तथा राहत की मांग को लेकर दायर याचिका पर अब मप्र हाईकोर्ट की भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम से संबंधित विशेष बेंच सुनवाई करेगी। सोमवार को जस्टिस हिमांशु जोशी की बेंच में सुनवाई प्रस्तावित थी, जहां राज्य सरकार ने मामले को उपयुक्त रोस्टर वाली बेंच में ट्रांसफर करने की मांग उठाई। सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि एफआईआर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं शामिल हैं, इसलिए नियमानुसार इस प्रकरण की सुनवाई भ्रष्टाचार मामलों के लिए तय बेंच में होनी चाहिए। याचिकाकर्ता के वकीलों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि ये धाराएं पिछली सुनवाई के बाद जोड़ी गई हैं, अतः सुनवाई पुरानी बेंच में ही होनी चाहिए। हालांकि, दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और केस डायरी

का अवलोकन करने के बाद कोर्ट ने सरकार की मांग को स्वीकार कर लिया।

यह पूरा विवाद कटनी के एक जमीन सौदे और पद के दुरुपयोग से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि पद का गलत इस्तेमाल कर हत्या के आरोपी को फायदा पहुंचाया गया और उसके परिवार पर जमीन को लेकर दबाव बनाया गया। विभागीय जांच के बाद नेहा पच्चीसिया सहित अन्य आरोपियों पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है तथा जिला कोर्ट से उनकी अग्रिम जमानत खारिज हो चुकी है। पिछली सुनवाई के दौरान सरकार ने उनके विदेश भागने की आशंका जताते हुए लुकआउट सर्कुलर की कार्रवाई और सह-आरोपी क्षितिज राज बारापात्रे के साथ संबंधों का मुद्दा भी उठाया था। नेहा की ओर से उनके ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज करते हुए जांच में सहयोग न करने के आरोपों को निराधार बताया गया है। हाईकोर्ट के नए रोस्टर के तहत अब यह मामला भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की बेंच के समक्ष सुना जाएगा।

एफआइआर निरस्त करने से हाईकोर्ट का इनकार

तीन तलाक के आरोप में पति को राहत नहीं

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने पत्नी को कथित तौर पर तीन तलाक देने, दहेज मांगने और उत्पीड़न के आरोपों से जुड़े मामले में पति व अन्य आरोपियों के खिलाफ दर्ज एफआइआर निरस्त करने से इनकार कर दिया। जस्टिस हिमांशु जोशी की सिंगल बेंच ने कहा कि आरोपों की सच्चाई और साक्ष्यों का परीक्षण ट्रायल कोर्ट में किया जाएगा। इस स्तर पर साक्ष्यों का विस्तृत मूल्यांकन उचित नहीं है। महाराष्ट्र के नासिक निवासी सुफीयान खान व अन्य की याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने यह आदेश दिया। याचिका के अनुसार, सुफीयान का निकाह 29 जुलाई 2021 को भोपाल में नियाज से हुआ था। वैवाहिक विवाद के बाद पत्नी की शिकायत पर वर्ष 2023 में महिला थाने में एफआइआर दर्ज हुई थी। इसमें आईपीसी की धारा 498-ए, 377, 354, 506 सहपठित धारा 34, दहेज प्रतिषेध अधिनियम और मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 के तहत आरोप लगाए गए थे। पति की ओर से आरोपों को झूठा बताते हुए कहा गया कि विवाद रहने की जगह को लेकर था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि मुकदमे की प्रक्रिया जारी रहेगी और आरोपों का निर्धारण साक्ष्यों के आधार पर होगा।

तत्कालीन प्रमुख सचिव राजस्व विवेक पोरवाल व तत्कालीन सागर कलेक्टर संदीप जीआर को राहत

आदेश का पालन होते ही दो आईएएस अधिकारियों के वारंट निरस्त

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने पूर्व प्रमुख सचिव राजस्व विवेक पोरवाल और पूर्व सागर कलेक्टर संदीप जीआर के खिलाफ जारी गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट सोमवार को निरस्त कर दिए। दोनों अधिकारियों के खिलाफ हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं होने पर वारंट जारी किए गए थे। जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच को सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से बताया गया कि मूल आदेश का पालन कर दिया गया है। इस पर वारंट निरस्त करने का आवेदन पेश किया गया, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने अवमानना याचिका का निराकरण कर दिया।

मामला सागर कलेक्टर कार्यालय में सेक्शन आफिसर शीला सेन के नियमितीकरण से जुड़ा है। शीला सेन ने नियमितीकरण की मांग को लेकर याचिका दायर की थी। 19 मार्च 2025 को हाई कोर्ट ने याचिका का निराकरण करते हुए राज्य सरकार और सागर कलेक्टर को उनके दावे का 90 दिन में निराकरण करने के निर्देश दिए थे। समय सीमा में आदेश का पालन नहीं होने पर अवमानना याचिका दायर की गई। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने पाया था कि तीन दिसंबर, 2025 को सागर कलेक्टर की ओर से तहसीलदार को संपर्क अधिकारी नियुक्त किए जाने की जानकारी दी गई थी, लेकिन परिपालन रिपोर्ट पेश नहीं हुई। अधिकारियों की ओर से पैरवी के लिए अधिवक्ता भी नियुक्त नहीं किया गया था। कोर्ट ने इसे प्रशासनिक व्यवस्था की दयनीय स्थिति बताते हुए दोनों अधिकारियों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर 21 सितंबर को उपस्थित होने के निर्देश दिए थे। सोमवार को आदेश के पालन की जानकारी मिलने पर कोर्ट ने वारंट निरस्त कर दिए।

एंबुलेंस डिवाइडर से टकराकर पलटी, दो गंभीर

जबलपुर। कैंट थाना क्षेत्र में सीईओ बंगले के सामने बीती रात करीब 12 बजे मरीज को लेकर आ रही एंबुलेंस डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में मरीज और एंबुलेंस चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। पुलिस के अनुसार, बरेला थाना क्षेत्र के धनपुरी में सड़क हादसे में घायल मरीज को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज ले जाया जा रहा था। सीईओ बंगले के सामने चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे एंबुलेंस डिवाइडर से टकराकर पलट गई। मरीज के परिजन कार से पीछे आ रहे थे। उन्होंने हादसा देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों और राहगीरों ने एंबुलेंस में फंसे चालक व मरीज को बाहर निकाला। मरीज के सिर में गंभीर चोट होने से लगातार खून बह रहा था। दोनों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। मरीज के साथ आ रहे संदीप जैन ने एंबुलेंस की रफ्तार तेज होने की बात कही। पुलिस ने एंबुलेंस को क्रेन की मदद से हटवाकर कब्जे में लिया है और हादसे की जांच शुरू कर दी है।

एमपी स्टेट बार काउंसिल चुनाव

जबलपुर से अधिवक्ता नवीन शुक्ला हुए निर्वाचित

32 वें दिन 15 प्रत्याशी निर्वाचित, अब सात मैदान में

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल निर्वाचन-2026 की द्वितीय चरण की मतगणना में एलिमिनेशन राउंड का 32 वां दिन सोमवार को पूरा हुआ। प्रत्याशी क्रमांक 83 राजेश कुमार पाण्डेय (सागर) के एलिमिनेशन की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही प्रत्याशी क्रमांक 58 नवीन शुक्ला (जबलपुर) ने निर्धारित कोटा पार कर लिया। इसके साथ ही नवीन शुक्ला को निर्वाचित माना गया।

अब तक निर्धारित कोटा पार कर निर्वाचित माने गए 15 प्रत्याशियों में राकेश सिंह भदौरिया (इंदौर), अखिलेश कुमार सक्सेना (इंदौर), आरके सिंह सैनी (जबलपुर), विवेक सिंह (इंदौर),

संदीप मेहता (उज्जैन), नित्यानंद मिश्रा (जबलपुर), हितोषी जय हार्डिया (इंदौर), नरेंद्र कुमार जैन (इंदौर), डा. विजय कुमार चौधरी (भोपाल), मनीष तिवारी (जबलपुर), अखंड प्रताप सिंह (रीवा), जितेंद्र कुमार शर्मा (ग्वालियर), गौरव मिश्रा (ग्वालियर), सुनील कुमार मिश्रा (जबलपुर) और नवीन शुक्ला (जबलपुर) शामिल हैं।

अब सात प्रत्याशी मैदान में

मतगणना के इस चरण के बाद अब केवल सात प्रत्याशी चुनाव मैदान में रह गए हैं। इनमें से तीन प्रत्याशियों का निर्वाचन होगा, जबकि एक प्रत्याशी प्रतीक्षा सूची में रहेगा। शेष प्रत्याशियों के एलिमिनेशन की प्रक्रिया आगे जारी रहेगी। अंतिम तीन निर्वाचित प्रत्याशियों के नाम निर्धारित कोटा और मतों के हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्पष्ट होंगे।

चार प्रत्याशियों को बढ़त

अब तक की मतगणना में पुरुष प्रत्याशियों में राशिद सोहेल सिद्दीकी (जबलपुर), दिनेश कुमार शुक्ला (ग्वालियर), शैलेंद्र वर्मा (जबलपुर) और अन्नू पटेल (सिंगरौली) बढ़त बनाए हुए हैं। महिला प्रत्याशियों में अब केवल अन्नू पटेल ही चुनाव मैदान में हैं। मतगणना जारी रहने के कारण अंतिम परिणाम के लिए आगामी एलिमिनेशन राउंड महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

होम स्टे योजना से आत्मनिर्भर बनेंगे

जबलपुर। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं होम स्टे ओनर्स वेलफेयर सोसाइटी, मप्र के संयुक्त तत्वावधान में होटल कल्चुरी रेसीडेंसी, सिविल लाइन में संभाग स्तरीय होम स्टे, फार्म स्टे, ग्राम स्टे एवं बेड एंड ब्रेकफास्ट पंजीयन शिविर एवं कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें जबलपुर, कटनी, उमरिया, मंडला, डिंडोरी एवं नरसिंहपुर से 50 से अधिक होम स्टे एवं एयरबीएनबी संचालकों ने भाग लिया। टूरिज्म बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि होम स्टे योजना 2010 (संशोधित 2026) के तहत घर के 1 से 8 कमरों को होम स्टे, फार्म स्टे या बीएंडबी के रूप में पंजीकृत कर पर्यटकों को ठहराने की सुविधा है। पंजीकृत इकाइयों को एयरबीएनबी, मेकमायट्रिप एवं एमपी टूरिज्म की वेबसाइट पर निःशुल्क लिस्टिंग के साथ प्रशिक्षण एवं मार्केटिंग सहायता भी दी जाती है। शिविर में संपत्ति धारकों को पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। सोसाइटी के अध्यक्ष शरद दीक्षित ने बताया कि प्रदेश में करीब 600 परिवार योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। कार्यक्रम में एमएस उइके, नवनीत माहेश्वरी, प्रदीप दीक्षित, परमेंद्र रावत, आशीष गुप्ता, मनोज राय, क्षितिज जायसवाल, अक्षय तिवारी एवं हर्ष मलैया सहित अन्य उपस्थित रहे।

हाथीताल टंकी से दो दिन जलापूर्ति प्रभावित

जबलपुर। नर्मदा जल प्रदाय योजना के तहत 55 एमएलडी ललपुर जल शोधन संयंत्र से भरी जाने वाली हाथीताल उच्चस्तरीय टंकी की लीकेज सुधारने के लिए ग्राउटिंग कार्य किया जाएगा। इसके चलते 23 सितंबर की प्रातः से 24 सितंबर की सायंकाल तक संबंधित क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। कार्यपालन यंत्री जल कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि सुधार कार्य के दौरान प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की व्यवस्था की जाएगी। कार्य पूर्ण होने के बाद जलापूर्ति पहले की तुलना में अधिक सुचारू एवं प्रभावी रूप से बहाल करने का प्रयास किया जाएगा। नगर निगम की ओर से महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', जल प्रभारी दामोदर सोनी एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने नागरिकों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए सहयोग की अपील की है।

गोंडवाना एक्सप्रेस में विजिलेंस की कार्रवाई

दो टीटीई के पास मिला अतिरिक्त कैश

जबलपुर। हजरत निजामुद्दीन से जबलपुर आ रही गोंडवाना एक्सप्रेस में रेल विजिलेंस टीम ने कार्रवाई करते हुए दो टीटीई के पास घोषित राशि से 7,500 रुपए अधिक कैश पकड़ा। टीम ने दोनों के खिलाफ मामला बनाकर आगे की कार्रवाई के लिए प्रकरण जबलपुर रेल मंडल के सीनियर डीसीएम को सौंप दिया है। रेल सूत्रों के अनुसार ट्रेन क्रमांक 12181 के एसी कोच में ड्यूटी कर रहे टीटीई लक्ष्मी नारायण के कैश की जांच में घोषित राशि से 1,900 रुपए अधिक मिले। वहीं स्लीपर कोच में तैनात टीटीई गुंजन कुमार के पास 5,600 रुपए अतिरिक्त पाए गए। विजिलेंस ने दोनों मामलों में कार्रवाई की। ट्रेन में तैनात एक अन्य टीटीई के कैश की भी जांच की गई, लेकिन उसके पास अतिरिक्त राशि नहीं मिलने पर उसे छोड़ दिया गया।

जबलपुर रेल मंडल में चलती ट्रेन से गिरा यात्री

गार्ड की सतर्कता से बची जान

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल के गुर्रमखेड़ी स्टेशन के पास ट्रेन क्रमांक 22366 से गिरकर 35 वर्षीय यात्री राघवेन्द्र सिंह घायल हो गया। ट्रेन के गार्ड को घटना की जानकारी मिलते ही गाड़ी रुकवाई गई और कंट्रोल को सूचना दी गई। गुर्रमखेड़ी स्टेशन से स्ट्रेचर मंगवाकर सफाईकर्मियों और आरपीएफ की मदद से घायल को गार्ड कोच में पहुंचाया गया। पिपरिया स्टेशन पर वाणिज्य विभाग, स्टेशन प्रबंधक वाणिज्य और आरपीएफ स्टाफ ने यात्री को अटेंड किया। इसके बाद एंबुलेंस से उसे शासकीय चिकित्सालय पहुंचाया गया। घायल यात्री राघवेन्द्र सिंह, पिता हनुमान सिंह, निवासी कुसवार, थाना सिमरिया, जिला रीवा बताया गया है। चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है और तबीयत में सुधार बताया जा रहा है।

युवक से तलाशी में देशी पिस्टल और कारतूस मिला

जबलपुर। रांझी थाना पुलिस ने पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस को देखकर छिपने का प्रयास कर रहे एक युवक को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। तलाशी में उसके कब्जे से देशी पिस्टल और एक कारतूस बरामद हुआ। थाना प्रभारी उमेश कुमार गोल्हानी के अनुसार, 20 सितंबर की रात पुलिस टीम पेट्रोलिंग कर रही थी। इसी दौरान ज्योति नर्सरी के पास शांतिनगर रोड, करोंदी में एक युवक पुलिस को देखकर छिपने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम विशाल ठाकुर उर्फ पैंडा (25), निवासी दुर्गा मंदिर के पास इंद्रानगर, रांझी बताया। तलाशी में पेंट के सामने से देशी पिस्टल और दाहिनी जेब से एक कारतूस मिला। पूछताछ में विशाल ने पिस्टल करीब दो माह पहले तरुण पटेल से 23 हजार रुपए में खरीदना बताया। पुलिस ने हथियार जब्त कर आरोपी के खिलाफ धारा 25 एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस हथियार के स्त्रोत और उसे रखने के उद्देश्य की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में आर्म्स एक्ट, अवैध वसूली, मारपीट, विस्फोटक अधिनियम और चोरी सहित विभिन्न धाराओं में 7 मामले दर्ज हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240